दैनिक

प्रतिदिन राजधानी

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

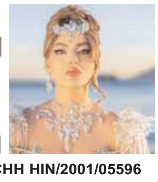

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 116 रायपुर, शुक्रवार, 15 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 प्रदेश में पेट्रोल-डीजल ...

इंस्पेटर अविनाश में ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

बस्तर विकास मॉडल पर दिल्ली में मंथन

अमित शाह से विष्णु देव साय की अहम मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर में तेजी से बदल रहे हालात और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे।

बैठक में विशेष रूप से बस्तर में चल रहे 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया को बताया कि उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को दूरस्थ्य गांव में पहुंचाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं से अवगत कराया। जिन इलाकों में कभी एम्बुलेंस पहुंचना मुश्किल माना जाता था, वहां अब डॉक्टर, दवाइयां और स्वास्थ्य टीमें नियमित रूप से पहुंच रही हैं।

दूरस्थ गांवों में पैदल जाकर लोगों की जांच की जा रही है और गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मात्र एक महीने में 21.86 लाख से ज्यादा लोगों की स्वास्थ्य जांच हो चुकी है और उनके डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार कर लिए गए हैं। हजारों मरीजों को समय पर उपचार और उच्च अस्पतालों में रेफर किया गया है।

उन्होंने कहा कि बस्तर में पुराने सुरक्षा शिविर केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रह गए हैं, इन्हें धीरे-धीरे जन सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां गांव के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जरूरी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल रही हैं।

इन केंद्रों के जरिए दूरस्थ और नक्सल प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को पहली बार कई बुनियादी सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। ग्रामीण अब इलाज, बैंक खाते, दस्तावेज और सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए दूर-दूर तक भटकने को मजबूर नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान जो 13 अप्रैल 2026 को सुकमा से शुरू हुआ, इस अभियान में 36 लाख लोगों को लक्षित किया गया है।

इसके अलावा बस्तर मुन्ने (अग्रणी बस्तर) अभियान के जरिए 31 महत्वपूर्ण योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है। जगदलपुर में नया सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शुरू हो गया है, जहां अब बस्तर के लोग महंगे इलाज के लिए रायपुर या बिलासपुर नहीं जाना पड़ेगा। डायल-112 की नेक्स्ट जेन सेवा का विस्तार और पुराने सुरक्षा शिविरों को जन सुविधा केंद्र में बदलने की योजना भी बस्तर के स्थायी विकास की दिशा में अहम कदम हैं।

उन्होंने बताया कि जो इलाके कभी नक्सल प्रभाव के कारण मुख्यधारा से कटे हुए थे, वहां आज सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। हाल ही में सुकमा के एक अत्यंत दुर्गम गांव से गंभीर मरीज को सैकड़ों किलोमीटर दूर अस्पताल पहुंचा कर उपचार दिलाना इस बदलाव का बड़ा उदाहरण बना है।

मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह को बस्तर के लिए तैयार विकास रोडमैप की भी जानकारी दी। इसमें सड़क, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन से बस्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर में हो रहे विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर यह सुनिश्चित कर रही हैं कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने पीएम मोदी से की मुलाकात यूक्रेन और पश्चिम एशिया पर चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति सहित विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, लावरोव ने प्रधानमंत्री मोदी को दिसंबर 2025 में आयोजित 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की बैठक के बाद से द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की जानकारी दी।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने यूक्रेन की स्थिति और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम समेत आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान एक बार फिर भारत के उस स्थायी रुख को दोहराया कि किसी भी विवाद के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही सबसे बेहतर मार्ग है।

प्रधानमंत्री ने रूसी विदेश मंत्री से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं पहुंचाने का भी अनुरोध किया।

दिल्ली के सरकारी कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार के कार्यालयों में सप्ताह में दो दिनों वर्क फ्रॉम होम और सरकारी वाहनों के ईंधन की खपत 20 फीसदी कम करने जैसी कई घोषणाएं कीं। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचत की अपील के बाद लिया गया है। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक में यह फैसले लिए गए।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस कांफ्रेंस करते बताया कि वैश्विक अनिश्चितता के समय हर नागरिक अपनी जीवनशैली में छोटे बदलाव करके देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करे। दिल्ली सरकार इस अपील को 90 दिनों के जन-अभियान में बदलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के कार्यालयों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम होगा। इसके साथ-साथ निजी सेक्टर को भी हफ्ते में 2 दिन वर्क फ्रॉम होम का परामर्श जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी वाहनों में ईंधन की खपत को 20 फीसदी कम किया जाएगा। हर सोमवार सभी मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और सरकारी कर्मचारी मेट्रो से दफ्तर आएगे। उन्होंने नागरिकों से सप्ताह एक दिन निजी वाहनों का उपयोग न करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार में नए पेट्रोल/ डीजल/ सीएजी/ हाईवर्ड गाड़ियों की अगले 6 महीने तक कोई खरीद नहीं होगी। कर्मचारी के ट्रांसपोर्ट अलाउंस 10 प्रतिशत से बढाकर 20 फीसदी दिया जाएगा।

वकील के पोशाक में कोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी, 2021 के चुनाव बाद हिंसा पर की पैरवी

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय पहुंचीं और 2021 के विधानसभा चुनाव बाद हिंसा से जुड़े मामले में अदालत के समक्ष पक्ष रखा। वह सुबह वकील के परिधान में उच्च न्यायालय परिसर पहुंचीं और मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल की खंडपीठ में सुनवाई के दौरान दलीलें पेश कीं।

ममता बनर्जी ने अदालत में कहा कि वह पहली बार कलकत्ता उच्च न्यायालय में बहस कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1985 में बार काउंसिल में उनका पंजीकरण हुआ था और तब से वह सदस्यता का नवीनीकरण कराती रही हैं।

अदालत में ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद राज्य में महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि विवाहित महिलाओं को दुष्कर्म की धमकियां दी जा रही हैं, घरों में लूटपाट और आगजनी हो रही है तथा पुलिस कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि अनुमति मिलने पर इन शिकायतों को अतिरिक्त हलफनामे के रूप में प्रस्तुत करें और राज्य के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

भारत ने ओमान में भारतीय जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

एजेंसी, नई दिल्ली

ओमान के तट बुधवार को भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुए हमले की भारत ने कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर रहा कि ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा, हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं कि कमर्शियल जहाजों और आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहाज पर सवार सभी भारतीय क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। भारत ने बचाव अभियान के लिए ओमान के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने, निर्दोष आम क्रू सदस्यों की जान जोखिम में डालने या किसी भी तरह से जहाजों के आने-जाने और व्यापार की आजादी में रुकावट डालने से बचा जाना चाहिए।

छग की राजधानी रायपुर में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें

प्रशासन बोला- पर्याप्त है पेट्रोल-डीजल स्टॉक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पेट्रोल पंपों पर आज गुरुवार को वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। लोगों में पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह फैलने से कई जगह पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) शुरू हो गई। स्थिति को देखते हुए रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने पेट्रोल पंप एसोसिएशन और तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में अधिकारियों ने कहा कि जिले में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। प्रशासन के अनुसार, लोग सामान्य जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं, जिससे पंपों पर भीड़ बढ़ रही है। कलेक्टर ने अब डिपो से 24 घंटे पेट्रोल सप्लाई कराने के निर्देश दिए हैं।

वहीं, बिलासपुर में करीब 13 पेट्रोल पंपों के ड्राई होने की खबर सामने आई। बताया गया कि भुगतान लंबित होने के कारण टैंकर नहीं पहुंचे थे, हालांकि अब सप्लाई दोबारा शुरू की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और जरूरत के अनुसार ही ईंधन लेने की अपील की है।

कलेक्टर ने अधिकारियों से पूल वाहन और ईंधन के मितव्ययितापूर्ण उपयोग की अपील की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आग्रह पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी अधिकारी-कर्मचारी एवं आम नागरिकों से कम ईंधन का उपयोग करने की अपील की है। इनके आग्रह को रायपुर जिला प्रशासन द्वारा अपनाया गया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने स्वयं इसकी शुरूआत करते हुए कार पूलिंग को अपनाया और सभी अधिकारी-कर्मचारियों से कार पूलिंग को अपनाने और आवश्यकतानुसार ईंधन का उपयोग करने का आग्रह किया है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए छत्तीसगढ़ में बड़ा निर्णय

सिकल सेल मरीजों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुविधा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में दशकों से पीड़ा झेल रहे सिकल सेल मरीजों के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने। एक आदेश के तहत सिकल सेल संस्थान छत्तीसगढ़ को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित करने हेतु रु. 8 हजार 509 लाख रुपए यानी लगभग 85 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वित्त विभाग ने भी इसके लिए अपनी सहमति दे दी है।

सिकल सेल एक गंभीर अनुवांशिक रक्त विकार है जिसमें लाल रक्त कणिकाएं असामान्य आकार की हो जाती हैं, जिससे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन का प्रवाह बाधित होता है। इस बीमारी से पीड़ित मरीजों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इस स्वीकृति के तहत संस्थान में उच्च स्तरीय आधुनिक लैब का निर्माण किया जाएगा, जिससे मरीजों को त्वरित और सटीक जांच रिपोर्ट मिल सकेगी। समय पर निदान होने से मरीजों का इलाज जल्दी शुरू हो सकेगा, जो सिकल सेल जैसी बीमारी में जीवन और मृत्यु का फर्क साबित हो सकता है। इसके अलावा विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, ब्लड ट्रांसफ्यूजन सुविधा और जेनेटिक काउंसलिंग जैसी सेवाएं भी एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव से छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय शूटर दिव्यांशु ने की मुलाकात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव से आज छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु देवांगन ने मुलाकात की। श्री साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान दिव्यांशु ने अपने अब तक के खेल सफर के बारे में जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री ने मिस्त्र में जूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्णिम सफलता पर उन्हें बधाई दी। श्री साव ने उन्हें अगले महीने जर्मनी में होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। रायगढ़ के रहने वाले दिव्यांशु देवांगन ने पिछले महीने अप्रैल में मिस्त्र के काहिरा में हुए जूनियर वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर रायफल शूटिंग में महाराष्ट्र की शांभवी श्रवण क्षीरसागर के साथ मिक्स्ड डबल में स्वर्ण पदक जीता है।

ट्राई ने 'डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए संपत्तियों की रेटिंग विनियम, 2026 (2026 का 3)' जारी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 13 मई, 2026 को 'डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए संपत्तियों की रेटिंग (संशोधन) विनियम, 2026 (2026 का 3)' जारी किया।

ट्राई ने 27 फरवरी, 2026 को एक परामर्श पत्र जारी किया था, जिसमें कार्यान्वयन अनुभव के आधार पर डिजिटल कनेक्टिविटी विनियमों, 2024 और रेटिंग मैनुअल में प्रस्तावित संशोधनों पर हितधारकों से सुझाव मांगे गए थे। कार्यान्वयन, हितधारक संवाद और क्षमता-निर्माण अभ्यासों के दौरान, ट्राई को संपत्ति प्रबंधकों, डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसियों (डीसीआरए), सेवा प्रदाताओं और अन्य हितधारकों से कार्यान्वयन के कुछ व्यावहारिक पहलुओं के बारे में प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इनमें रेटिंग स्तरों का विभेदीकरण, निर्माणाधीन संपत्तियों का मूल्यांकन, संपत्ति प्रकारों का वर्गीकरण और मौजूदा संपत्तियों के संपत्ति प्रबंधकों को औपचारिक रेटिंग के लिए आवेदन करने से पहले डिजिटल कनेक्टिविटी अवसंरचना का आकलन करने में सक्षम बनाने की आवश्यकता से संबंधित मुद्दे शामिल थे।

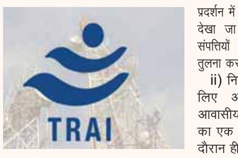

हितधारकों की टिप्पणियों, कार्यान्वयन के अनुभव और आगे के विश्लेषण के आधार पर, विनियमों में निम्नलिखित प्रमुख संशोधन और सुधार शामिल किए गए हैं:

i) अतिरिक्त 'स्टार' रेटिंग स्तर: रेटिंग ढांचे को परिष्कृत करते हुए इसमें आधे स्टार के अतिरिक्त स्तर जोड़े गए हैं, जिससे रेटिंग स्केल पांच से बढ़कर नौ स्तर का हो गया है। इस परिष्करण से संपत्तियों के बीच बेहतर अंतर करने में मदद मिलेगी, डिजिटल कनेक्टिविटी अवसंरचना और सेवा प्रदर्शन में क्रमिक सुधारों को बेहतर ढंग से देखा जा सकेगा और उपभोक्ताओं को संपत्तियों के बीच अधिक जानकारीपूर्ण तुलना करने में सहायता मिलेगी।

ii) निर्माणाधीन संपत्तियां रेटिंग के लिए आवेदन करने के योग्य: आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों का एक बड़ा हिस्सा निर्माण चरण के दौरान ही विपणित और बेचा जाता है। निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए नियोजित डिजिटल कनेक्टिविटी अवसंरचना (डीसीआई) के स्तर के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी प्रदान करने के लिए, चरणबद्ध मूल्यांकन तंत्र के माध्यम से रेटिंग ढांचे को मजबूत किया गया है।

संशोधित ढांचे के अंतर्गत, डीसीआरए अनुमोदित डीसीआई डिज़ाइन दस्तावेज़ों और संपत्ति प्रबंधक द्वारा प्रस्तुत घोषणाओं के आधार पर डिज़ाइन चरण के डीसीआई का मूल्यांकन करेगा और संपत्ति के लिए 'डिज़ाइन फॉर' प्रमाणपत्र के साथ एक मूल्यांकन रिपोर्ट जारी करेगा।

छग के आजीविका मॉडल की केंद्रीय मंत्री पासवान ने की तारीफ

देशभर के लिए बताया प्रेरणादायी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं। उन्होंने दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को रायपुर जिले के सेरीखेड़ी स्थित मल्टी यूटिलिटी सेंटर का दौरा किया।

इस केंद्र में उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और आजीविका गतिविधियों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित अजा परियोजना और बेहतर बाजार लिंकेज की प्रशंसा करते हुए इसे देशभर के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बताया।

केंद्रीय मंत्री पासवान ने एकीकृत बकरी पालन मॉडल अजा के क्रियान्वयन को बारीकी से देखा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ा रही है, बल्कि वैज्ञानिक पशुपालन को भी नई दिशा दे रही है। आधुनिक शेड, नियमित टीकाकरण, पशु बीमा, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और जैविक खाद निर्माण जैसी व्यवस्थाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के लिए बाजार की सुलभ उपलब्धता को अन्य राज्यों के लिए भी सीखने योग्य बताया।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री ने नवा रायपुर में संचालित ई-ऑटो सेवा 卐प्रोजेक्ट पिंक दीदी卐 की सराहना की। उन्होंने हितग्राही महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव जाने और कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही है। एकीकृत बकरी पालन परियोजना, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों, आजीविका सेवा केंद्र के अलावा उन्होंने बिजनेस दीदी, मशरूम उत्पादन और कृषि आधारित अन्य गतिविधियों का भी अवलोकन किया।

आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे आज रायपुर में होगा वॉकाथॉन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आकाशवाणी रायपुर के उपमहानिदेशक (अभियांत्रिकी) एवं क्लस्टर प्रमुख (छत्तीसगढ़) वी. राजेश्वर ने बताया कि आकाशवाणी ने पिछले नौ दशकों में लोक सेवा प्रसारक के रूप में सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय के ध्येय को केंद्र में रखते हुए आकाशवाणी ने समाज के विभिन्न वर्गों तक विश्वसनीय और जनोपयोगी सामग्री पहुंचाने का कार्य किया है।

उन्होंने बताया कि वॉकाथॉन की शुरुआत 15 मई को सुबह 7 बजे आकाशवाणी रायपुर, सिविल लाइंस परिसर से होगी। पैदल मार्च डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक, घड़ी चौक, मोतीबाग मार्ग, सुभाष स्टेडियम मार्ग, ओ.सी.एम. चौक और मां काली माई मंदिर मार्ग से होते हुए पुनः आकाशवाणी परिसर पहुंचेगा।

इस आयोजन में आकाशवाणी के अधिकारी-कर्मचारी, सेवानिवृत्त अधिकारी, आकस्मिक उद्घोषक, समाचार वाचक, आउटसोर्स कर्मचारी, श्रोता तथा शहर के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। कार्यक्रम के समापन पर आकाशवाणी परिसर में एक मंचीय गोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें वक्ता जनचेतना और सामाजिक विकास में आकाशवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम का समापन सुबह 9 बजे होगा।

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -01, सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल-eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित एम.आई.जी.-II भवन योजना के अतंर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक एम.आई.जी.-II/145, फेस-II श्री भूपेन्द्र कुमार कुमार ठाकुर पिता श्री मन्नू लाल ठाकुर को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 20.11.2007 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 21/04/2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्री यशराज ठाकुर पिता श्री दशरथ सिंह ठाकुर के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत खम्हारडीह रायपुर, जिला-रायपुर में स्थित एल.आई.जी भवन/फ्लैट क्रमांक 245 ब्लॉक नं. 11 द्वितीय तल, श्री प्रताप राय आयलानी पिता श्री राजलदास आयलानी के नाम से एकमुश्त/स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक 30.03.2007 पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर दिनांक 14.01.2011 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है वर्तमान मे आबंटी श्री प्रताप राय आयलानी पिता श्री राजलदास आयलानी के द्वारा उक्त भवन/फ्लैट को श्रीमती शशिकला नायक पति श्री तनु नायक, निवासी-मं.नं. - 28/5023, भोला नगर शंकर नगर गली नं. 01 तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त के भवन/फ्लैट विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत परसुलीडीह, रायपुर में स्थित भवन कमांक एल.आई.जी.-253, श्रीमती दीपा बनर्जी पति:-श्री आदित्य बनर्जी के नाम पर नामांतरित है। नामांतरी द्वारा उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 20.01.2020 को पंजीकृत कराने उपरान्त इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 65 दिनांक 23.03.2026 को अपने नाम पर नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया है। नामांतरी श्रीमती दीपा बनर्जी पति:-श्री आदित्य बनर्जी, निवासी-एल.आई.जी.-253, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, राम मंदिर के पास, परसुलीडीह, जिला-रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्रीमती पार्वती यादव पति-श्री ओमप्रकाश यादव, निवासी-272, वार्ड नं. 10, बरौंदा, जिला-रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2,
शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)

पीएम जनमन योजना से बदली जनजातीय परिवारों की जिंदगी, पक्का घर और सड़क से मिली नई राहत

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

कभी कच्चे घर और टपकती छत के बीच जिंदगी गुजारने वाले ग्राम पंचायत चिलमा निवासी बिफन्ना के परिवार की तस्वीर अब बदल चुकी है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत उन्हें पक्का घर मिला है और घर के सामने बनी पक्की सड़क ने उनकी जिंदगी को नई सुविधा और सुरक्षा दी है।

विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय से आने वाले बिफन्ना बताते हैं कि पहले बारिश का मौसम उनके परिवार के लिए परेशानी लेकर आता था। कच्चे मकान में रातभर पानी टपकता रहता था और परिवार हमेशा डर में जीता था। गांव तक पहुंचने का रास्ता भी कच्चा होने से बरसात में आवागमन मुश्किल हो जाता था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री

जनमन आवास योजना के तहत उन्हें आवास स्वीकृत हुआ। समय पर राशि मिलने से निर्माण कार्य शुरू हुआ और आज उनका सपना पूरा हो चुका है। अब वे अपने पक्के घर में सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। घर के सामने बनी सड़क से बाजार और अस्पताल तक पहुंचना भी आसान हो गया है। बिफन्ना खेती-किसानी का काम करते हैं। इस वर्ष उन्होंने 80 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा। उनका श्रम कार्ड भी बना है, जिससे श्रमिक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये की सहायता राशि मिल रही है। परिवार ने किस्त पर ट्रैक्टर भी खरीदा है, जिससे खेती का काम आसान हुआ है और आमदनी बढ़ने की उम्मीद जगी है।

बिफन्ना कहते हैं कि पहले परिवार सिर्फ गुजर-बसर करता था, लेकिन अब भविष्य के बारे में सोचने और आगे बढ़ने का हौसला मिला है। उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जिले के बलरामपुर, राजपुर, शंकरगढ़ और कुसमी विकासखंड शामिल हैं। जिले में 3346 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 2718 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-2
तहसील रायपुर, जिला रायपुर

-:: आम सूचना ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम अटारी प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. रायपुर - 2 तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्रीमती प्रमीला चंद्राकर पिता बिहावन चंद्राकर निवासी- अटारी रायपुर के द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नम्बर 137/7 रकबा 0.0610 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त न्यायालय नायब तहसीलदार 02, रायपुर के रा.प.क्र./.../अ-12 / वर्ष / 2025-26 आदेश दिनांक 21/04/ 2026 के परिपालन में दिनांक 19/05/2026 को 5:00 पूर्वाहन किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बंटाकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर हल्का पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबध में जो भी उजर, दावा, अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगा।

सो सूचना जाने ।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.-रायपुर-2 हीरापुर
तह.-जिला-रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-2
तहसील रायपुर, जिला रायपुर

-:: आम सूचना ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम जरवाय उर्फ हीरापुर प.ह.नं. 35 रा.नि.मं. रायपुर - 2 तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्री कुलेश्वर चंद्राकर पिता केदारनाथ चंद्राकर निवासी- अटारी रायपुर के द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नम्बर 145/27 रकबा 0.2230 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त न्यायालय नायब तहसीलदार 02, रायपुर के रा.प.क्र./.../अ-12 / वर्ष / 2025-26 आदेश दिनांक 21/04/2026 के परिपालन में दिनांक 19/05/2026 को 3:30 पूर्वाहन किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बंटाकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर हल्का पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबध में जो भी उजर, दावा, अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगा।

सो सूचना जाने ।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.-रायपुर-2 हीरापुर
तह.-जिला-रायपुर

ओड़गी में दूर हुआ पेयजल संकट सोलर पंप लगने से गांवों में मिली राहत

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

भीषण गर्मी के बीच ओड़गी विकासखंड के ग्रामीण इलाकों में पेयजल संकट दूर करने के लिए तेजी से पहल की गई है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर क्रेडा विभाग द्वारा कई गांवों और संस्थानों में नए सोलर पंप स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। पेयजल समस्या की गंभीरता को देखते हुए मंत्री ने अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद क्रेडा विभाग ने पेंडारी एवं गोंडपारा, मोहरसोप और बनखेतापारा, नवाटोला एवं यादवपारा, कल्हुआ स्कूलपारा तथा बिहारपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में सोलर पंप स्थापित किए।

सोलर पंप शुरू होने के बाद ग्रामीणों को अब आसानी से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। खासकर बिहारपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सोलर पंप लगने से मरीजों और उनके परिजनों को भी राहत मिली है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में पेयजल जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

रामानुजगंज अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने की तैयारी

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

100 बिस्तरीय अस्पताल रामानुजगंज में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर प्रकाशित समाचार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए बताया कि, अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयास कर रहे हैं।

सीएमएचओ ने जानकारी दी कि, अस्पताल में ओटी सेटअप, डायलिसिस यूनिट और ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापना के लिए आवश्यक उपकरणों की मांग पहले ही भेजी जा चुकी है। वर्तमान में अस्पताल में एक एनेथेसिया विशेषज्ञ और शिशु रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जबकि अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना राज्य कार्यालय स्तर से की जानी है।

उन्होंने बताया कि, आवश्यक मानव संसाधन और उपकरण उपलब्ध होते ही अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का और विस्तार किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। सीएमएचओ ने कहा कि, आवश्यक उपकरणों की खरीदी के लिए एनएचएम और सीएसआर मद से राशि स्वीकृत होने पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

तेंदूपत्ता बना ग्रामीणों की रोजी-रोटी का सहारा

हरा सोना बदल रहा वनांचल के परिवारों की जिंदगी

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

गर्मी शुरू होते ही जिले के वनांचल क्षेत्रों में तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य तेज हो गया है। जंगलों में सुबह से ही महिलाएं, बुजुर्ग और युवा तेंदूपत्ता संग्रहण में जुट जाते हैं। हाथों में टोकरी और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ ग्रामीण मेहनत कर हरे सोने को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बना रहे हैं। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में तेंदूपत्ता अब केवल वन उपज नहीं, बल्कि हजारों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख साधन बन चुका है। शासन द्वारा दिए जा रहे पारिश्रमिक और प्रोत्साहन राशि से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायत पचावल निवासी तारकली सोनवानी बताती हैं कि पहले गर्मी

के दिनों में परिवार चलाना मुश्किल हो जाता था, लेकिन अब तेंदूपत्ता संग्रहण से हर साल अच्छी आमदनी हो जाती है। वे सुबह जंगल जाकर पत्ता तोड़ती हैं और फड़ में जमा करती हैं। शासन से मिलने वाली राशि सीधे खाते में पहुंचने से परिवार की जरूरतें आसानी से पूरी हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि पहले रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता था, लेकिन अब गांव में ही काम मिल रहा है। समय पर भुगतान और बोनस राशि मिलने से ग्रामीणों का भरोसा भी बढ़ा है।

तेंदूपत्ता संग्रहण में महिलाओं की भागीदारी भी बड़ी संख्या में देखने को मिल रही है। महिलाएं घर की जिम्मेदारियों के साथ जंगल जाकर पत्ता संग्रहण कर रही हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि इस आय से बच्चों की पढ़ाई और घरेलू जरूरतों का सामान खरीदने में मदद मिल रही है। वन विभाग द्वारा संग्रहण कार्य को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए फड़ मुंशियों और समितियों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है।

अभाविप इकाई, गोबरा नवापारा ने चलाया 'हमर चिरई, हमर चिन्हारी' के तहत सकोरा अभियान

नवापारा राजिम, प्रतिदिन राजधानी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई, गोबरा नवापारा के द्वारा इस भीषण चिलचिलाती गर्मी में पक्षियों के लिए जल प्रबंधन हेतु 卐हमर चिरई, हमर चिन्हारी卐 के तहत सकोरा अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत सकोरों को गोबरा नवापारा के विद्यालयों व महाविद्यालयों में लगाकर उनमें पक्षियों के लिए दाना व पानी रखा गया।

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है और पशु पक्षियों को पानी की किल्लत शुरू होने लगी है। इसी समस्या को देखते हुए, अभाविप द्वारा इस सकोरा अभियान को चलाया जा रहा है। अभाविप केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह

एस.एफ.डी. सेवार्थ जैसे कई माध्यमों से सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन कर रहा है।

गर्मी के मौसम में जल के अभाव के कारण पक्षियों को जीवन निर्वाहन में अत्यधिक कठिनाई होती है, ऐसे में इस प्रकार की छोटी-छोटी पहल भी जीवनदायिनी सिद्ध हो रही है। पेड़-पौधों की लगातार कटाई से पक्षियों व वन प्राणियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में हम सभी को पर्यावरण की रक्षा करना चाहिए। गर्मी का मौसम पक्षियों के लिए बहुत ही कष्टदायक होता है। इनको बचाने के लिए हम सभी को थोड़ा-थोड़ा प्रयास करना चाहिए। कम से कम एक सकोरा पानी व अनाज के कुछ दाने छायादार स्थान में रखना चाहिए, जिससे कि पक्षियों की जान बच सकें। पशु-पक्षियों का पर्यावरण संतुलन में अहम् भूमिका होता है, मानव हस्तक्षेप से इनकी संख्या कम होती जा रही है। वहीं कुछ प्रजाति की पक्षियां तो विलुप्त होती जा रही है।

विद्यार्थी परिषद ने जल संरक्षण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आगे चलकर हम सभी को जल का संरक्षण करना होगा और जल का सीमित उपयोग करना होगा, क्योंकि जल है तो कल है। इस अभियान में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीपक साहू, अभिषेक कंसारी, धर्मेन्द्र साहू, श्लोक शर्मा, हर्षित कंसारी, कुनाल साहू, दक्ष साहू, पूनम साहू, प्रियंका महतो सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

जनगणना 2027 के लिए जिले में जागरूकता अभियान तेज, नुक्कड़ नाटक और एलईडी वैन से लोगों को दी जा रही जानकारी

सूरजपुर। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानसूचीकरण और मकानों की गणना को लेकर सूरजपुर जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 13 मई से 15 मई तक आयोजित इस अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक और एलईडी वैन के माध्यम से लोगों को जनगणना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही है। अभियान के पहले दिन नगर पंचायत प्रेमनगर, तहसील प्रेमनगर, तहसील रामानुजनगर, नगर पंचायत परिषद सूरजपुर और तहसील सूरजपुर क्षेत्र के साप्ताहिक हाट-बाजारों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ऑडियो-विजुअल प्रदर्शन किया गया। प्रेमनगर साप्ताहिक बाजार, रामानुजनगर बाजार और पुराना बस स्टैंड सूरजपुर सहित कई स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान आमजन को जनगणना के महत्व और इसके सामाजिक व विकासात्मक लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही लोगों से जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को सहयोग करने और शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई। नुक्कड़ नाटक के जरिए कलाकारों ने रोचक और प्रभावी प्रस्तुति देकर लोगों को जनगणना की आवश्यकता और उपयोगिता से अवगत कराया। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को जनगणना प्रक्रिया से जोड़ना और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी डुमरतराई फेस-I, जिला रायपुर में स्थित एम.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-212, ब्लॉक क्रमांक-09, पंचम तल (जी+6), श्री राजेश कुमार, पिता श्री गणेश प्रसाद गुप्ता, को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट की लीजडीड दिनांक 21/08/2012 पंजीकृत कराने के उपरांत फ्लैट की पूर्ण राशि जमा कर पत्र क्रमांक 9114 दिनांक 06/09/2014 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आंबटी श्री राजेश कुमार, पिता श्री गणेश प्रसाद गुप्ता, निवासी- हाऊस नं.-32/33, सिया रेरिडेंसी फेस-2, एमएमआई अस्पताल के पास, लालपुर, रायपुर (छ.ग.) 492001 के द्वारा उक्त फ्लैट को, श्रीमती ममता रावरिया, पति श्री संदीप रावरिया निवासी-एमआईजी-209, ब्लॉक नं.-09, हिमालयन हाईट्स सोसायटी, डुमरतराई, रायपुर (छ.ग.) 492015 के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवदेन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) की मांग की गई है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-03,
सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31120/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 14.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31120
वार्ड का नाम - 40- पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 40 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR569E00033 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PARASNATH SHUKLA पिता/पति श्री/श्रीमती RADHIKA SHUKLA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती ARUN KUMAR SHUKLA पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. PARAS NATH SHUKLA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31229/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 14.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31229
वार्ड का नाम - 42- महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR561B00030 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती USHA VERMA पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. JITENDRA KUMAR VERMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती ARUN SHRIVASTAVA पिता/पति श्री/श्रीमती AWANINDRA KUMAR SHRIVASTAVA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31235/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 14.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31235
वार्ड का नाम - 40- पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 40 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR569B00782 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHASHI BAJPAI पिता/पति श्री/श्रीमती PATANJALI BAJPAI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती GOVIND PRASAD GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI RAM SURAT GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31188/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 14.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31188
वार्ड का नाम - 41- पं. सुंदर लाल शर्मा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 41 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR566F00367 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KAMALA BAI THAKUR पिता/पति श्री/श्रीमती GULZAR SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती OMPRAKASH PAWAR पिता/पति श्री/श्रीमती BISAHU RAM PAWAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31119/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 14.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31119
वार्ड का नाम - 40- पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 40 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR569G00348 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUSHILA GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती SIDDHNATH GUPTA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती 1. SIDDHNATH GUPTA 2. JYOTI TIWARI 3. RAHUL GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATERRESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER MAHANADI PROJECT, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
e-Procurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in
(FIRST CALL)
SYSTEM TENDER NO. 190886/NOTICE INVITING TENDER NO. 05/SAC/2026-27, DATED: 13.05.2026

Lump Sum tender in Form "F" is invited for the following works upto 08.06.2026 at 17.30 hours (IST).

SYSTEM TENDER NO.	Name of work	Probable amount of work
190886	Construction of Mohmela Sirpur barrage project and all appurtenant work including pipe irrigation network, operation and maintenance for five years after completion of construction work on Mahanadi River in Tahsil - Arang distt - Raipur (C.G.)	Rs. 574.73 Crores (Excluding G.S.T.) (As per S.O.R Enforced from Dated 01.05.2025 and amended on dated 08.08.2025)

The details can be viewed & downloaded online directly from the Govt. of Chhattisgarh Integrated e-Procurement portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from dated 18.05.2026 at 17.31 hours (IST) onwards.

Note: All eligible/interested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the integrated e-Procurement portal (https://eproc.cgstate.gov.in) in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

Executive Engineer
Water Management Division No. 1, Raipur
For, Chief Engineer, Mahanadi Project
Raipur (C.G.)

G-262700733/8

महतारी वन्दन योजना अंतर्गत हितग्राहियों के केवायसी अपडेट हेतु 15 एवं 16 मई को विशेष शिविर का आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वन्दन योजना अंतर्गत हितग्राहियों के केवायसी अपडेट कार्य हेतु दिनांक 15 और 16 मई 2026 गुरूवार को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 अंतर्गत वार्ड पार्षद कार्यालय रामकुण्ड में विशेष शिविर का आयोजन किया गया है. शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 के पार्षद और नगर निगम लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल ने वार्डवासी सभी माताओं और बहनों से आवश्यक दस्तावेजों सहित शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समय पर अपना केवायसी अपडेट कार्य पूर्ण करवाने की विनम्र अपील की है, ताकि योजना का लाभ निरन्तर मिलते रहे.सभी माताएँ और बहनें आवश्यक दस्तावेजों सहित शिविर में उपस्थित होकर अपना केवायसी अपडेट कार्य समय पर पूर्ण करवाएं ;- वार्ड 37 पार्षद निगम लोक कर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल ने की विनम्र अपीलरायपुर - छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वन्दन योजना अंतर्गत हितग्राहियों के केवायसी अपडेट कार्य हेतु दिनांक 14 मई 2026 गुरूवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 अंतर्गत वार्ड पार्षद कार्यालय रामकुण्ड में विशेष शिविर का आयोजन किया गया है. शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 के पार्षद और नगर निगम लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल ने वार्डवासी सभी माताओं और बहनों से आवश्यक दस्तावेजों सहित शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समय पर अपना केवायसी अपडेट कार्य पूर्ण करवाने की विनम्र अपील की है, ताकि योजना का लाभ निरन्तर मिलते रहे.

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, अफवाहों से बचें - खाद्य सचिव रीना कंगाले

ड्राई आउट पंपों पर लगातार पहुंचाई जा रही आपूर्ति, आमजन से पैनिक खरीदी नहीं करने की अपील

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आम नागरिकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश के ऑयल डिपो को नियमित रूप से आवश्यकतानुसार पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति हो रही है तथा वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

खाद्य सचिव ने जानकारी दी कि प्रदेश में वर्तमान में कुल 2516 पेट्रोल/डीजल पंप संचालित हैं। राज्य में पेट्रोल का 45,474 किलोलीटर तथा डीजल का 84,654 किलोलीटर स्टॉक उपलब्ध है। वहीं पेट्रोल की दैनिक आवश्यकता 3,635 किलोलीटर तथा डीजल की दैनिक आवश्यकता 5,873 किलोलीटर है। आज प्रदेश के विभिन्न ऑयल डिपो में 6,551 किलोलीटर पेट्रोल तथा 4,760 किलोलीटर डीजल प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर में कुल 326 पेट्रोल/डीजल पंप हैं, जिनमें से 35 पंप अस्थायी रूप से ड्राई आउट हैं। इसी प्रकार बिलासपुर शहर में कुल 156 पेट्रोल/डीजल पंप हैं, जिनमें से 13 पंप ड्राई आउट हैं। इन सभी ड्राई आउट पंपों को यथाशीघ्र स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए ऑयल कंपनियों के डिपो से लगातार आपूर्ति की जा रही है। विगत दो दिनों में कुछ पेट्रोल/डीजल पंपों के ड्राई आउट होने के कारण अफवाह एवं घबराहट की स्थिति बनी, जिससे आम लोगों द्वारा पेट्रोल एवं डीजल की खपत में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई। मांग में अचानक हुई इस वृद्धि के कारण कुछ स्थानों पर कृत्रिम अभाव की स्थिति निर्मित हुई। खाद्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने आम उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि वे किसी भी होकर पैनिक खरीदी अथवा ईंधन का अनावश्यक संग्रहण न करें। शासन एवं ऑयल कंपनियां समन्वय के साथ लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ।

धान उठाव, कस्टम मिलिंग और पीडीएस व्यवस्था की खाद्य मंत्री बघेल ने की विस्तृत समीक्षा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय योजनाओं, धान उठाव, कस्टम मिलिंग तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में खरीफ वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान के निराकरण, धान खरीदी केन्द्रों एवं संग्रहण केन्द्रों से धान के उठाव, कस्टम मिलिंग एवं एफसीआई तथा नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा किए जाने की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीफ वर्ष 2025-26 के उपार्जन केन्द्रों एवं संग्रहण केन्द्रों में शेष धान का उठाव 31 मई 2026 तक हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कस्टम मिलिंग के बाद चावल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अप्रैल, मई एवं जून 2026 के लिए तीन माह के एकमुश्त चावल भंडारण एवं वितरण की भी समीक्षा की गई। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में तीनों माह का राशन वितरण कार्य पूर्ण किया जाए ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र में तीसरा सुशासन तिहार अंतर्गत जन समस्या निवारण

महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन अश्विनी नगर में लगाया जायेगा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साथ के मार्गदर्शन में नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के विभिन्न 10 स्थानों पर सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर लगाये जायेंगे। इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों में सुशासन विहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन की प्रशासनिक कार्यवाही प्रगति पर है। रायपुर दक्षिण एवं रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 5 क्षेत्र में वार्ड कमांक 39, 40, 41, 42, 66, 67 एवं 68 में दिनांक 18 मई 2026 को महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन अश्वनी नगर में तीसरा सुशासन तिहार शिविर लगाया जायेगा.

इसी क्रम में रायपुर पश्चिम एवं रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम जोन के वार्ड क्रमांक 3, 4, 5, 15, 16, 17, 18 हेतु 19 मई को मारुती मंगलम भवन गुबियारी में, रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 6 के वार्ड क्रमांक 58, 59, 60, 61, 62, 63 एवं 65 हेतु 20 मई 2026 को संजय यादव स्कूल संजय नगर में, रायपुर उत्तर एवं रायपुर पश्चिम विधानसमा क्षेत्र में नगर निगम जोन 2 के वार्ड कमांक 6, 13, 14, 26, 27, 28 एवं 35 हेतु 22 मई को शहीद स्मारक भवन जीई रोड में, रायपुर पश्चिम एवं रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 8 के वार्ड कमांक 1, 2, 19, 20, 21. 69 एवं 70 हेतु 25 मई को अग्रसेन भवन टाटीबंध में, रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 7 अंतर्गत वार्ड कमांक 22, 23, 24, 25, 36, 37 एवं 38 क्षेत्र हेतु दिनांक 28 मई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में, रायपुर ग्रामीण, रायपुर उत्तर एवं धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में 32 एवं 51 हेतु 29 मई को गारमेंट फैक्टरी पॉम बेलाजियों 52, 53, 54, 55 एवं 56 में दिनांक 5 जून 2026 को देवपुरी धर्मशाला (गुरुद्वारा) कमल विहार गेट के पास जनसमस्या निवारण शिविर का सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र में जोनवार आयोजन रखा गया है।

जोन 4 में सुशासन तिहार प्रधानमंत्री आवास योजना और जनसमस्या निवारण शिविर

सफाई, पानी, स्ट्रीट लाइट और राशन कार्ड के लिए आमजन को शिविरों तक न जाना पड़े- सूर्यकान्त राठौड़

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में रायपुर उत्तर विधानसभा और रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम जोन 4 के क्षेत्र में सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में नगर निगम जोन 4 अंतर्गत वार्ड कमांक 34, 43, 44,45,46, 57 एवं 64 के क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आदेशानुसार एवं उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन रखा गया। जिसमें नगर पालिक निगम रायपुर सहित रायपुर जिले के विभिन्न 16 शासकीय विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति आमजनो की मांगो और शिकायतो को सुनने एवं उनका समाधान करने हेतु रही।

सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति सूर्यकान्त राठौड़, रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग अध्यक्ष मनोज वर्मा, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग अध्यक्ष श्रीमती संजना संतोष हियाल, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, वार्ड पार्षद श्रीमती अर्जुमन एजाज ढेबर, अजय साहू, कैलाश बेहरा,मण्डल अध्यक्ष संतोष सोनी,बेदी, नगर निगम के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राम प्रजापति, रायपुर नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, , कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता गुलाबचन्द कर्ष, दीपक देवांगन, जोन 4 के अन्य संबंधित अधिकारीगण, विभिन्न शासकीय विभागों के सम्बंधित अधिकारीगणों की उपस्थिति रही।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने एमआईसी सदस्यों, जोन 4 जोन अध्यक्ष, पार्षदों ने मंच से प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान घटक अंतर्गत शिविर में आये 20 आवेदनों पर तत्काल मकान निर्माण हेतु जारी भवन अनुज्ञा पत्र संबंधित पात्र हितग्राहियों को प्रदत्त किया। आवेदक नागरिको को आवेदन देते ही सुशासन तिहार शिविर में प्राथमिकता और सामान्य श्रेणी का नया राशन कार्ड तत्काल बनाकर दिया गया। नौनी सुरक्षा योजना में मंच पर नन्ही बालिकाओं का सम्मान किया गया।

रायपुर पश्चिम विधायक ने ठक्कर बाबा वार्ड में विकास कार्यों का ऑन-साइट निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र को विकास के मॉडल के रूप में स्थापित करने के अपने संकल्प के साथ विधायक राजेश मूणत ने आज ठक्कर बाबा वार्ड का सघन दौरा किया। विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने निकले विधायक ने यहाँ निर्माणाधीन पानी टंकी एवं महतारी सदन के प्रोजेक्ट का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद नगर निगम और संबंधित विभाग के आला अधिकारियों को दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि ये दोनों परियोजनाएं आगामी दिसंबर माह तक हर हाल में पूर्ण होकर जनता की सेवा में समर्पित हो जानी चाहिए।

पानी टंकी के निरीक्षण के दौरान विधायक का मुख्य जोर तकनीकी दक्षता और भविष्य की जरूरतों पर रहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केवल ढांचा खड़ा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने निम्नलिखित निर्देश दिए?प्रोग्राम चार्ट का प्रस्तुतीकरण अधिकारियों को पानी भरने की प्रक्रिया, समय और जल स्रोतों की उपलब्धता का एक विस्तृत %प्रोग्राम चार्ट% प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

तकनीकी ब्लूप्रिंट और वितरण चार्ट पेश करने के निर्देश

जनता की बुनियादी सुविधाओं में देरी बर्दाश्त नहींदिसंबर 2026 तक कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम, अधिकारियों को सौंपी गई

?समान वितरण प्रणाली; टंकी भरने के बाद वार्ड के प्रत्येक घर में समान दबाव (श्वह्वड्डद्य क्कह्म्द्गह्यह्यह्वह्म्द्ग) के साथ पानी पहुँचे, इसके लिए वितरण पाइपलाइन की पूर्ण जानकारी और मैपिंग प्रस्तुत करने को कहा गया।

?विधायक ने स्पष्ट किया कि जल आपूर्ति शुरू होने के बाद स्थानीय निवासियों को पेयजल के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए एक %फुल-प्रूफ% कार्ययोजना तैयार की जाए।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

वार्ड में निर्माणाधीन %महतारी सदन% का अवलोकन करते हुए विधायक राजेश मूणत ने कहा कि यह भवन केवल एक ईंट-गारे का ढांचा नहीं, बल्कि क्षेत्र की माताओं-बहनों के सामाजिक जुड़ाव और सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा। उन्होंने फिनिशिंग कार्य में तेजी लाने और भवन को सर्वसुविधायुक्त बनाने के निर्देश दिए ताकि दिसंबर तक वार्ड की महिलाओं को अपनी बैठकों और कार्यक्रमों के लिए एक सुरक्षित व भव्य स्थान मिल सके।

गुणवत्ता पर जीरो टॉलरेंस नीति

निरीक्षण के दौरान विधायक ने सख्त लहजे में कहा, विकास कार्यों की गुणवत्ता मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि निर्माण सामग्री या कार्य की तकनीक में कोई भी त्रुटि पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सप्ताह में कम से कम दो बार निर्माण स्थल का दौरा करें और कार्य की प्रगति की मॉनिटरिंग करें।

अध्यक्ष सचिन मेघानी ने बारिश पूर्व नाला सफाई और गर्मी में पेयजल आपूर्ति पर ली बैठक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी ने जोन 10 जोन कार्यालय में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 की तैयारी और स्वच्छता फीडबैक सहित वार्डों में बारिश पूर्व सफाई, गर्मी में वार्डों में रहवासियों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को लेकर नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा सहित नगर निगम एमआईसी सदस्य डॉ अनामिका सिंह, वार्ड पार्षद विनय पंकज निर्मलकर, विनय प्रताप सिंह ध्रुव, मनोज जांगड़े, श्रीमती सुषमा तिलक साहू, श्रीमती गायत्री नौरंगे और जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा एवं अन्य सम्बंधित जोन 10 अधिकारियों की उपस्थिति में आवश्यक बैठक ली और पार्षदों से इस पर उनके सुझाव मांगे.बैठक में बारिश पूर्व सुगम निकास प्रबंध करने सभी नालियों और नालों की तल्ले तक अभियानपूर्वक सघन सफाई वार्ड पार्षदों से समन्वय रखकर प्राथमिकता के साथ करवाने के निर्देश दिए गए और गर्मी में वार्डो में नागरिकों को सुगम पेयजल आपूर्ति निरन्तर सतत मॉनिटरिंग करते हुए वार्ड पार्षदों से समन्वय रखकर प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करवाने के निर्देश नगर निगम जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी द्वारा जोन 10 के सम्बंधित जोन अधिकारियों को दिए गए. बैठक में नगर निगम जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी ने वार्ड पार्षदों को रायपुर शहर को स्वच्छ रैंकिंग में रायपुर शहर के हितार्थ अधिकतम स्वच्छता फीडबैक दिलवाने सकारात्मक सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील की ।

आयुक्त सबित मिश्रा ने छहमुहा नाला फाफाडीह, ट्रांसफर स्टेशन देवेन्द्र नगर, सकरी प्लाट, निमोरा एसटीपी का किया प्रत्यक्ष निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा ने फाफाडीह छहमुहा नाला की सफाई व्यवस्था सकरी के प्लांट और निमोरा में 90 एमएलडी के एसटीपी की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर उसकी स्थल समीक्षा करते हुए सबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

आयुक्त संबित मिश्रा ने छहमुहा नाला फाफाडीह की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के दौरान नाले की सफाई प्लेटफार्म बनाकर व्यवस्थित रूप से शीघ्र करवाकर सम्पूर्ण कचरा उठवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। आयुक्त संबित मिश्रा ने ट्रांसफर स्टेशन देवेन्द्र नगर का निरीक्षण कर वहाँ सफाई व्यवस्था निरन्तर सुचारु बनाये रखने के निर्देश दिए.

आयुक्त ने सकरी प्लांट की व्यवस्था प्रत्यक्ष देखी एवं इस दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पूर्ण पालन करते हुए सकरी प्लाट का सवालन सुनिश्चित करने के निर्देश सबंधित अधिकारियों को दिये। निमोरा मे 90 एमएलडी क्षमता वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लाट एसटीपी का निरीक्षण करते हुए जल के शुद्धिकरण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देखकर आयुक्त ने एसटीपी में जल की अशुद्धि को दूर कर शुद्धिकरण करने की प्रक्रिया का व्यवस्थित सवालन करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

आयुक्त संबित मिश्रा के निरीक्षण के दौरान नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय, जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, स्वच्छ भारत मिशन शाखा नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता योगेश कडु की उपस्थिति रही।

रायपुर जोन 4 में जलभराव निवारण और गर्मी में पेयजल आपूर्ति को लेकर जोन अध्यक्ष ने की समन्वय बैठक

निगम जोन 4 में जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, पार्षद अजय साहू, श्रीमती अर्जुमन एजाज ढेबर सहित जोन 4 जोन कमिश्नर, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन अधिकारियों के साथ बारिश पूर्व जल भराव की समस्या का निदान करने, गर्मी में वार्डो में सुगम पेयजल आपूर्ति को लेकर किया विचार - विमर्श और मंथन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर मुरली शर्मा ने जोन कार्यालय में जोन 4 क्षेत्र के वार्ड पार्षदों नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, पार्षद अजय साहू, श्रीमती अर्जुमन एजाज ढेबर सहित जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, नगर ठ्ठद्बद्द स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर सहित अन्य सम्बंधित जोन 4 अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक कर बारिश पूर्व वार्डो में जलभराव की समस्या दूर करने सभी नालों और नालियों की अभियान चलाकर सघन सफाई करवाने, गर्मी में प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग करते हुए वार्ड पार्षदों से समन्वय बनाकर नागरिकों को सुगम पेयजल आपूर्ति करवाने और सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत दिनांक 14 मई 2026 गुरुवार को इंडोर स्टेडियम में राज्य शासन के निर्देश पर आयोजित सुशासन तिहार शिविर को जनहित में सफल बनाने को लेकर गहन विचार - विमर्श और मंथन किया गया. जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने सभी पार्षदों से इस सम्बन्ध द्व्डुद्बठ्ठ सुझाव प्राप्त कर अधिकारियों को समन्वय से कार्य करने हेतु स्पष्ट निर्देशित किया.

छहमुहा नाला फाफाडीह, ट्रांसफर स्टेशन देवेन्द्र नगर, सकरी प्लाट, निमोरा एसटीपी का किया प्रत्यक्ष निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा ने फाफाडीह छहमुहा नाला की सफाई व्यवस्था सकरी के प्लांट और निमोरा में 90 एमएलडी के एसटीपी की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर उसकी स्थल समीक्षा करते हुए सबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

आयुक्त संबित मिश्रा ने छहमुहा नाला फाफाडीह की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के दौरान नाले की सफाई प्लेटफार्म बनाकर व्यवस्थित रूप से शीघ्र करवाकर सम्पूर्ण कचरा उठवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। आयुक्त संबित मिश्रा ने ट्रांसफर स्टेशन देवेन्द्र नगर का निरीक्षण कर वहाँ सफाई व्यवस्था निरन्तर सुचारु बनाये रखने के निर्देश दिए. आयुक्त ने सकरी प्लांट की व्यवस्था प्रत्यक्ष देखी एवं इस दौरान ठोस अपशिष्ट एमएलडी क्षमता वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लाट एसटीपी का निरीक्षण करते हुए जल के शुद्धिकरण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देखकर आयुक्त ने एसटीपी में जल की अशुद्धि को दूर कर शुद्धिकरण करने की प्रक्रिया का व्यवस्थित सवालन करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 15 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

दवा नहीं दिल में खोट

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है।

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर विशेष : वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैं पति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है।

ललित गर्ग।

हर वर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे 'अहिंसा की प्रयोगशाला' बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की बात करती है अर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है। आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

भारत के बच्चों को भोजन के अलावा भी और चीजों की आवश्यकता है

डॉ. सरथ गोपालन

कुछ समय पहले मेरे क्लिनिक में पांच साल की एक बच्ची लाई गई। वह अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में विकास के कई चरणों में पीछे लग रही थी। उसकी बोलने की गति धीमी थी और वह अपने हमउम्र बच्चों जितनी सक्रिय या जुड़ी हुई नहीं दिख रही थी। उसके विकास के आकलन में वह तीन साल की बच्ची के स्तर पर पाई गई। उसकी मां बहुत चिंतित थीं। बच्ची बीमार नहीं थी। कोई ऐसी बीमारी या निदान नहीं था जो इसकी वजह समझा सके। लेकिन जब हमने कोविड-19 के पिछले दो वर्षों के बारे में बात की, तो तस्वीर साफ होने लगी। लंबे लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद रहे, वह ज्यादातर समय घर पर रही, खेल की जगह स्क्रीन ने ले ली और भोजन पहले की तुलना में अधिक साधारण और सीमित हो गया। उन शांत वर्षों में उसके मस्तिष्क को वह सब नहीं मिल पाया जिसकी उसे बढ़ने के लिए जरूरत थी। वह कोई अपवाद नहीं थी। अलग-अलग क्लिनिकों में बाल रोग विशेषज्ञ और विकास विशेषज्ञ एक ही तरह की स्थिति देख रहे थे-ऐसे बच्चे जो शारीरिक रूप से स्वस्थ थे, लेकिन विकास में पीछे रह गए थे। यह वायरस की वजह से नहीं था, बल्कि उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों की वजह से था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मस्तिष्क का 90% विकास पांच वर्ष की आयु से पहले ही हो जाता है, जिससे प्रारंभिक वर्ष बच्चे के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक भविष्य को आकार देने का सबसे बड़ा अवसर बन जाते हैं। इस दौरान बनने वाले तंत्रिका संबंध सीखने, भाषा, स्मृति और जीवन भर के लिए लचीलेपन को मजबूत करते हैं। इस अवधि में सही पोषण प्राप्त करना सबसे शक्तिशाली निवेशों में से एक है जो हम कर सकते हैं। आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, जिन्हें अक्सर तंत्रिका पोषक तत्व कहा जाता है, स्वस्थ मस्तिष्क विकास और कार्य के लिए आवश्यक हैं। फिर भी आंकड़े एक चिंताजनक कहानी बयां करते हैं। अकेले आयरन की कमी भारत में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 50% बच्चों को प्रभावित करती है (एनएफएचएस-5)। पांच वर्ष से कम आयु के 67.1% बच्चों में एनीमिया दर्ज किया गया, जो पिछले सर्वेक्षण से अधिक है। 12-59 महीने की आयु के बच्चों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि विश्लेषण सहित हाल के साक्ष्यों से पता चला है कि 60% से अधिक बच्चों में एनीमिया के साथ या उसके बिना सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी थी। यह अकेले हीमोग्लोबिन की संख्या से कहीं अधिक व्यापक पोषण संबंधी अंतर की ओर इशारा करता है। डोकोसाहेक्सानोइक एसिड (डीएचए), एक ओमेगा-3 फैटी एसिड, मस्तिष्क की संरचना, स्मृति निर्माण और दृश्य विकास में सहायक होता है। कोलीन, एक अन्य आवश्यक पोषक तत्व, अब मस्तिष्क के विकास के लिए अनिवार्य माना जाता है। जब माताएं गर्भावस्था के दौरान कोलीन का सेवन करती हैं, तो यह स्वस्थ जीन गतिविधि और कोशिका संरचना, तथा मस्तिष्क के प्रमुख क्षेत्रों - जिनमें स्मृति और चिंतन के लिए जिम्मेदार क्षेत्र शामिल हैं - के विकास में सहायक होता है। ये पोषक तत्व बच्चे के आहार में वैकल्पिक नहीं हैं, बल्कि उनकी क्षमता के लिए मूलभूत हैं। बच्चे के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पोषण संबंधी हस्तक्षेप जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। मस्तिष्क का विकास भ्रूण अवस्था में ही शुरू हो जाता है, और मां की पोषण स्थिति सीधे तौर पर उस तंत्रिका आधार को आकार देती है जिससे बच्चा जन्म लेता है। डीएचए गर्भ में तंत्रिका संपर्क को सहारा देता है; गर्भावस्था के दौरान आयरन और फोलिक एसिड का सेवन कम जन्म वजन और विकास में देरी के जोखिम को कम करता है। फिर भी, भारत में केवल 44% गर्भवती महिलाओं ने अनुशंसित 180 या उससे अधिक दिनों तक आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट का सेवन किया (एनएफएचएस-5), जो एक बहुत बड़ा और लक्षित करने योग्य अवसर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि किशोरियों में निवेश करना अगली पीढ़ी में निवेश करना है। एक स्वस्थ लड़की स्वस्थ मां बनती है, और एक स्वस्थ मां अपने बच्चे को सर्वोत्तम संभव शुरुआत देती है। भारत में 59% किशोरियों में एनीमिया की समस्या है, इसलिए स्कूलों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लक्षित पूरक आहार के माध्यम से इस समूह को प्राथमिकता देना संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा में प्रभावी उपायों में से एक है। हालांकि पोषण महत्वपूर्ण है, मस्तिष्क के विकास के लिए दो समानांतर इनपुट आवश्यक हैं: पर्याप्त पोषण और भावनात्मक-सामाजिक उत्तेजना। महामारी ने इसे सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। यूनिसेफ का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर सात में से एक बच्चे ने कोविड-19 के दौरान विकास या सीखने में महत्वपूर्ण हानि का अनुभव किया, जो मुख्य रूप से बीमारी के कारण नहीं, बल्कि साथियों के साथ मेलजोल, बातचीत और खेल की कमी के कारण हुआ। स्क्रीन ने मानवीय संपर्क का स्थान ले लिया, और भाषा, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित हुआ। संवेदनशील देखभाल, मौखिक संवाद, स्पर्श संबंधी जुड़ाव और एक उत्तेजक वातावरण तंत्रिका तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और स्वस्थ मस्तिष्क संरचना के लिए आवश्यक हैं। प्रारंभिक बचपन के कार्यक्रम जो पोषण संबंधी सहायता और विकासात्मक उत्तेजना दोनों को एकीकृत करते हैं, ऐसे परिणाम देते हैं जो इनमें से कोई भी अकेले प्राप्त नहीं कर सकता। भारत की कार्यक्रम संरचना इस पर अमल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। पोषण अभियान और पीएम पोषण जैसे कार्यक्रम पहले से ही देश भर में लाखों माताओं और छोटे बच्चों तक पहुंच रहे हैं। पोषण पखवाड़ा जैसी पहल पोषण के इर्द-गिर्द निरंतर, सामुदायिक स्तर पर लामबंदी की शक्ति को दर्शाती है। वितरण संरचना, जिसमें आंगनवाड़ी नेटवर्क, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और सामुदायिक स्तर पर पहुँच शामिल है, स्थापित है। अब अवसर यह है कि इस ढांचे से मिलने वाले लाभों को और अधिक बढ़ाया जाए। उचित प्रशिक्षण और सहयोग से, वे शारीरिक विकास पर नज़र रखने से लेकर माता-पिता को प्रारंभिक प्रोत्साहन, संवेदनशील देखभाल और बाल विकास प्रथाओं पर मार्गदर्शन देने तक अपनी भूमिका का विस्तार कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क को एकीकृत करना, जो पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल को एक सुसंगत इकाई में जोड़ता है, इस विकास के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक रोडमैप प्रदान करता है। यह लक्ष्य को केवल बच्चों को भोजन कराने से आगे बढ़ाकर उन्हें वास्तव में फलने-फूलने में मदद करने की ओर ले जाता है। शुरुआती बचपन में पोषण किसी भी देश के लिए सबसे अधिक लाभ देने वाला निवेश है। जब बच्चों को उनके विकसित होते मस्तिष्क के लिए जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व, सही देखभाल का वातावरण और सही मानसिक व सामाजिक प्रोत्साहन मिलता है तो उसका लाभ पूरी जिंदगी मिलता है। ऐसे बच्चे बेहतर विद्यार्थी बनते हैं, आगे चलकर अधिक सक्षम और उत्पादक नागरिक बनते हैं, और समाज भी अधिक मजबूत और सक्षम बनता है। भारत के पास विकसित भारत का सपना है। उसके पास व्यवस्थाएं हैं। उसके पास विज्ञान है। अब जरूरत इस बात की है कि शुरुआती बचपन के पोषण को केवल कल्याणकारी योजना का हिस्सा न माना जाए, बल्कि उसे उस बुनियाद के रूप में देखा जाए, जिस पर बाकी सब कुछ टिका है।

(लेखक, नई दिल्ली के मधुकर रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में बाल चिकित्सा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार और न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई) के अध्यक्ष हैं।)

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम...सोना बचत और वर्क फ्रॉम होम का संदेश

सुनील कुमार महला।

हाल ही में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने, वर्क फ्रॉम होम(जैसा कि हमने कोविड काल के दौरान इसे अमल में लाया था) जैसे उपाय अपनाने तथा एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना नहीं खरीदने की अपील की है। वास्तव में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह अपील पश्चिम एशिया संकट, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के संदर्भ में की गई है। पिछले कुछ समय से हमारे देश के साथ ही साथ पूरे विश्व ने पश्चिम एशिया संकट का सामना किया। मसलन, युद्ध के कारण पूरे विश्व में खाद्य पदार्थों में जहां एक ओर महंगाई का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर तेल-गैस संकट के बादल भी मंडराए। गैस के लिए लंबी-लंबी कतारें हमें हर कहीं पर देखने को मिलीं,कई स्थानों पर तो तेल के लिए भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिली। इस क्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल और बड़ी मात्रा में सोना आयात करता है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल और सोने पर अधिक खर्च से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है तथा व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। इसलिए हमें यह चाहिए कि हम हर क्षेत्र में बचत को महत्व दें। वास्तव में मनुष्य के जीवन में बचत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। बचत केवल हमारे अर्थ(धन) को ही सुरक्षित रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की सुरक्षा, हमारी आत्मनिर्भरता और संतुलित जीवन का आधार भी बनता है। हमें यह याद रखना

चाहिए कि मनुष्य के जीवन में कभी भी अचानक बीमारी, आर्थिक संकट, बेरोजगारी या अन्य कठिन परिस्थितियाँ आ सकती हैं। ऐसे समय में बचत ही मनुष्य का सबसे बड़ा सहारा बनती है। यही कारण है कि कहा जाता है- बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। छोटी-छोटी बचतें भविष्य में बड़ी शक्ति बन जाती हैं।हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में बचत की परंपरा प्राचीन काल से रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हमारे यहां तो लोग सदैव सादा जीवन, उच्च विचार और विवेकपूर्ण खर्च को महत्व देते आए हैं। प्राचीन काल गांवों में लोग अनाज, घी, धन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का संग्रह करके रखते थे, ताकि कठिन समय में परिवार सुरक्षित रह सके। गृहिणियाँ भी घर के खर्च से थोड़ा-थोड़ा बचाकर भविष्य के लिए संचित करती थीं। यही पारिवारिक बचत भारतीय समाज की आर्थिक मजबूती का आधार रही है। हमारे बुजुर्ग हमेशा यह शिक्षा देते थे कि आय से कम खर्च करना चाहिए और अनावश्यक दिखावे से बचना चाहिए। भारतीय परिवारों में बच्चों को भी छोटी उम्र से ही गुल्लक में पैसे जमा करने की आदत डाली जाती रही है। यह केवल आर्थिक शिक्षा नहीं, बल्कि संयम और दूरदर्शिता का संस्कार भी है। बहरहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि बचत की प्रेरणा हमें चींटियों से लेनी चाहिए। वास्तव में, चींटियां हमें बचत, परिश्रम और दूरदर्शिता की अद्भुत प्रेरणा देती हैं। छोटी-सी दिखाई देने वाली चींटी अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर मेहनत करती रहती है। वह अनुकूल समय में भोजन के छोटे-छोटे कण इकट्ठा करके अपने बिल में जमा करती है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उसे कठिनाई न हो। यही कारण भी है कि चींटी को बचत और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि थोड़ी-थोड़ी बचत भविष्य में बड़े संकटों से बचा सकती है। जिस प्रकार चींटी कभी आलस्य नहीं करती और लगातार अपने लक्ष्य में लगी रहती है, उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में परिश्रम, संयम और बचत की आदत अपनानी चाहिए। चींटियां यह संदेश देती हैं कि भविष्य की चिंता केवल सोचने से नहीं, बल्कि आज से तैयारी करने से दूर होती है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि छोटी कोशिशें और छोटी बचतें ही आगे चलकर बड़ी ताकत बनती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि चींटियां केवल प्रकृति का जीव नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की एक महान शिक्षक भी हैं।आज उपभोक्तावाद और दिखावे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण बचत की आदत कमजोर होती जा रही है, जबकि वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। बचत व्यक्ति को आत्मविश्वास देती है और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाती है। इसलिए हमें अपनी पुरानी परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए बचत को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग और लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने की भी अपील की। साथ ही विदेश यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और गैर-जरूरी खर्चों को टालने का आग्रह किया।लोकल फॉर वोकल से देश का पैसा देश में ही रहेगा और देश और अधिक आर्थिक तरक्की तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री की यह अपील आर्थिक अनुशासन, विदेशी मुद्रा संरक्षण और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। आज हम अनावश्यक खर्च करते हैं। हम संसाधनों का सही व विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें और जहां तक हो सके बचत को जीवन में अपनाएं। वास्तव में प्रधानमंत्री की यह कटौती की नहीं, बल्कि स्मार्ट लाइफ स्टाइल की सलाह है, और हम मिलकर ये सब आसानी से कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि समझदारी से खर्च बनेगा देश के लिए आर्थिक रूप से बहुत ही सहायक सिद्ध हो सकता है। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार यह नहीं कह रहे कि कोई संकट है, जिसमें हमें खर्च घटाने हैं, बल्कि उन्होंने तो यह अपील की हैं कि युद्ध के इस दौर में हमें ऐसे खर्च कम करने हैं, जिससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। हम स्मार्ट लाइफ स्टाइल अपनाकर इस बर्बादी को रोक सकते हैं, ताकि देश के सामने आर्थिक संकट न आए।कोविड काल में हमने बचत के बड़े उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मसलन, घर से कामकाज किया, तेल की बचत हुई, पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिली।हमारी उत्पादकता (प्रोडेक्टिविटी) में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी देखने को मिली। जब संकट आए तब ही हम बचत क्यों करें, जीवन के हर पलों में हमें बचत करनी चाहिए, ताकि कभी कोई संटक आए ही नहीं।पीएम ने वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है, जो संसाधनों की बचत के साथ आर्थिक नजरिये से भी फायदेमंद है। ऐसे ऑर्गनाइजेशन जहां, 100-200 या ज्यादा स्टाफ है, वहां लोगों को वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड मॉडल में काम की सुविधा दी गई तो तेल का खर्च बचेगा। यात्रा की थकान कम होगी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग से बचने और गैर-जरूरी विदेश यात्रा टालने को कहा है। आंकड़े बताते हैं कि देश की तुलना में विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग में 30-36% तक ज्यादा खर्च होता है। इसमें देश का बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भंडार खर्च होता है।

एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार अभी भारत की हर 100 डेस्टिनेशन वेडिंग में 15 विदेश में होती है। भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राजस्थान, उत्तराखंड, गुजरात, गोवा, हिमाचल और कश्मीर जैसी कई जगहें हैं, जिनका चुनाव किया जा सकता है। आज इलेक्ट्रिक गाड़ी सबसे प्रभावी विकल्प है,बचत का। इससे पाल्यूशन भी नहीं होता,तेल की भी बचत होती है।सरल शब्दों में कहें तो इलैक्ट्रिक व्हीकल (ई-व्हीकल) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये वाहन पेट्रोल-डीजल की तुलना में कम प्रदूषण फैलाते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर होती है। ई-व्हीकल चलाने में खर्च भी कम आता है, क्योंकि बिजली की लागत ईंधन से सस्ती होती है। इसके अलावा, ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है और देश की तेल पर निर्भरता घटती है।

रेलवे समाचार

सम्बलपुर मंडल के बलांगीर-सम्बलपुर सेक्शन में ट्रेफिक सह पावर ब्लॉक के फलस्वरूप पैसेंजर रद्द रहेगी

रायपुर। पूर्व तटीय रेलवे सम्बलपुर मंडल के बलांगीर-सम्बलपुर सेक्शन में गर्डर लांचिंग/डि-लांचिंग कार्य हेतु ट्रेफिक सह पावर ब्लॉक लिया जायेगा इसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित पैसेंजर दिनांक 16 मई 2026 को रद्द रहेगी।

(1) गाड़ी संख्या 58213 बिलासपुर टिटलागढ़ पैसेंजर 16 मई को रद्द रहेगी।

(2) गाड़ी संख्या 58214 टिटलागढ़ - बिलासपुर पैसेंजर 16 मई को रद्द रहेगी।

(3) गाड़ी संख्या 58217 टिटलागढ़ रायपुर पैसेंजर 16 मई को रद्द रहेगी।

(4) गाड़ी संख्या 58218 रायपुर - टिटलागढ़ पैसेंजर 16 मई को रद्द रहेगी।

कचना ओवर-ब्रिज जल्द होगा शुरू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यों का किया निरीक्षण

अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को जल्द से जल्द काम पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज रायपुर में खम्हारडीह-कचना रेल्वे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवर-ब्रिज के अंतिम चरण के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को ओवर-ब्रिज का काम जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ओवर-ब्रिज पर पैदल चलकर अधिकारियों से इसके तकनीकी मानकों की जानकारी ली। उन्होंने यहां लाइटिंग के लिए अच्छी गुणवत्ता के पोल्स और

लाइट्स का उपयोग करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल, प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी और सेतु संभाग के मुख्य अभियंता एस.के. कोरी भी इस दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने कचना ओवर-ब्रिज के निरीक्षण के बाद कहा कि इसका 96 प्रतिशत काम पूर्ण कर लिया गया है। थोड़े से बचे कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कर इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इस ओवर-ब्रिज के चालू होने से रायपुर शहर और आसपास के गांवों के हजारों लोगों को ट्रैफिक-जॉम और रेलवे फाटक के बंद होने के कारण यातायात बाधित होने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। साव ने कहा कि राज्य शासन लगातार राजधानी के यातायात को सुदृढ़, व्यवस्थित और तेज करने में लगी हुई है। कचना का यह ओवर-ब्रिज भी इसमें काफी महत्वपूर्ण है, जो अब लगभग पूर्णता की ओर है। इस सड़क से आना-जाना करने वालों के लिए यह बहुप्रतीक्षित ओवर-ब्रिज जल्द ही खोल दिया जाएगा।

49 करोड़ की लागत से बन रहा ओवर-ब्रिज इस रूट के यातायात को करेगा व्यवस्थित और तेज लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रायपुर-वाल्टेयर रेलवे लाइन पर खम्हारडीह और कचना के बीच करीब 49 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन इस रेलवे ओवर-ब्रिज का 96 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। पुल के मध्य के रेलवे वाले भाग के साथ ही दोनों छोरों पर पुल एवं पहुंच मार्ग का काम पूर्ण कर लिया गया है। अभी पेंटिंग एवं फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। इनके पूर्ण होते ही नाली निर्माण और लाइटिंग का काम तत्परता से प्रारंभ किया जाएगा। इस ओवर-ब्रिज के शुरू हो जाने से इस रूट का यातायात व्यवस्थित और तेज होगा।

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मसंयम और ऊर्जा बचत के आह्वान को वन मंत्री केदार कश्यप का समर्थन

सादा जीवन और सीमित संसाधनों का उपयोग मेरी कार्यशैली का हिस्सा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वैश्विक परिस्थितियों और ऊर्जा संरक्षण को लेकर देशवासियों से की गई अपील का समर्थन करते हुए छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि प्रधानमंत्री की बातों को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी दिनचर्या और जीवनशैली में भी अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता, ऊर्जा संरक्षण और संसाधनों के संतुलित उपयोग की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। सादा जीवन और सीमित संसाधनों का उपयोग मेरी कार्यशैली का हिस्सा

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि वे स्वयं लंबे समय से आवश्यकताओं को सीमित रखने और अनावश्यक संसाधनों के उपयोग से बचने का प्रयास करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपने काफिले में वाहनों की संख्या केवल दो तक सीमित रखी, ताकि ईंधन की अनावश्यक खपत को रोका जा सके। इसके साथ ही उन्होंने शासकीय बंगले में उपयोग के लिए उपलब्ध अतिरिक्त वाहनों को वापस विभाग को सौंप दिया, जिससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके।

मोदी जी के आह्वान के बाद और बढ़ाया ऊर्जा संरक्षण पर फोकस मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद रायपुर प्रवास के दौरान उनके साथ चलने वाली फॉलो पायलट गाड़ी को भी फिलहाल बंद कर दिया गया है, ताकि ईंधन की बचत और संसाधनों के संयमित उपयोग का संदेश व्यवहारिक रूप से दिया जा सके।

देशहित में पीएम मोदी की अपील का करें समर्थन - सुभाष अग्रवाल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल ने कहा कि देश आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां आर्थिक आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और स्वदेशी सोच केवल विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्र की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार देश को आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और ऊर्जा संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ा रही है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह केवल सरकार पर निर्भर न रहे, बल्कि स्वयं भी राष्ट्रहित में जिम्मेदार और संयमित जीवनशैली अपनाए।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, लेकिन पेट्रोल-डीजल और सोने जैसे आयातित संसाधनों पर अत्यधिक निर्भरता देश की विदेशी मुद्रा पर अनावश्यक दबाव बनाती है। यदि देश को वास्तविक रूप से आर्थिक महाशक्ति बनाना है तो हमें उपभोग आधारित मानसिकता से बाहर निकलकर उत्पादन, बचत

और राष्ट्रहित आधारित जीवनशैली अपनानी होगी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समय-समय पर वोकल फॉर लोकल, मेड इन इंडिया और ऊर्जा बचत का जो संदेश दिया गया है, वह केवल सरकारी नारा नहीं बल्कि आने वाले समय में भारत की आर्थिक सुरक्षा का रोडमैप है। देशवासियों को समझना होगा कि पेट्रोल-डीजल की अनावश्यक खपत सीधे-सीधे विदेशी मुद्रा के बाहर जाने का कारण बनती है।

सुभाष अग्रवाल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि शहरों में ओला-उबर जैसी सेवाओं में कार पूलिंग और पूर्ण शेयरिंग व्यवस्था को अनिवार्य रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि एक दिशा में जाने वाले लोग एक ही वाहन का उपयोग करें और ईंधन की बचत हो। बिना उद्देश्य देर रात तक चलने वाली चौपाटियों और अनावश्यक भीड़भाड़ पर भी नियंत्रण होना चाहिए, क्योंकि केवल मनोरंजन और दिखावे के लिए वाहनों का अत्यधिक उपयोग राष्ट्रीय संसाधनों की बर्बादी है। उन्होंने कहा कि शहरों के दर्शनीय स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सप्ताह में कम से कम दो दिन नियंत्रित अवकाश व्यवस्था लागू की जा सकती है, ताकि अनावश्यक ट्रैफिक कम हो। साइकिल, ई-स्कूटर और बैटरी चालित वाहनों पर टैक्स में बड़ी राहत दी जाए तथा साइकिल से बाजार आने वाले ग्राहकों को विशेष छूट और प्रोत्साहन दिया जाए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ईंधन बचत भी सुनिश्चित होगी।

सुशासन तिहार-2026-मानपुरपहाड़ी शिविर में महिला समूहों को मिली आत्मनिर्भरता की नई राह

दो स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार गतिविधियों के लिए 06 लाख रुपये का बैंक ऋण स्वीकृत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार-2026 अंतर्गत खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिले के ग्राम मानपुरपहाड़ी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीण महिला समूहों के लिए आत्मनिर्भरता की नई उम्मीद लेकर आया। शिविर में विभिन्न स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार गतिविधियों से जोड़ते हुए बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिला।

ग्राम सिंगारपुर के जय मां बमलेश्वरी समूह को ईंट निर्माण एवं किराना दुकान संचालन के लिए 03 लाख रुपये का बैंक ऋण स्वीकृत किया गया। समूह की महिलाओं ने बताया कि इस सहायता से वे गांव में ही रोजगार शुरू कर सकेंगी तथा परिवार की आय बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

इसी प्रकार पंचायत सिंगारपुर अंतर्गत ग्राम तुमड़ादाह के बैगा जनजाति महिला स्व-सहायता समूह जय मां नर्मदा समूह को भी 03 लाख रुपये का बैंक ऋण प्रदान

किया गया। समूह द्वारा सेंटरिंग प्लेट संचालन एवं छिन झाड़ू निर्माण का कार्य किया जाएगा।

समूह की महिलाओं ने बताया कि पहले संसाधनों की कमी के कारण व्यवसाय शुरू करना कठिन था, लेकिन अब शासन की सहायता से वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

महिलाओं ने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जैसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बिहान योजना के माध्यम से महिला समूहों को रोजगारोन्मुख गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

फसलों को खरपतवार से होने वाले नुकसान को नियंत्रित करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने बनाई रणनीति

कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक का समापन हुआ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की त्रिदिवसीय 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का आज यहां समापन हुआ। बैठक के तृतीय दिवस में उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों के साथ विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान खरपतवार प्रबंधन से संबंधित आधुनिक तकनीकों, कृषि उपयोगी उत्पादों, नवाचारों एवं अनुसंधान आधारित समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। उद्योग

प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के उपयोग, प्रभावी खरपतवार नियंत्रण उपायों तथा किसानों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। इस तीन दिवसीय समीक्षा बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न फसलों को हानि पहुंचाने वाले खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण की विभिन्न विधियों पर सारगर्भित चर्चा की तथा फसलों को इनसे होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने हेतु मंथन किया। इस दौरान विभिन्न रासायनिक खरपतवारनाशकों से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की गई और इसे रोकने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। हानिकारक हर्बिसाइड के उपयोग को सीमित करते हुए खरपतवार प्रबंधन की वैकल्पिक विधियों को प्रोत्साहन देने पर जोर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आगामी 12 से 14 मई 2026 तक अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (NRM) डॉ. ए. के. नायक द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में किया गया। यह परियोजना देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में फसलों में खरपतवार नियंत्रण पर अनुसंधान तथा नवीनतम तकनीकों के विकास एवं उनके किसानों के बीच प्रसार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से चलाई जा रही है। इस समीक्षा बैठक में देश भर के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय में संचालित 17 प्रमुख केंद्रों, तथा 7 स्वयंसेवी केंद्रों में खरपतवार अनुसंधान में लगे कार्यरत वैज्ञानिकों के अलावा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (SAU), ICAक्र संस्थानों तथा हर्बीसाइड उद्योगों लगभग 100 वैज्ञानिकों के शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में किए गए अनुसंधान कार्यों एवं विस्तार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों की समीक्षा की गई तथा आगामी दो वर्षों के लिए तकनीकी कार्यक्रम पर गहन विचार विमर्श करते हुए अंतिम रूप दिया गया।

डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा की 98वीं जयंती के अवसर पर बिलासपुर में एक भव्य साहित्यिक आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के युग प्रवर्तक डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा की 98वीं जयंती के अवसर पर बिलासपुर में एक भव्य साहित्यिक आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन 17 मई 2026, रविवार को दो सत्रों में संपन्न होगा। इस गरिमामय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न साहित्यिक कृतियों का लोकार्पण, डॉ. शर्मा को स्मरणांजलि, सारस्वत सम्मान तथा विशिष्ट अलंकरण प्रदान किए जाएंगे।

यह सत्र बिलासपुर में आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा होंगे। सत्र की अध्यक्षता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के साहित्य एवं भाषा अध्ययन शाला के पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. चित्तरंजन कर करेंगे।

विशिष्ट अतिथियों में पाणिनीय शोध संस्थान, बिलासपुर की अध्यक्ष आचार्या डॉ. पुष्पा दीक्षित और इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के संगीत एवं कला संकाय के प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता डॉ. राजन यादव शामिल रहेंगे। सम्मानित अतिथियों में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा, पूर्व विधायक एवं समाजसेवी चंद्रप्रकाश बाजपेयी तथा प्रख्यात नवगीतकार डॉ. अजय पाठक उपस्थित रहेंगे।

आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा की 98वीं जयंती के उपरांत स्मरणांजलि के रूप में समर्पित है और सभी प्रबुद्धजनों से सहभागिता की अपील की गई है। द्वितीय सत्र × लोकार्पण एवं सारस्वत सम्मान समारोह यह सत्र बिलासपुर के प्रार्थना भवन, जल संसाधन विभाग परिसर, आईजी कार्यालय के पास, दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा। समारोह में निम्न कृतियों का लोकार्पण किया जाएगा÷ 1. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परंपरा- डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा 2. गुड़ी के गोठ- डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा 3. कीर्तिशेष डॉ. पालेश्वर महंत 4. रात जागा पाखी उवाच- डॉ. बरसाइत दास महंत आत्मीय सारस्वत सम्मान÷ बजरंग केडिया, डॉ. जयशुक्ला, सिद्धेश्वर पाटनवार, डॉ. जी.बी. सिंह, डॉ. गिरधर शर्मा, बसंत राघव, स्मृतिशेष प्रेमशंकर पाटनवार परिवार, स्मृतिशेष सुभाष वर्मा परिवार और कवि राजेश चौहान को प्रदान किया जाएगा।

भाजपा में अपने ही वरिष्ठ नेताओं को अपमानित करने की परंपरा चल रही -कांग्रेस

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भाजपा के कोर कमेटी पर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि बदलाव के बहाने अपने ही वरिष्ठ नेताओं को कोर ग्रुप से बाहर करना भाजपा के अंदरूनी संघर्ष को उजागर करता है। नए दौर के अधिनायकवादी भाजपा में जिस तरह से केंद्र की सरकार और भाजपा के केंद्रीय संगठन में हम दो और हमारे दो का कब्जा है उसी तर्ज़ पर छत्तीसगढ़ में भी सरकार चलाने वाले मुख्यमंत्री दोनों उपमुख्यमंत्री और ओपी चौधरी इन्हीं चार लोगों के हाथों में भाजपा संगठन को भी ठेके पर सौंप दिया गया है। किसी भी संगठन में कोर कमेटी वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं का संगठन होता है जो पार्टी को नीतिगत निर्णय लेने सुझाव देते हैं, सरकार को भी समीक्षा और सुझाव देते हैं, सत्ता और संगठन में समन्वय बनाकर जनता और कार्यकर्ताओं की आवाज़ बनकर काम करता है

लेकिन वर्तमान दौर में भाजपा संगठन नहीं, बल्कि सरकार के नियंत्रण में वसूली गिरोह के तौर पर संचालित करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। कैडर और देवतुल्य कार्यकर्ता का दावा केवल जुमला है असलियत यही है कि भाजपा अपने ही नेता कार्यकर्ताओं का शोषण करने वाली पार्टी है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा के नव गठित कोर कमेटी से भाजपा के सामाजिक न्याय विरोधी चरित्र एकबार फिर उजागर हुआ है। ओबीसी सबसे बड़ी अबादी है, सात बार के सांसद रहे, पूर्व केंद्रीय मंत्री, महाराष्ट्र, झारखंड सहित तीन-तीन राज्यों के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस आज अपने ही संगठन में उपेक्षा के शिकार हैं। वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर और धरमलाल कौशिक की क्या स्थिति है? 8 बार के विधायक, पूर्व मंत्री, राजधानी रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल को कोर दिया गया। भाजपा के सबसे वरिष्ठ आदिवासी नेता ननकीराम कंवर रामविचार नेताम, विक्रम उसेंडी भी बाहर। सबसे वरिष्ठ अनुसूचित जाति के विधायक पुन्नूलाल मोहले भी बाहर कर दिए गए।

प्रशासनिक दक्षता का सम्मान मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस और समयबद्धता के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को नवाजा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

/छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में एक विशेष गरिमामयी कार्यक्रम में मंत्रालयीन अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए। यह सम्मान ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों (नस्तियों) के त्वरित निराकरण और कार्यालयीन समय की प्रतिबद्धता (उपस्थिति) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ई-ऑफिस न केवल कार्य में पारदर्शिता लाता है, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया को भी गति देता है। उन्होंने समयबद्धता को बेहतर कार्य-संस्कृति का आधार बताया और अन्य कर्मचारियों को भी इनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभाग ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग में मंत्रालय के तीन विभागों ने बाजी मारी। प्रथम स्थान समाज कल्याण विभाग, द्वितीय स्थान गृह विभाग, तृतीय स्थान परिवहन विभाग का रहा। ई-ऑफिस श्रेणी में व्यक्तिगत सम्मान में विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों की सूची इस प्रकार है:- संयुक्त/अपर सचिव श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत (आदिम जाति विकास) प्रथम, श्री अनुपम त्रिवेदी (अल्पसंख्यक विकास) द्वितीय, श्री सचिदानंद आलोक (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) तृतीय स्थान पर रहे। उप सचिव श्री दूरदेशी राम श्री रामप्रसाद चौहान (गृह विभाग) तृतीय, अवर सचिव श्री अरुण कुमार मिश्रा (विधि विभाग) प्रथम, श्री मगनलाल पवार (वाणिज्य एवं उद्योग) द्वितीय, श्री पूरन लाल साहू (गृह विभाग) ई-ऑफिस श्रेणी में व्यक्तिगत तृतीय स्थान पर रहे।

ई-श्रम साथी ऐप-छत्तीसगढ़ के श्रमिकों और नियोक्ताओं के लिए नई डिजिटल सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा प्रदेश के निर्माण श्रमिकों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें रोजगार के सुलभ अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से ई-श्रम साथी (eShram Sathi) मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया गया है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल विजन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल का मुख्य ध्येय निर्माण श्रमिक न हो हताश, ई-श्रम साथी ऐप में करे काम की तलाश के संकल्प को चरितार्थ करना है।

यह ऐप विशेष रूप से उन श्रमिकों के लिए बनाया गया है जो अपने कौशल के अनुरूप उपयुक्त कार्य की तलाश में रहते हैं, ताकि वे बिचौलियों के बिना सीधे काम पा सकें। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से श्रमिकों को बहुआयामी लाभ प्राप्त होंगे, जिसमें वे अपने निवास स्थान के निकटतम उपलब्ध कार्यों की त्वरित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ऐप पर पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क और उपयोग में सरल रखी गई है, जिससे श्रमिक स्वयं अपना डेटा दर्ज कर सकते हैं और अपनी दक्षता के अनुसार कार्य का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह ऐप श्रमिकों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की सटीक जानकारी और उनका सीधा लाभ दिलाने में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

नियोक्ताओं के लिए भी यह ऐप एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है, जहाँ वे अपनी आवश्यकतानुसार कुशल और अकुशल श्रमिकों की खोज कर सकते हैं। यह एक तेज़ और भरोसेमंद डिजिटल माध्यम है जो पंजीकृत एवं विभाग द्वारा सत्यापित श्रमिकों तक सीधी पहुंच प्रदान करता है, जिससे नियोक्ताओं के समय और भर्ती प्रक्रिया की लागत में महत्वपूर्ण बचत होगी। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल (श्रम विभाग) ने सभी पात्र नागरिकों से इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करने की अपील की है। किसी भी तकनीकी समस्या या विस्तृत जानकारी हेतु विभाग ने हेल्पलाइन नंबर 0771-3505050 और निकटतम श्रम कार्यालय से संपर्क करने का परामर्श दिया है।

पुलिस द्वारा विशेष सघन चेकिंग अभियान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

शहर में मंगलवार की सुबह दुर्ग पुलिस द्वारा विशेष सघन चेकिंग अभियान, कांबिंग गश्त चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की व्यापक जांच की गई। कांबिंग गश्त में अवैध हथियार गांजा एवं बाइक के साथ संदिग्ध पकड़े गए हैं। पुलिस ने ग्रीन चौक, टिकरा पारा, हरना बांधा एवं तकिया पारा क्षेत्र में 100 पुलिस बल के साथ सघन कमिंग गश्त अभियान चलाया था। सर्च अभियान के दौरान आरोपियों के कब्जे से तलवार, धारदार हथियार, गुप्ती गांजा एवं संदिग्ध बाइक बरामद की गई है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट आर्म्स एक्ट एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नगर पुलिस अधीक्षक यदुमणि सिदार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पाटन अनूप लकड़ा के नेतृत्व में एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में अपराधों की रोकथाम,क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 12 मई की सुबह 4 से 8 बजे तक थाना मोहन नगर एवं सिटी कोतवाली क्षेत्र में ग्रीन चौक, टिपरा पारा, हरना बांधा एवं तकिया पारा क्षेत्र में 100 पुलिस बल के साथ आकस्मिक सर्च एवं तलाशी अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, संदिग्ध मकान एवं अपराधी गतिविधियों में संलिप्त आदतन अपराधियों के ठिकानों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा कई व्यक्तियों की तलाशी लेकर पूछताछ की गई। सर्च अभियान के दौरान ग्रीन चौक निवासी विकास यादव उर्फ लासा (21 वर्ष) एवं प्रशांत उर्फ़ बालू निवासी ग्रीन चौक के कब्जे से अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। आरोपियों के कब्जे से धारदार तलवार, धारदार हथियार, गुप्ती, अवैध गांजा संदिग्ध मोटरसाइकिल भी बरामद कर जब्त की गई है।

आरोपी विकास यादव उर्फ लासा के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत तथा आरोपी प्रशांत उर्फ़ बालू निवासी ग्रीन चौक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना मोहन नगर एवं सिटी कोतवाली की संयुक्त पुलिस टीम, पेट्रोलिंग स्टाफ एवं कांबिग गश्त में शामिल पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, अवैध हथियार, मादक पदार्थ, संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी मिलते ही तुरंत पुलिस को सूचना दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जयंती नगर गार्डन की जमीन पर अतिक्रमण, महापौर ने किया निरीक्षण सड़क घेरकर बनाई सीढ़ी हटाने के निर्देश

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 16 जयंती नगर स्थित गार्डन हेतु घोषित रिक्त भूमि पर अतिक्रमण कर कब्जा किए जाने की शिकायत वार्डवासियों द्वारा महापौर अलका बाघमार से की गई। शिकायत मिलते ही महापौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार के साथ लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी एवं उप अभियंता पंकज साहू उपस्थित रहे। वार्डवासियों ने बताया कि संबंधित स्थल पर अतिक्रमण कर कब्जा किया गया है, जिससे मिनी गार्डन निर्माण की योजना प्रभावित हो रही है तथा क्षेत्र के नागरिकों को सार्वजनिक सुविधा से वंचित होना पड़ रहा है।सड़क पर बढ़ाई गई सीढ़ी हटाने के निर्देश, आवागमन में परेशानी हो रही थी।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क क्षेत्र में आगे बढ़ाकर बनाए गए सीढ़ी निर्माण को भी हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सड़क पर अतिक्रमण एवं सीढ़ी निर्माण के कारण लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को आने-जाने में परेशानी होती है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निगम क्षेत्र में सार्वजनिक भूमि एवं सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी।

अवैध नशीली दवाईयों पर कार्यवाही करने और जागरूकता बढ़ाने के निर्देश

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में नारकोटिक्स नियंत्रण एवं नशामुक्ति अभियान के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम, नशा मुक्ति केंद्रों की व्यवस्थाओं तथा संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट एवं नारकोटिक्स एक्ट के तहत कुल 68 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में गांजा, गांजा पौधा, हेरोइन, नशीली दवाइयां, अफीम, अफीम के बीज तथा डोडा से संबंधित जब्ती की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 9 लाख 25 हजार रुपये है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में पीआईटी एनडीपीएस के तहत 9 प्रकरण तैयार किए गए हैं तथा 36 वाहनों की नीलामी भी कराई गई है। जनवरी से अप्रैल 2026 तक स्वापक एवं मनः प्रभावी औषधियों की रोकथाम को लेकर जिले में व्यापक स्तर पर कार्यवाही की गई। खाद्य एवं औषधि अधिकारी ने बताया कि इस अवधि में कुल 715 निरीक्षण किए गए। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 32 नोटिस जारी किए गए। वहीं नार्कोटिक्स दवाइयों के रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिलने पर 4 मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा पुलिस एवं संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त रूप से 11 कार्रवाई भी की गई हैं। प्रभारी सचिव ने निर्देश देते हुए कहा कि स्वापक एवं मनः प्रभावी औषधियों के विक्रय एवं वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने औषधियों का नियमित भौतिक सत्यापन करने तथा जहां से अवैध सप्लाई हो रही है, वहां भी सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर संयुक्त कार्यवाही करने को कहा।

श्री बोरा ने नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय बनाकर संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्रों में तीन माह तक रखा जाता है। इस अवधि को बढ़ाने पर भी विचार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आयु वर्ग के अनुसार हितग्राहियों को पृथक रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। प्रभारी सचिव ने कहा कि नशे की लत से मुक्त हो चुके हितग्राहियों की सफलता का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचे और अन्य लोग भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित हों। इसके लिए छोटे-छोटे वीडियो एवं क्लिप्स तैयार कर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

दुर्ग प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म, फिर पारा पहुंचा सामान्य के पार

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 2 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। आज दुर्ग प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां एक बार फिर पारा सामान्य के पार पहुंच गया है। वहीं अगले 4 दिनों में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक और वृद्धि की संभावना है। जानकारी के अनुसार दुर्ग में आज अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक है जबकि न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से 5 डिग्री कम है। तापमान में वृद्धि के साथ ही उमस भरी गर्मी ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक एक द्रोणिका दक्षिण पश्चिम मध्यप्रदेश के ऊपर पूर्वी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड एवं गंगीय पश्चिम बंगाल से होते हुए मणिपुर तक समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर स्थित है।

आम्रपाली कॉलोनी भिलाई में श्री राम मंदिर का उद्घाटन कल करेंगे प्रेम प्रकाश

भिलाई , प्रतिदिन राजधानी

स्थित एम.पी. हाउसिंग बोर्ड के समीप आम्रपाली कॉलोनी में भगवान श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होकर श्रद्धालुओं के लिए तैयार हो गया है। कॉलोनीवासियों की आस्था, समर्पण एवं सामूहिक सहयोग से निर्मित यह मंदिर अब क्षेत्र के लोगों के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। मंदिर निर्माण पूर्ण होने से कॉलोनीवासियों में अत्यंत हर्ष एवं उत्साह का वातावरण व्याप्त है।

आम्रपाली कॉलोनी भिलाई नगर निगम क्षेत्र की एक सुव्यवस्थित, शांत एवं सर्वसुविधायुक्त कॉलोनी है, जहां वर्तमान में लगभग 250 परिवार निवासरत हैं। कॉलोनी के निवासी वर्षों से आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द एवं एकता की भावना के साथ जीवनयापन करते आ रहे हैं। क्षेत्र में लंबे समय से एक सार्वजनिक एवं सुविधायुक्त श्री राम मंदिर की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, ताकि श्रद्धालुओं को धार्मिक आयोजनों एवं पूजा-अर्चना के लिए एक उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो सके। भगवान श्रीराम की कृपा एवं कॉलोनीवासियों के अथक सहयोग से यह बहुप्रतीक्षित सपना अब साकार हो गया है। श्री राम मंदिर का भव्य उद्घाटन एवं लोकार्पण समारोह 14 मई को बड़े हर्षोल्लास एवं धार्मिक बातावरण में आयोजित किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय एवं वैशाली नगर भिलाई के विधायक रिकेश सेन की उपस्थिति में मंदिर का विधिवत उद्घाटन संपन्न होगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। समिति अध्यक्ष पी.एस. सिंह ने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि उद्घाटन समारोह को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने हेतु सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत पूजा-अर्चना, हवन, धार्मिक अनुष्ठान एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं, नागरिकों एवं धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

शादी का झांसा देकर रेप, आरोपी बंदी

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी जयनाथ कोर्राम (23), चिपावंड, थाना कोंडागांव के खिलाफ पीड़िता ने 11 मई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

रिपोर्ट में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2021 से उसका आरोपी के साथ प्रेम संबंध था। आरोपी ने उससे शादी करने का आश्वासन देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2025 तक आरोपी शादी का भरोसा दिलाकर उसका शोषण करता रहा और बाद में शादी से इनकार कर दिया।

वाल्टेयर डिवीजन के डीआरएम बोहरा का बचेली दौरा, रेलवे रेस्ट रूम का उद्घाटन

बचेली, प्रतिदिन राजधानी

ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर रेल मंडल के डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) ललित बोहरा मंगलवार को दक्षिण बस्तर के बचेली पहुंचे। उनके साथ रेलवे के कई अधिकारी भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान रेलवे अधिकारियों ने रेल सुविधाओं और परियोजनाओं का निरीक्षण किया तथा रेलवे कर्मचारियों के लिए बनाए गए नए रेस्ट रूम का उद्घाटन किया।

डीआरएम के साथ डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (ऑपरेशन) शिवा नरेश पार्वथम, डिविजनल ऑपरेशन मैनेजर तन्मय मुखोपाध्याय, डीएसटीई दीपांशु शर्मा और डीईएन वेस्ट पी. रामनरासीमाचल भी मौजूद थे। एनएमडीसी बीआईओएम बचेली परियोजना के प्रमुख श्रीधर कोडाली और अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद अधिकारियों ने निक्षेप क्रमांक 5, 10 और 11 सहित खनन क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान रेलवे स्टेशन के पास रेलवे अधिकारियों और लोको पायलटों के लिए बनाए गए दो मंजिला रेस्ट रूम का उद्घाटन किया गया। भवन में 22 कमरे बनाए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया।

दोहरीकरण परियोजना 2026 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य

दौरे के दौरान 'छत्तीसगढ़' संवाददाता द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में डीआरएम ललित बोहरा ने कहा कि विशाखापट्टनम-किरंदुल रेल दोहरीकरण परियोजना का कार्य वर्ष 2026 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कुछ हिस्सों में अभी कार्य बाकी है।

भांसी और बचेली के बीच नेरली में निर्माणाधीन रेलवे पुल के संबंध में उन्होंने कहा कि पुल का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष पूरा होने की संभावना है।

पैसेंजर ट्रेनों के अनियमित संचालन को लेकर पूछे गए सवाल पर डीआरएम ने कहा कि दोहरीकरण कार्य के कारण कई बार ट्रेन संचालन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद ट्रेन सेवाओं को नियमित करने का प्रयास किया जाएगा।

गढ़चिरौली-बीजापुर-बचेली रेल लाइन परियोजना को लेकर पूछे गए सवाल पर डीआरएम ने कहा कि यह विषय उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। वहीं जगदलपुर-रावघाट रेल परियोजना के संबंध में उन्होंने कहा कि उसका कार्य भी रेलवे के लिए आवास और अन्य कहा कि उनके साथ वेलफेयर अधिकारी भी दौरे पर आए हैं और उन्होंने आवासीय क्षेत्रों का निरीक्षण किया है।

किराना दुकान से अवैध शराब जब्त, एक बंदी

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला आबकारी विभाग बीजापुर ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 18.72 बल्क लीटर नॉन ड्यूटी पेड विदेशी शराब जब्त की है। कार्रवाई शांतिनगर क्षेत्र में की गई, जहां एक किराना दुकान में अवैध रूप से शराब का विक्रय एवं भंडारण किया जा रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आबकारी आयुक्त एवं कलेक्टर बीजापुर के निर्देश पर आबकारी टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर छापेमार कार्रवाई की। जांच के दौरान आरोपी रामकांता मंडल के कब्जे से शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 18.72 बल्क लीटर बताई गई है।

जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 13 हजार 520 रुपये आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत, अधिकांश पेट्रोल पंप रहे सूखे

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिले में पिछले तीन दिनों से पेट्रोल और डीजल की किल्लत लगातार बनी हुई है। मंगलवार को भी जिला मुख्यालय कोण्डागांव में अधिकांश ईंधन केंद्र सूखे नजर आए, जिससे वाहन चालकों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जिले में हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं हो सका। केवल इंडियन ऑयल का दिनेश फ्यूल केंद्र सीमित मात्रा में ईंधन उपलब्ध करा रहा है। यहां दोपहिया वाहनों को अधिकतम 200 रुपये तक का पेट्रोल और डीजल वाहनों को अधिकतम 2,000 रुपये तक का डीजल दिया जा रहा है। ईंधन की कमी के कारण कई वाहन मालिक बिना पेट्रोल-डीजल भरवाए ही वापस लौटते दिखाई दिए। दिनेश फ्यूल केंद्र पर सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं और लोगों को तेज धूप में एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ा। मर्दापाल सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे उपभोक्ताओं ने बताया कि वे 30 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर केवल ईंधन भरवाने के लिए कोण्डागांव पहुंचे हैं।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर शुरु 225 से अधिक खिलाड़ी ले रहे प्रशिक्षण

सुकमा, प्रतिदिन राजधानी

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सुकमा द्वारा ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 मई से किया जा रहा है। यह शिविर 30 मई तक नियमित रूप से जारी रहेगा।

यह प्रशिक्षण शिविर मिनी स्टेडियम सुकमा में क्रिकेट एवं फुटबॉल, लाइवलीहुड कॉलेज सुकमा में योगा, फॉरेस्ट इनडोर स्टेडियम सुकमा में बैडमिंटन तथा छिंदगढ़ में कराते एवं हॉकी के लिए संचालित है। इस शिविर में विभिन्न वर्गों के 225 से अधिक प्रतिभागी विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर को सफलतापूर्वक संचालित करने हेतु अनुभवी प्रशिक्षकों की नियुक्ति की गई है। आशुतोष सिंह क्रिकेट एकेडमी रायपुर द्वारा क्रिकेट प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं भावेश रजक एवं दिव्यांशु सिंह द्वारा बैडमिंटन, बसंत जेना द्वारा कराते, योगिता नायक द्वारा हॉकी तथा राम नारायण मिश्रा द्वारा योग प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

समर कैम्प में निःशुल्क तैराकी

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक, समग्र शिक्षा जिला कोण्डागांव (छत्तीसगढ़) के आदेशानुसार जिले के छात्र-छात्राओं को नवीन अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। समर कैम्प का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक संवर्धन, कौशल निर्माण तथा उनके रचनात्मक एवं समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है।

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन समर कैम्प का आयोजन 1 मई से 25 मई तक किया जा रहा है। इसी क्रम में कनेरा रोड स्थित स्विमिंग पूल में बच्चों एवं खिलाड़ियों को निःशुल्क तैराकी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। समर कैम्प में महिला एवं पुरुष प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को तैराकी की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा के सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। नगर सेना के लाइफ गार्ड्स द्वारा स्विमिंग पूल परिसर में लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

समर कैम्प के माध्यम से बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहन मिल रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस प्रकार की गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, शुक्रवार, 15 मई 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

कोहली के टी-20 में सबसे तेज 14 हजार रन, 12वीं बार 400+ रन बनाए
विराट आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले प्लेयर भी बने.....

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में विराट कोहली ने कई रिकार्ड्स बना डाले। कोहली ने नाबाद 105 रन की पारी खेली। इसी के साथ वे टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 14 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली ने आईपीएल में 12वीं बार 400+ रन का आंकड़ा भी पार किया। वे लीग इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने।

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले प्लेयर

विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। आरसीबी के लिए खेलते हुए उन्होंने अपना 279वां मुकाबला खेला और महेंद्र सिंह धोनी व रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। धोनी और रोहित ने आईपीएल में 278-278 मैच खेले हैं। कोहली के नाम अब आईपीएल में 9000 से ज्यादा रन हो चुके हैं। उन्होंने 279 मैचों में 9 शतक और 66 फिफ्टी की मदद से 9145 रन बनाए हैं।

कोहली ने लगाया आईपीएल करियर का 9वां शतक

कोहली ने आईपीएल में अपना 9वां शतक जड़ दिया और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने के रिकॉर्ड को और मजबूत कर लिया। जोस बटलर 7 शतक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। कोहली ने टी-20 क्रिकेट में अपना 10वां शतक भी लगाया। इसके साथ ही वह सबसे ज्यादा टी-20 सेंचुरी लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में डेविड वॉर्नर की बराबरी पर पहुंच गए। क्रिस गेल 22 शतकों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे आगे हैं, जबकि बाबर आजम के नाम 13 सेंचुरी दर्ज हैं। कोहली ने रनचेज करते हुए आईपीएल में अपना तीसरा शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर की बराबरी कर ली। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा चेजिंग सेंचुरी अब बटलर और कोहली के नाम हैं। विराट कोहली आईपीएल में दो अलग-अलग टीमों के खिलाफ 2-2 शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने गुजरात लॉयंस और कोलकाता नाइट राइडर्स, दोनों के खिलाफ दो-दो सेंचुरी लगाई हैं।

कोहली सबसे तेज 14 हजार टी-20 रन बनाने वाले बल्लेबाज : कोहली ने टी-20 क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह सबसे कम पारियों में इस आंकड़े तक पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली ने यह उपलब्धि सिर्फ 409 पारियों में हासिल की। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 423 पारियों में 14 हजार टी-20 रन पूरे किए थे।

कोहली ने 12वीं बार किसी सीजन में 400+ रन बनाए : कोहली ने आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा सीजन में 400+ रन बनाने का रिकॉर्ड और मजबूत कर लिया। यह 12वां सीजन है, जब कोहली ने 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर 9 सीजन के साथ डेविड वॉर्नर हैं।

कोहली ने रोहित शर्मा की बराबरी की

कोहली ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। कोलकाता के खिलाफ मैच जिताऊ शतक लगाने के बाद कोहली को 21वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब उनके और रोहित शर्मा, दोनों के नाम आईपीएल में 21-21 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हो गए हैं। इस लिस्ट में महेंद्र सिंह धोनी 18 अवॉर्ड के साथ तीसरे, जबकि रवींद्र जडेजा और केएल राहुल 17-17 अवॉर्ड के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

पावरप्ले में कोलकाता ने इस सीजन 23 विकेट गंवाए

कोलकाता ने आईपीएल 2026 में पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट गंवाने वाली टीमों में दूसरा स्थान हासिल किया। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में 23 विकेट खोए हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस फेज में 24 विकेट लेकर दूसरी सबसे सफल गेंदबाजी टीम बनने का रिकॉर्ड बनाया।

कोलकाता की ओपनिंग जोड़ी रही फ्लॉप

कोलकाता के ओपनर्स इस सीजन लगातार संघर्ष करते नजर आए हैं। टीम की ओपनिंग साझेदारियों ने 11 पारियों में सिर्फ 248 रन जोड़े हैं, जो किसी भी टीम में सबसे कम हैं। इस दौरान कोलकाता को सिर्फ एक बार 50+ की ओपनिंग साझेदारी मिली।

भुवनेश्वर ने चहल की बराबरी की

भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में कोलकाता के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में युजवेंद्र चहल की बराबरी कर ली। दोनों गेंदबाजों के नाम अब 33-33 विकेट हो गए हैं।

अंगकृष ने फिफ्टी के बाद हार्ट सेलिब्रेशन किया

कोलकाता के बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने 14वें ओवर में शानदार अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने जैकब डफी की स्लोअर गेंद को लॉन्ग ऑफ की तरफ खेलकर एक रन लिया और 32 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की। यह इस सीजन उनकी चौथी फिफ्टी रही। अर्धशतक पूरा करने के बाद अंगकृष ने हार्ट बनाकर सेलिब्रेट किया।

आखिरी गेंद पर रनआउट हुए रघुवंशी

कोलकाता की पारी के 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर अंगकृष रघुवंशी रनआउट हो गए। भुवनेश्वर कुमार ने शानदार यॉर्कर डाली, जिस पर रिंकू सिंह सिर्फ एक रन ही ले सके। इसके बाद रघुवंशी ने दूसरा रन चुराने की कोशिश की, लेकिन डीप से देवदत्त पडिक्कल के शानदार थ्रो के सामने वह क्रीज तक नहीं पहुंच सके। डाइव लगाने के बावजूद रघुवंशी रनआउट हो गए। उन्होंने 46 गेंदों में 71 रन की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इसी रनआउट की वजह से रिंकू सिंह 49 रन पर नाबाद लौटे।

पहला रन बनाकर कोहली ने किया सेलिब्रेट

विराट कोहली ने पारी के पहले ओवर की आखिरी गेंद पर सिंगल लेकर अपना खाता खोला। पिछले दो मैचों में बिना रन बनाए आउट होने के बाद कोहली ने पहला रन बनाते ही सेलिब्रेशन किया।

बेथेल के आउट होने के बाद उनकी चैन गिरी

चौथे ओवर में कार्तिक त्यागी ने अपने दूसरे ही गेंद पर जैकब बेथेल को आउट कर दिया। शॉर्ट गेंद पर बेथेल पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से और हेलमेट से लगकर हवा में उछल गई। त्यागी ने आसान कैच लपक लिया। आउट होने के दौरान बेथेल की चेन भी गिर गई, जिसे बाद में देवदत्त पडिक्कल ने उठाकर उन्हें वापस दिया।

21 रन पर कोहली को मिला जीवनदान

छठे ओवर में विराट कोहली को 21 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला। कार्तिक त्यागी की गेंद पर कोहली ने ड्राइव शॉट खेला, लेकिन गेंद कवर पर खड़े पॉवेल के हाथों से निकल गई। पॉवेल ने दोनों हाथों से कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार गेंद हाथों से फिसल गई।

वैभव अरोड़ा ने छोड़ा पडिक्कल का आसान कैच

8वें ओवर में कोलकाता के तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा ने देवदत्त पडिक्कल का आसान कैच छोड़ दिया। कैमरन ग्रीन की स्लोअर बॉल पर पडिक्कल पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आई और डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर हवा में चली गई।

रजत के हेलमेट पर लगी तेज गेंद

14वें ओवर में कार्तिक त्यागी की तेज बाउंसर रजत पाटीदार के हेलमेट पर जा लगी। 141.4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली गेंद पर पाटीदार ने नजर हटा ली और गेंद उनके हेलमेट के पीछे लगी। इसके बाद फिजियो मैदान पर आए और उनका अनिवार्य कन्कशन टेस्ट किया गया। हालांकि राहत की बात रही कि पाटीदार पूरी तरह ठीक दिखे और मुस्कुराते हुए बल्लेबाजी जारी रखी।

वैभव को सही दिशा नहीं मिली तो वह टी20 में ही रह जाएगा : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईपीएल में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे वैभव सूर्यवंशी को अगर सही दिशा और मार्गदर्शन नहीं मिला तो वह केवल टी20 क्रिकेटर बनकर ही रह जायेंगे। डिविलियर्स के अनुसार वैभव में काफी क्षमताएं हैं पर आगे बढ़ने के लिए उसे अभी लंबा रास्ता तय करना होगा। वैभव ने इस आईपीएल सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 400 से अधिक रन बनाये हैं। डिविलियर्स ने स्वीकार किया कि वैभव में असाधारण प्रतिभा है पर इसके बाद भी उन्हें लगता है कि वह अन्य प्रारुपों विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में शायद ही टिक पाये। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि वह टिक पाएगा या नहीं। हम जानते हैं कि उसमें प्रतिभा है पर मैं उसे दूसरे प्रारुपों में भी देखना चाहूंगा। टेस्ट क्रिकेट में, उसे पता नहीं चलता कि आप किस चीज के लिए खेलने वाले हैं। डिविलियर्स का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट मानसिक और शारीरिक रूप से बिल्कुल अलग क्षेत्र है, जिसमें सफल होने के लिए एक खिलाड़ी को टी20 वाली मानसिक स्थिति से बाहर आना होता है। अभी 15 साल की उम्र में ही वैभव एक बड़े पोस्टर ब्वॉय बनकर उभरे हैं। इतनी कम उम्र में उन्होंने हर प्रारुप में पेशेवर स्तर पर क्रिकेट खेला है। अपनी लोकप्रियता में वह विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को भी टक्कर दे रहे हैं। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यूथ क्रिकेट में उन्होंने शतक लगाया है। इसके अलावा, आईपीएल में, जहां उन्होंने 20 से भी कम मैचों में तीन शतक लगाये हैं। वहीं आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 400 से अधिक रन बनाये हैं। डिविलियर्स मानते हैं कि इतनी प्रतिभा होने के बाद भी वैभव के लिए आगे का रास्ता चुनौतियों से भरा होगा। उन्होंने कहा, 'अगर वह एकदिवसीय विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में खेलना शुरू करता है, तो वह मानसिक और शारीरिक रुप से खेल का एक बिल्कुल अलग क्षेत्र तलाश कर लेगा।' डिविलियर्स का मानना है कि वैभव में अगले दो दशकों तक भारतीय क्रिकेट में एक बड़ी हस्ती बने रहने की क्षमता है, बशर्ते वह सही राह अपनाये।

बीबीएल में सिडनी थंडर के कोच बन सकते हैं एंड्रयू फ्लिंटॉफ : रिपोर्ट

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा संचालित टी20 लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) में इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को बड़ी जिम्मेदारी मिलने वाली है जिसकी घोषणा जल्द हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक एंड्रयू फ्लिंटॉफ सिडनी थंडर के कोच बनाए जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सिडनी थंडर के मुख्य कोच पद के लिए एंड्रयू फ्लिंटॉफ सबसे पसंदीदा उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं। फ्रेंचाइजी जल्द ही उनके नाम का आधिकारिक ऐलान कर सकती है। एंड्रयू फ्लिंटॉफ के पास यह पहला मौका है जब वह किसी विदेश लीग में कोच की भूमिका में नजर आएंगे। फ्लिंटॉफ ने पूर्व में करीब एक साल तक 'इंग्लैंड लायंस' टीम के साथ काम किया है। वह लायंस के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोचिंग टीम का भी हिस्सा थे। यह दौरा एशेज सीरीज़ के साथ ही चल रहा था। पूर्व ऑलराउंडर के पास 'द हंड्रेड' में 'नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स' के साथ कोच के रूप में काम करने का अनुभव है। उन्होंने 2024 से 2025 तक, दो सीजन के लिए इस टीम की कोचिंग की थी। उनके नेतृत्व में टीम क्रमशः चौथे और तीसरे स्थान पर रही थी। इसके अलावा, उनके पास ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टी20 क्रिकेट में खेलने का भी अनुभव है। फ्लिंटॉफ ने 2014-15 के बीबीएल सीजन में 'ब्रिस्बेन हीट' टीम का प्रतिनिधित्व किया था। यह उनके पेशेवर क्रिकेट करियर का आखिरी दौर साबित हुआ। हीट के लिए सात मैच खेलने के बाद उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। सिडनी थंडर ट्रेवर बेलिस की जगह मुख्य कोच की तलाश में है। बेलिस का फ्रेंचाइजी के साथ पांच साल का कार्यकाल था, लेकिन लीग के दौरान अच्छे परिणाम नहीं आने की वजह से बेलिस और सिडनी का करार समाप्त हो गया था। बेलिस ने 2024-25 सीजन में टीम को बीबीएल के फाइनल तक पहुंचाया था, लेकिन फ्रेंचाइजी को 2023-24 और 2025-26 सीजन में सबसे निचले पायदान पर भी रहना पड़ा था। 48 साल के एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने 1998 से 2009 के बीच इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट, 141 वनडे और 7 टेस्ट खेले। टेस्ट में 3,845 रन और 226 विकेट, वनडे में 3,394 रन और 169, और टी20 में 76 रन और 5 विकेट उनके नाम दर्ज हैं।

आईपीएल : पंजाब ने मुंबई को 201 रन का टारगेट दिया
प्रभमिसरन सिंह का अर्धशतक, शार्दूल ठाकुर ने 4 विकेट लिए

धर्मशाला। पंजाब किंग्स ने अभी खेले जा रहे आईपीएल मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 201 रन का टारगेट दिया है। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 200 रन बनाए। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह ओमरजई ने 17 गेंदों में 38 रन की विस्फोटक पारी खेली। आखिर में जेवियर बार्टलेट ने 7 गेंदों में नाबाद 18 रन जोड़कर टीम को 200 के पार पहुंचाया। मुंबई के लिए शार्दूल ठाकुर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 विकेट लिए। वहीं

दीपक चाहर को 2 विकेट मिले। शुरुआत में पंजाब ने तेज रन बनाए, लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। इसके बावजूद उमरजई और बार्टलेट की तेज पारियों ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर दीपक चाहर ने धीमी गेंद पर उमरजई की विस्फोटक पारी का अंत कर दिया। बड़े शॉट की कोशिश में उमरजई गेंद को सही तरीके से टाइम नहीं कर सके और लॉन्ग ऑन पर विल जौक्स ने आसान कैच पकड़ लिया। उमरजई ने सिर्फ 17 गेंदों में 38 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 4 छक्के शामिल रहे। शार्दूल ठाकुर का विकेट लेने का सिलसिला जारी है। उन्होंने क्रॉस-सीम गेंद पर मार्को यास को बोल्ड कर दिया। गेंद नीचे रही, जैनसन ने लाइन के पार बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन बाउंस को पूरी तरह पढ़ नहीं सके। गेंद बल्ले और पैड के बीच से निकलकर सीधे स्टंप्स से जा टकराई। कॉर्बिन बॉश ने धीमी क्रॉस-सीम गेंद पर शशांक सिंह को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। गेंद उम्मीद से धीमी रही और नीचे भी रही, जिससे शशांक शॉट खेलने से चूक गए। उन्होंने रिव्यू लिया, लेकिन अल्ट्राएज में बल्ले का कोई संपर्क नहीं मिला और बॉल ट्रैकिंग में तीनों रेड आए। शशांक ने 2 रन बनाए। 14वें ओवर की दूसरी बॉल पर शार्दूल ने सूर्यांश शेडगे को आउट कर पंजाब को मुश्किल में डाल दिया।

थाईलैंड ओपन : पीवी सिंधु, सात्विक-चिराग ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

बैंकॉक। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और थॉमस कप ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को यहां अपनी-अपनी दूसरी जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने डेनमार्क की शटलर अमाली शुल्ज को सिर्फ 28 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। इस टूर्नामेंट में सिंधु की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने पहले राउंड के मैच में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 21-9, 21-12 से हराया था। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से भिड़ेंगी। भारतीय स्टार ने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में जापानी खिलाड़ी पर 15-13 की बढ़त बनाई हुई है। दूसरी ओर, सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी ब्रायन जेरेमी गूनटिंग और मुहम्मद हाइकल को सीधे गेम में 21-12 और 21-19 से हराया। खास बात यह है कि

सात्विक और चिराग ड्रॉ में टॉप सीड वाले अकेले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में पिछली बार (2019, 2024) जीत हासिल की है। अब वे सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए छठी सीड वाली जापानी जोड़ी ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी से भिड़ेंगे। थॉमस कप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद टूर्नामेंट में शिरकत करने उतरी सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरवियनस्याह और बगास मौलाना के खिलाफ 21-19, 21-23, 21-10 से जीत दर्ज की थी। वहीं, ओपनिंग राउंड में, श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवें सीड लोह कीन यू को सीधे गेम में 21-14, 21-15 से हराया था। थॉमस कप में अपनी चोट से वापसी कर रहे लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 43 मिनट में 21-16, 21-17 से मात देते हुए टूर्नामेंट का आगाज किया है। देविका ने शुरुआती राउंड में जापान की एन. निदाइरा को हराया था, जबकि विश्व की 50वें नंबर की खिलाड़ी बंसोड़ झांग वेन यू (13-21, 26-24, 21-13) के खिलाफ एक उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में बाजी मारने में सफल रही थीं। हालांकि, विश्व के 48वें नंबर के खिलाड़ी अनमोल खार्ब का सफर बुधवार को पहले राउंड में ही खत्म हो गया, जब उन्हें वर्ल्ड नंबर 4 चेन यू फेई के खिलाफ एक घंटे दस मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-19, 13-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

नेशंस कप से पहले अभ्यास के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी वूमेंस नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों के लिए इसी माह ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी। वहीं टीम के कोच स्जोर्ड मारिजने के अनुसार अभ्यास मैचों से खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट से पहले हालातों के अनुसार ढ़लने में सहायता मिलेगी। वहीं हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में वहां की राष्ट्रीय टीम से चार मुकाबले खेलेगी। ये मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26, 27, 29 और 30 मई को आयोजित होंगे। इन मुकाबलों के जरिए भारतीय टीम अपनी

कमजोरियों को दूर रते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देगी। इसके अलावा टीम न्यूजीलैंड भी अभ्यास के लिए जाएगी। यहां भी टीम अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अर्जेंटीना दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। अर्जेंटीना दौरे से वापसी के बाद भारतीय महिला टीम ने बेंगलुरु स्थित साई शिविर में अभ्यास किया था। इस दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, पेनल्टी कॉर्नर और डिफेंस पर खास ध्यान दिया गया।

नीरज चोपड़ा का रोम डायमंड लीग में खेलना संदिग्ध...

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अगले माह रोम में होने वाले डायमंड लीग भाला फेंक टूर्नामेंट में शायद ही खेल पायें। इसका कारण है कि नीरज अब तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबर पाये हैं। इसी कारण 4 जून को इटली में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए शुरुआती सूची में नीरज का नाम शामिल नहीं है। नीरज अगर नहीं उतरते हैं तो ये प्रशंसकों के लिए निराशाजन होगा। नीरज पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से ही फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे। इसी कारण अभी वह तुर्की में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। अभी उनका लक्ष्य पूरी तरह से फिटनपेस हासिल करना है। वहीं भारत के ही युवा खिलाड़ी सचिन यादव इस टूर्नामेंट से डायमंड लीग में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। सचिन ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में नीरज के नहीं खेलने पर वह भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था और एक टूर्नामेंट में चौथा स्थान हासिल किया था।

सोफी की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न। सोफी मोलिनक्स की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम अगले माह इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप में उतरेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। अनुभवी तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को भी टीम में बनाये रखा है। इससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प मलिगा। हैमिल्टन पिछले साल आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी रही थीं। इस बार वह सात गेंदबाजी विकल्पों में से एक होंगी। वहीं हैरानी की बात ये है कि सीए ने, तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन को टीम में जगह नहीं दी है। अनुभवी खिलाड़ियों में एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ, एलिस पेरी और बेथ मूनी शामिल है। सीए के अनुसार टीम को इन खिलाड़ियों के लंबे अनुभव से लाभ मिलेगा। वहीं वेस्टइंडीज दौरे से बाहर रहीं ग्रेस हैरिस

की भी टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंड एनाबेल सदरलैंड की भी वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए जानी जाती है और इस बार भी उसके पास कई अच्छी खिलाड़ी हैं। गेंदबाजी इकाई में कप्तान मोलिनक्स के अलावा मेगन शुट्ट, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड, मैकग्राथ, पेरी, निकोला कैरी और लूसी हैमिल्टन शामिल हैं। निकोला कैरी के लिए यह 2020 के बाद पहला टी20 विश्व कप होगा। वह तीन साल राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में वापसी करने में सफल रही थीं। वहीं 2009 से ही लगातार खेल रही। एलिस पेरी इस संस्करण में अपने 50 टी20 विश्व कप मैच पूरे करेगी। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम के साथ रखा गया है।

विल्सन ने मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय पदार्पण किया था। इस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में रखा गया है। इसमें दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड जैसी टीमें हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपेन अभियान की शुरुआत 13 जून को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, शुक्रवार, 15 मई 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन दर्ज किया, ग्लोबल पार्टनरशिप्स को और मजबूत किया और ग्रोथ के अगले फेज के लिए अपने बोर्ड को मज़बूत किया

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही और वार्षिक वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। यह प्रदर्शन मुख्य व्यवसायों में स्टडी एक्सक्यूशन, बेहतर ऑपरेशंस, डिसिप्लाइंड कपस्ट मैनेजमेंट और डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल ग्रोथ ऑपर्च्यूनिटीज़ पर केंद्रित मजबूत बिज़नेस डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी के कारण संभव हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान, कंपनी ने अपने बोर्ड को मजबूत करके, ग्लोबल लीडरशिप क्षमता का विस्तार करके, इंटरनेशनल कोलाब्रेशन बढ़ाकर और एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक पहुंच बढ़ाकर, ग्रोथ के अगले स्तर पर ले जाने के लिए कदम उठाए है । श्री यासुयुकी इकेडा को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में पुनः नामित करना और श्री कंचेरला उमा महेश्वर राव को इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करना, ग्लोबल बिजनेस डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी-लेड एक्सपेंशन और मज़बूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर कंपनी के अधिक केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों के मुख्य विशेषताएं

- टोटल इनकम 231 करोड़ रही, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 34.97% की वृद्धि दर्ज की गई।
- एबिटडा 36 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26.0% अधिक है, और एबिटडा मार्जिन 15.4% रहा।
- प्रॉफिट बिफ़ोर टैक्स (पीबीटी) 28 करोड़ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 28.37% की वृद्धि दर्शाता है।
- प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 21 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26.33% अधिक है, और पैट मार्जिन 9.0% है।
- वित्त वर्ष 2026 के वित्तीय परिणामों की मुख्य विशेषताएं
- टोटल इनकम 793 करोड़ रही, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 26.7% की वृद्धि दर्ज की गई।
- एबिटडा 138 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15.22% अधिक है, और एबिटडा मार्जिन 17.4% रहा।
- प्रोफेक्ट बिफ़ोर टैक्स (पीबीटी) 111 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18.88% अधिक है।
- प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) 83 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20.61% अधिक है, और पीएटी मार्जिन 10.4% है।

डीपीआईआईटी की LEADS 2025 रैंकिंग में छत्तीसगढ़ को 'हाई परफॉर्मर' का दर्जा

रायपुर। लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब के रूप में उभर रहे छत्तीसगढ़ को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स 2025 रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ को लैंडलॉक्ड राज्यों की श्रेणी में 'हाई परफॉर्मर के रूप में मान्यता दी गई है। इस उपलब्धि के साथ छत्तीसगढ़ अब हरियाणा और तेलंगाना जैसे स्थापित औद्योगिक राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है। यह राज्य में लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक कनेक्टिविटी और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने की दिशा में हुई तेज प्रगति को दर्शाता है। LEADS फ्रेमवर्क राज्यों का मूल्यांकन लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, सेवाओं, नियामकीय वातावरण और सतत लॉजिस्टिक्स प्रथाओं जैसे प्रमुख मानकों पर करता है। छत्तीसगढ़ का 'हाई परफॉर्मर श्रेणी में शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि राज्य वस्तुओं की सुगम आवाजाही, औद्योगिक दक्षता बढ़ाने और निर्बाध सप्लाई चेन संचालन को सक्षम बनाने में तेजी से प्रतिस्पर्धी बन रहा है। पिछले कुछ वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने आधुनिक, एकीकृत और निवेश-अनुकूल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से कई सुधार और नीतिगत पहलें लागू की हैं। राज्य ने छत्तीसगढ़ स्टेट लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2025 तथा एक व्यापक एक्शन प्लान तैयार किया है, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना और पूरे राज्य में सप्लाई चेन दक्षता को मजबूत करना है। एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय के तहत लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर को 'उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिससे निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, रायपुर के लिए सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य माल परिवहन को सुगम बनाना, यातायात दबाव कम करना और योजनाबद्ध शहरी विस्तार को समर्थन देना है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत राज्य सरकार ने प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की योजना एवं मूल्यांकन के लिए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय एवं राज्य मास्टर प्लान पोर्टल के उपयोग को अनिवार्य किया है। साथ ही, परियोजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तेजी लाने के लिए भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण भी किया गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और मजबूत करने के लिए नियामकीय स्वीकृतियों को वनक्लिक सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से सरल बनाया गया है, जिससे तेज मंजूरी और निवेशकों को बेहतर सुविधा मिल रही है। राज्य ने एकीकृत, तकनीक संचालित और डेटा-आधारित लॉजिस्टिक्स योजना को बढ़ावा देने के लिए यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म को भी अपनाया है। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सचिव श्री रजत कुमार ने कहा, 'यह सम्मान सुशासन सुधारों, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और उद्योग अनुकूल वातावरण तैयार करने के प्रति छत्तीसगढ़ की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कुशल लॉजिस्टिक्स प्रणाली विकसित करने, औद्योगिक कनेक्टिविटी मजबूत करने और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए गतिशील नीतिगत समर्थन प्रदान करने की दिशा में राज्य के केंद्रित प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के भारत के केंद्र में एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और निवेश गंतव्य के रूप में उभरने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन एंटी-डोपिंग शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम 15 मई को

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य में स्वच्छ, निष्पक्ष एवं डोपिंग मुक्त खेल वातावरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन एंटी-डोपिंग शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम National Anti-Doping Agency India (NADA) के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल अधिकारियों एवं खेल संगठनों को डोपिंग के दुष्प्रभाव, प्रतिबंधित पदार्थों, एंटी-डोपिंग नियमों, परीक्षण प्रक्रिया तथा खिलाड़ियों की जिम्मेदारियों के संबंध में जागरूक करना है। ऑनलाइन जागरूकता सत्र का आयोजन दिनांक 15 मई 2026 को सायं 4:30 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल संघों, खेल अधिकारियों एवं संबंधित खेल संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

एमेजॉन द्वारा स्थापित द क्लाईमेट प्लेज ने सी40 शहरों के सहयोग से भारत में फ्रेट हाईवे का इलेक्ट्रिफिकेशन का ब्लूप्रिंट पेश किया

नई दिल्ली। एमेजॉन द्वारा स्थापित द क्लाईमेट प्लेज (टीसीपी) ने आज सी40 सिटीज (क्लाईमेट एक्शन पर काम करने वाले दुनिया के लगभग 100 शहरों के नेटवर्क) के सहयोग से फ्रेट ट्रांसपोर्ट को डीजल से जीरो एग्जॉस्ट एमिशन बैटरी इलेक्ट्रिक ट्रक्स में बदलने के लिए भारत का पहला प्रमाण आधारित रोडमैप पेश किया। नेशनल ई.वी हाईवे गाईडेंस फ्रेमवर्क में साल 2027 तक भारत के सबसे व्यस्त फ्रेट मार्गों को इलेक्ट्रिफाई करने के लिए एक चरणबद्ध प्लान की पेशकश की गई है, जिसकी शुरुआत भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा चुने गए 20प्राथमिक हाईवे से होगी। इसके बाद इसका विस्तार औद्योगिक केंद्रों एवं पोर्ट्स तक किया जाएगा और अंत में साल 2035 तक एक सुगम, ई.वी-रेडी नेशनल फ्रेट नेटवर्क स्थापित कर दिया जाएगा (''फ्रेमवर्क'')। यह फ्रेमवर्क महत्वपूर्ण क्यों है भारत में फ्रेट की मांग आने वाले सालों में काफी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है, जिसके कारण स्वच्छ ट्रांसपोर्ट विकल्पों की जरूरत बढ़ेगी। देश में 70प्रतिशत वस्तुओं का ट्रांसपोर्ट सड़कों के माध्यम से ही होता है। मीडियम और हैवी-ड्यूटी ट्रक सड़क पर मौजूद वाहनों के केवल 3 प्रतिशत हैं, पर पार्टिकुलेट एमिशन में इनका योगदान 53 प्रतिशत है। साल 2050 तक इनकी मांग चार गुना से अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में एमिशन को कम करने और एफिशियंसी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक फ्रेट का विस्तार महत्वपूर्ण है। इस फ्रेमवर्क में इलेक्ट्रिफिकेशन और सस्टेनेबल मोबिलिटी पर सरकार के जोर के अनुरूप व्यवहारिक तरीके सुझाए गए हैं, जिससे भारत को साल 2070 तक नेट-जीरो एमिशन का लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

डॉ. ओ. पी. अग्रवाल, डिस्टिंग्विश्ड फैलो, नीति आयोग ने कहा, ''स्वच्छ फ्रेट की ओर भारत के सफर के लिए सरकार और उद्योग के बीच मजबूत सहयोग की जरूरत होगी। आज लेनशिफ्ट प्रोग्राम के अंतर्गत लॉन्च किया गया ई.वी हाईवे गाईडेंस फ्रेमवर्क इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इससे देश में इलेक्ट्रिक ट्रकिंग के लिए एक व्यापक पाथवे बनाने में मदद मिलेगी। ई-फास्ट इंडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीति आयोग लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों, ओ.ई.एम, एनर्जी प्रोवाईडर्स और फाईनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को एक साथ ला रहा है, जिससे फ्रेट के इलेक्ट्रिफिकेशन का ईकोसिस्टम स्थापित करने में मदद मिलेगी। इन प्रयासों और सी40 सिटीज की पार्टनरशिप के साथ क्लाईमेट प्लेज और प्राईवेट सेक्टर के हितधारक, जैसे एमेजॉन और अशोक लेलैंड प्रदर्शित कर रहे हैं कि सहयोगपूर्वक काम करके किस प्रकार इलेक्ट्रिक फ्रेट को पायलट से बड़े स्तर पर उपयोग तक पहुँचाया जा सकता है।

बॉलीवुड समाचार

दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर बना रही पहचान

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। दिशा पाटनी की पहली इंटरनेशनल फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने काफी चर्चा बटोर ली है। यह फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया की कहानी पर आधारित है। 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की यह पहली कड़ी है। फिल्म की कहानी लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार की है। इसमें दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में संतुलन और नियम बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग विचारधारा और नई दिशा का समर्थन करता है। इसी टकराव के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सबसे अहम भूमिका में नजर आता है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी युवती के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी गुटों से है। वह दोनों पक्षों के नेताओं की बेटी है और इसी वजह से उसे दो दुनियाओं के बीच एक मजबूत कड़ी माना जाता है। कहानी में दुनिया का भविष्य उसके फैसलों पर निर्भर करता दिखाई देता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि जेसिका अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने और नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी असली पहचान खोजने और सही रास्ता चुनने की जिम्मेदारी भी है। ट्रेलर में दिशा पाटनी के कई दमदार एक्शन दृश्य देखने को मिलते हैं। वह तलवारबाजी से लेकर रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करती नजर आती हैं। उनके एक्शन सीक्वेंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत मानी जा रही है। दिशा पाटनी के साथ हॉलीवुड अभिनेता केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। दिशा पाटनी ने फिल्म को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि पहली इंटरनेशनल फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

इंस्पेक्टर अविनाश में आंतरिक भावनाओं की जरूरत : उर्वशी रौतेला

वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के नए सीजन में पूनम मिश्रा के दमदार किरदार में बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला पुनः वापसी कर रही हैं। उर्वशी ने अपने किरदार और अभिनय के दृष्टिकोण को लेकर कुछ बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनकी सार्वजनिक छवि हमेशा ग्लैमर और बाहरी सुंदरता से जुड़ी रही है, लेकिन इंस्पेक्टर अविनाश जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे और चमक-धमक से कहीं अधिक सच्ची और आंतरिक भावनाओं की जरूरत होती है। मीडिया से चर्चा में उर्वशी ने खुलासा किया कि एक कलाकार के रूप में वास्तविक रूप से आगे बढ़ने और अपने काम को निखारने के लिए परफॉर्मेंस वैनिटी यानी हर फ्रेम में एकदम परफेक्ट और खूबसूरत दिखने की सोच को त्यागना बेहद आवश्यक होता है। उन्होंने स्पष्ट किया, लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर अभिव्यक्ति और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि वर्षों से ग्लैमरस रही है। लेकिन इंस्पेक्टर अविनाश जैसे गंभीर और यथार्थवादी प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी और सच्चाई की मांग करते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पूनम मिश्रा के इस किरदार को निभाने के लिए, उन्होंने खुद को वर्तमान क्षण में अधिक प्रेजेंट रखने पर ध्यान केंद्रित किया। उर्वशी ने कहा, असल जिंदगी में जब लोग किसी मुश्किल या दर्दनाक हालात से गुजर रहे होते हैं, तो वे यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे केवल उस स्थिति पर प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, उन हालातों से जूझ रहे होते हैं, और अपनी भावनाओं को गहराई से महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना और उसे अपनी प्रस्तुति में उतारना मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उर्वशी ने यह भी बताया कि संयमित अभिनय, यानी कम शब्दों, शांत शारीरिक भाषा और नियंत्रित भावों के जरिए गहरी भावनाएं व्यक्त करना, अक्सर अधिक नाटकीय अभिनय से कहीं ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं दिखाने के लिए एक अलग तरह के आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति की आवश्यकता होती है। कई बार, अपनी भावनाओं को कम करके या दबी हुई स्थिति में सच दिखाना, अति-नाटकीय प्रदर्शन से भी अधिक चुनौतीपूर्ण होता है और उसका प्रभाव भी गहरा होता है। उर्वशी ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा कि, एक कलाकार के तौर पर, यह उनके लिए यकीनन आजादी देने वाला अनुभव था, क्योंकि इसने मुझे हर पल अपनी छवि बनाए रखने के दबाव के बिना, अपनी भावनाओं को पूरी सच्चाई और ईमानदारी से दिखाने का मौका दिया। यह उनके अभिनय करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो रहा है, जहां वे अपनी ग्लैमरस छवि से हटकर, अधिक गंभीर और संवेदनशील किरदारों में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। बता दें कि इंस्पेक्टर अविनाश पहली बार साल 2023 में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों से खूब सराहना मिली थी। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं।

एक्टर को खाने से मना किया तो निर्माता पर भड़क उठे अक्षय खन्ना

बॉलीवुड के सबसे गंभीर और खामोश मिजाज अभिनेताओं में शुमार अक्षय खन्ना इन दिनों अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर की सफलता का आनंद ले रहे हैं। दिग्गज अभिनेता अमित बहल ने एक साक्षात्कार में अक्षय खन्ना से जुड़ा एक बेहद भावुक और प्रेरक किस्सा साझा किया। बहल के मुताबिक, एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके साथ काम कर रहे एक चरित्र अभिनेता लंच के लिए उस होटल में आए थे जहाँ अक्षय रुके हुए थे। वह कलाकार किसी अन्य होटल में ठहरे थे। जैसे ही उन्होंने भोजन का पहला निवाला उठाना चाहा, प्रोडक्शन टीम के एक सदस्य ने उन्हें यह कहते हुए रोक दिया कि जो कलाकार इस होटल में नहीं रुका है, वह यहाँ का खाना नहीं खा सकता। बताया जाता है कि यह आपत्ति निर्माता की पत्नी या किसी करीबी रिश्तेदार की ओर से आई थी। अपमानित महसूस कर रहे उस कलाकार ने चुपचाप अपनी प्लेट रख दी और किनारे जाकर बैठ गए। अक्षय खन्ना दूर खड़े यह सब देख रहे थे। आमतौर पर सेट पर अपने काम से काम रखने वाले और बेहद शांत रहने वाले अक्षय का गुस्सा उस दिन ज्वालामुखी की तरह फूट पड़ा। वे तुरंत बीच-बचाव में आए और पूरी यूनिट के सामने भूख और इंसानियत पर एक ऐसी बात कही जिसे सुनकर सबकी बोलती बंद हो गई। अमित बहल ने बताया कि अक्षय उस दिन भारी गुस्से में थे। उन्होंने निर्माता और क्रू मेंबर्स को आड़े हाथों लेते हुए खरी-खोटी सुनाई। अक्षय ने गरजते हुए कहा कि कोई भी फिल्म इस बात से सफल नहीं होती कि आपने कितनी प्लेटें बचाईं या राशन का कितना हिसाब रखा, बल्कि फिल्म लोगों के आशीर्वाद और दुआओं से बनती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूख का अपमान करने वाले लोग कभी सफल नहीं हो सकते। अक्षय का यह निर्भीक और मानवीय पक्ष देखकर सेट पर मौजूद हर शख्स हैरान था। यह वाकया साबित करता है कि पर्दे पर नकारात्मक भूमिकाएं निभाने वाला यह कलाकार असल जिंदगी में सिद्धांतों और नैतिकता से कभी समझौता नहीं करता। बता दें कि फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत के खूंखार विलेन के रूप में अक्षय खन्ना की अदाकारी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। लेकिन अभिनय की बारीकियों के अलावा अक्षय अपनी उस इंसानियत के लिए भी जाने जाते हैं, जिसकी झलक ग्लैमर की दुनिया में कम ही देखने को मिलती है। हाल ही में उनके एक पुराने सहयोगी ने अक्षय खन्ना के उस रूप का खुलासा किया है, जब उन्होंने एक साथी कलाकार के सम्मान के लिए पूरी प्रोडक्शन टीम और निर्माता की क्लास लगा दी थी।

मातृत्व अनुभव को सांझा करते हुए रोने लगी कियारा आडवाणी

हाल ही में कियारा अपने मातृत्व अनुभव और पोस्टपार्टम के बाद के दौर पर खुलकर बात करने के लिए सुर्खियों में हैं। उन्होंने एक पॉडकास्ट में शिरकत की, जहाँ उन्होंने मां बनने के बाद एक महिला के जीवन में आने वाले गहरे बदलावों को साझा किया। कियारा ने बताया कि ये बदलाव केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक और मानसिक स्तर पर भी होते हैं, जो एक महिला के पूरे अस्तित्व को नया आयाम देते हैं। यह मां बनने के बाद कियारा का पहला पॉडकास्ट था, जिसमें उन्होंने अपनी मदरहुड यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। इस पॉडकास्ट की एक क्लिप तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें कियारा इंटरव्यू के दौरान भावुक होकर रोने लगती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि मां बनने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने मातृत्व को एक ऐसा अनुभव बताया जिसने उनकी सोच, भावनाओं और पहचान तक को नया आयाम दिया है। कियारा के अनुसार, यह सिर्फ एक भूमिका नहीं, बल्कि स्वयं को नए सिरे से परिभाषित करने का सफर है। अपने पोस्टपार्टम दौर को याद करते हुए, कियारा ने बताया, 'मां बनने के बाद जिंदगी बिल्कुल एक नई दुनिया जैसी हो जाती है।' उन्होंने साझा किया कि बेटी के जन्म के करीब छह महीने बाद उन्होंने पहली बार खुद के इमोशंस और मानसिक स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देना शुरू किया। कियारा ने स्वीकार किया कि वह अपनी जिंदगी में हमेशा दूसरों को प्राथमिकता देती आई थीं, लेकिन मातृत्व ने उन्हें खुद से फिर से जुड़ने और अपनी भावनाओं को गहराई से समझने का महत्वपूर्ण अवसर दिया है।

यह उनके लिए आत्म-खोज और व्यक्तिगत विकास का एक अनमोल समय साबित हुआ है। इस मुश्किल और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण समय में, अभिनेत्री ने अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा की अटूट मदद और समर्थन की भी सराहना की। कियारा ने बताया कि सिद्धार्थ अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद देर रात उनसे मिलने पहुंच जाते थे। बेटी के जन्म के बाद, वह अक्सर छोटी-छोटी बातों पर भावुक हो जाती थीं, तब सिद्धार्थ उन्हें हर रात ड्राइव पर ले जाते थे ताकि उनका मन हल्का हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि जब सिद्धार्थ अपनी फिल्मों के प्रमोशन में व्यस्त थे, तब कियारा का मन उनसे दूर नहीं लग रहा था।

सोनी सब के यादें में अपने किरदार पर बोलते हुए डेलनाज ईरानी ने कहा- चांदनी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह ड्रामेटिक, ग्लैमरस, इमोशनल और नाजुक एक साथ है

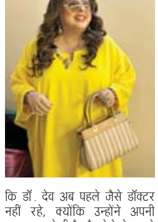

मुंबई। सोनी सब का शो यादें अपनी भावनात्मक कहानी और गहराई से बुने किरदारों के सफर के साथ दर्शकों को लगातार जोड़े हुए है। चल रही कहानी में एक नया दिलचस्प मोड़ जोड़ते हुए, अनुभवी अभिनेत्री डेलनाज ईरानी शो में खास भूमिका निभाने जा रही हैं। अपनी यादगार परफॉर्मेंस और जीवंत स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर डेलनाज ईरानी का 'चांदनी' के रूप में शो में आना कहानी को एक नया आयाम देने वाला है। कभी लाखों लोगों की चहेती रही चांदनी आज भी अपने ग्लैमर, शोहरत और चाहने वालों की दुनिया में जीती है। लेकिन, उसकी जिंदगी तब अप्रत्याशित मोड़ ले लेती है, जब वह अस्पताल में मरीज बनकर आती है और जिद करती है कि उसका इलाज सिर्फ डॉ. देव करें, वही डॉक्टर जिस पर वह कभी पूरी तरह भरोसा करती थी। लेकिन, चांदनी को यह नहीं पता कि डॉ. देव अब पहले जैसे डॉक्टर नहीं रहे, क्योंकि उन्होंने अपनी याददाश्त खो दी है और पेशे से दूर हो गए हैं। उनकी एंट्री शो में भावनात्मक टकराव, छुपे हुए सच और डॉ. देव के लिए चुनौतीपूर्ण हालात लेकर आती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, डेलनाज ईरानी ने कहा, 'चांदनी के बारे में मुझे सबसे ज़्यादा यह पसंद है कि वह ड्रामेटिक, ग्लैमरस, इमोशनल और नाजुक एक साथ है। उसे लगता है कि वह अब भी वही सुपरस्टार है, जिससे हर कोई दीवाना है और यही उसे एक तरफ मनोरंजक और दूसरी तरफ़ दिल तोड़ने वाला बनाता है। इक़बाल खान के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास है। वह उन कलाकारों में से हैं, जो बेहद सहज और ईमानदार परफॉर्मर हैं और हर सीन में सच्चाई लेकर आते हैं। शो में हमारे बीच कई इंटेंस सीन हैं, लेकिन कैमरे के पीछे हम अक्सर हँसते रहते हैं। इस शो का हिस्सा बनना शानदार है और मुझे लगता है कि दर्शक डॉ. देव और चांदनी के बीच की केमिस्ट्री को खूब पसंद करेंगे।'

सोनी सब पर देखें यादें, हर सोमवार से शनिवार रात 8:00 बजे।

सांसद रूपकुमारी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में महिला चेम्बर ने 'उदया' कार्यक्रम में नारी शक्ति का किया सम्मान, डिजिटल युग में व्यापार की उड़ान पर हुई विशेष चर्चा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

13 मई, 2026 को महिला चैम्बर द्वारा वात्सल्य से उदित– उदया थीम के अंतर्गत एक गरिमामय और प्रेरणादायक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। महिला चैम्बर द्वारा आयोजित वात्सल्य से उदित– उदया कार्यक्रम में आज नारी शक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और विशिष्ट अतिथि के रूप में चैम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी उपस्थित रहे। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ‍‍ぱडिजिटल पे पहचान, बिज़नेस की उड़ान के मंत्र को साकार करना था, जिसमें बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों ने हिस्सा लिया तथा नवीन जानकारियां प्राप्त कर लाभान्वित हुए।

लोकसभा सांसद माननीया रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्षरता अब केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है, जिससे छोटे व्यवसायों को वैश्विक पहचान मिल सकती है। उन्होंने सम्मानित होने वाली 10 जांबाज महिलाओं के संघर्ष को प्रेरणादायक बताते हुए महिला चैम्बर के इस प्रयास की सराहना की।

महिला चेम्बर अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता ने कहा कि 'उदया' के माध्यम से हम महिलाओं को न केवल डिजिटल साक्षर बनाना चाहते हैं, बल्कि उन्हें एक ऐसा मंच देना चाहते हैं जहाँ उनके हुनर को सही पहचान मिल सके। डॉ. इला गुप्ता ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और श्री सतीश थौरानी जी के निरंतर सहयोग के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

इस कार्यक्रम में हमारी एक प्यारी बिटिया रीति द्वारा शानदार कत्थक परफॉर्मेंस दी गई जिससे उसने पूरे हॉल का मन मोह लिया और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए डॉ. इला गुप्ता ने उस नन्ही कलाकार के उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध उद्यमी और डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ निमिषा सिंह, संस्थापक – LIME-Lets Get Social उपस्थित रहीं। उन्होंने तकनीकी सत्र में महिलाओं को संबोधित करते हुए डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। श्रीमती सिंह ने महिला उद्यमियों को बताया कि कैसे वे डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया का सही उपयोग कर अपने छोटे व्यवसाय को एक बड़े ब्रांड में बदल सकती हैं। उन्होंने डिजिटल पेमेंट के सुरक्षित तरीकों और साइबर क्राइम से बचाव हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। उनकी प्रेरक बातों और व्यावसायिक अनुभवों ने उपस्थित महिलाओं में नया आत्मविश्वास भरा।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं का आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना अनिवार्य है और डिजिटल माध्यम इसमें सबसे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सम्मानित होने वाली महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में उनका संघर्ष समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का पुंज है।

महिला चेम्बर को बधाई देते हुए थौरानी ने कहा कि, महिला चेम्बर न केवल व्यापार बल्कि समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त कर रही हैं। आज का यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि उन सभी प्रयासों का सम्मान है जो हम सब मिलकर एक मजबूत औद्योगिक और व्यापारिक वातावरण बनाने के लिए कर रहे हैं। जिस तरह एक माँ धैर्य और समर्पण से परिवार का सृजन करती है, ठीक उसी प्रकार आप सभी उद्यमी महिलाएं अपने व्यापार और टीम का सृजन कर रही हैं। एक सफल व्यापारी होने के साथ–साथ महिलाएं समाज की मार्गदर्शक भी हैं।

कार्यक्रम में उन 10 जांबाज महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने जीवन की अत्यंत कठिन और विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए अपनी हिम्मत और सतत परिश्रम से सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। महिला चेम्बर ने इन नारी शक्तियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनकी अदम्य जिजीविषा का अभिनंदन किया। इसके साथ ही, मातृत्व की भावना को समर्पित एक विशेष सत्र का भी आयोजन हुआ, जिसमें समाज निर्माण में माताओं के योगदान को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में सम्मानित हुए महिलाओं का संघर्ष ही स्वयं में एक प्रेरणा स्त्रोत है जो निम्नानुसार है:-

1. देविंदर कौर गुरुदत्ता:– प्रॉपर्टी विवाद में पति को खोने के बाद देविंदर जी ने 11 साल तक एक खंडहर में बिना सुविधाओं के बिताए। बच्चों के भविष्य के लिए उन्होंने एक छोटी सी दुकान (STD/PCO) से शुरुआत की और कानूनी लड़ाई लड़ते हुए अपने बच्चों को सफल बनाया। आज उनका संघर्ष और जीत समाज के लिए एक बड़ी मिसाल है।

2. मधु अरोड़ा:– दिल्ली से रायपुर आकर बसी मधु जी ने तकनीक को अपना हथियार बनाया और 'सरस्वती पाइप्स' के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। वे वर्तमान में CAIT (Confederation of All India Traders) की अध्यक्ष और नेशनल को–ऑर्डिनेटर हैं। व्यापारिक जगत में उनका नेतृत्व नारी शक्ति की मजबूती को दर्शाता है।

3. सीमा पांडेय:–एक शासकीय शिक्षिका के रूप में सीमा जी ने न केवल अपने पेशे को बखूबी निभाया, बल्कि 15 वर्षों तक पति के गंभीर स्वास्थ्य संकट के दौरान परिवार की ढाल बनी रहीं। उन्होंने अपनी दोनों बेटियों को इस तरह संस्कारित किया कि वे आज स्वयं की एकेडमी और फिटनेस सेंटर का सफल संचालन कर रही हैं।

4. सरोजनी पाणिग्रही:–वर्ष 2007 में सड़क हादसे में पति के निधन के बाद, सरोजनी जी ने निडर होकर पुरुषों के वर्चस्व वाले मैकेनिकल इंजीनियरिंग और फेब्रिकेशन के क्षेत्र में कदम रखा। बिना तकनीकी ज्ञान के शुरुआत कर उन्होंने 'सरोज इंडस्ट्रीज' खड़ी की और आज दो इंडस्ट्रियल यूनिट्स की सफल संचालिका हैं।

5. सोमा घोष:–मात्र 29 साल की उम्र में पति को खोने वाली सोमा जी ने एक गृहणी से एक सफल 'फाइनेंशियल प्लानर' बनने तक का कठिन सफर तय किया। चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कार चलाना सीखा और LIC सेक्टर में अपनी साख जमाई। आज वे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों (USA, ऑस्ट्रेलिया) में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं।

6. सोनिया साहू:–सोनिया जी व्यापारिक और राजनीतिक दोनों क्षेत्रों में सक्रिय नेतृत्व कर रही हैं। वे छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स की उपाध्यक्ष होने के साथ–साथ सामाजिक संगठनों में भी महत्वपूर्ण पदों पर हैं। उनकी प्राथमिकता अपनी बेटियों को उच्च शिक्षित बनाना रही है, जिनमें से एक आज प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में कार्यरत है।

7. दुर्गेश नंदिनी वर्मा:– विवाह के मात्र चार साल बाद पति के देहांत ने दुर्गेश जी के जीवन में गहरा संकट पैदा किया, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वन विभाग में लिपिक के पद पर कार्य करते हुए उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की और बेटे को भी उच्च शिक्षा दिलाई। उनका बेटा आज स्वास्थ्य क्षेत्र में एक सफल ऑपरेशन्स हेड के रूप में कार्यरत है।

8. जया (बुज्जी नानी टॉयज):–जया जी की माँ ने अपने क्रॉशे (Crochet) के हुनर को 'बुज्जी नानी टॉयज' के रूप में एक सफल व्यवसाय में बदलकर 70 अन्य महिलाओं को रोजगार दिया। उनके अटूट सहयोग के कारण ही उनकी बेटियाँ और बेटा आज विभिन्न क्षेत्रों (UPSC, IT और बिजनेस) में सफलता के शिखर की ओर बढ़ रहे हैं।

9. इंदिरा जैन (राजेश पब्लिसिटी):–पति के आकस्मिक निधन के बाद इंदिरा जी ने पुरुष प्रधान विज्ञापन जगत में 'राजेश पब्लिसिटी' की कमान संभाली और प्रदेश की प्रथम महिला एडवर्टाइज़र बनीं। उन्होंने व्यापार के साथ–साथ सामाजिक सेवा (दिव्यांग कल्याण) और परिवार में ऐसा संतुलन बनाया कि आज उनके बच्चे सुप्रीम कोर्ट और बिजनेस में प्रतिष्ठित हैं।

10. इंद्रा करन राजपूत:–किसान परिवार में जन्मी इंद्रा जी की शादी मात्र 9वीं कक्षा के बाद हो गई थी। पति के कैंसर से निधन के बाद बिना छत और जमापूंजी के उन्होंने 'लाडो बुटिक' की शुरुआत की और कभी–कभी दुकान में ही सोकर दिन–रात मेहनत की। उनके इसी संघर्ष का फल है कि आज उनके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर उनका मान बढ़ा रहे हैं।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से महिलाओं की शंकाओं का समाधान किया गया। अंत में, महिला चेम्बर द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी जी का विशेष अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज और नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ, जहाँ उपस्थित सदस्यों ने व्यावसायिक अनुभवों को साझा किया।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, सलाहकार तिलोकचंद बरडिया, वाईस चेयरमेन चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राधा किशन सुन्दरानी, राजेश वासवानी, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन दिलीप इसरानी, जीतेन्द्र शादिजा, प्रकाश लालवानी, अजय जैसिंघानी, सोनिया साहू, मंत्री पंकज छिजवानी, महिला चेम्बर अध्यक्ष– डॉ. इला गुप्ता, महामंत्री– मनीषा तारवानी, कोषाध्यक्ष– नम्रता श्रीकांत अग्रवाल, संरक्षक– मीनाक्षी टुटेजा, सलाहकार आभा मिश्रा, वित्तीय सलाहकार सोमा घोष, हेमल बेन शाह, उपाध्यक्ष सुनीला अग्रवाल, कांता धीमान, इंदिरा जैन, संपादक मीडिया प्रभारी–सुनीता पाठक, यूथ प्रभारी– सुनिधि पांडे, प्रबंधक मनीषा सिंह, जन शिक्षण संसथान से वसुंधरा पाल, गायत्री श्रीनिवास, अदिति नाग, अनामिका, भानु जैन, शालू चौरे, श्रीमती धीमान, आइटीएम युनिवर्सिटी से डॉ. गुंजन मिश्रा, मोह. फैज़ल खान, सदस्य मधु अरोरा, ज्योति दरिया, निलम वर्मा, निरूपा ज़वेरी, शिला शर्मा, जया यादव, बुज्जी नानी, रमनम्मा, मधु आठवानी, सुचित्रा श्रीनाथ, साधना चटर्जी, पूजा घोष, राधिका तिवारी, सोनिया शांडिल्य, लक्ष्मी मूर्ति, इंदिरा करण राजपूत, सुमन दुग्गड़, सलोनी दुग्गड़, संचिता, इशिका साहू, कविता मारा, मीनाक्षी टुटेजा, इंदरानी खन्ना, नंदिनी वर्मा, सुनीता अग्रवाल, निलम, दिवकृति, अन्नू अरोरा, सविता मौर्य, देवयानी पाण्डेय, सीमा पण्डे, मालती महुआ,गोपाल के अग्रवाल, डिम्पल खट्टर, रितिलाल, सुचिता बघेल, राधेश्याम बघेल, कांता बघेल, सहित बड़ी संख्या में चेम्बर पदाधिकरिगण एवं व्यपरिगण उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार में गांव-गांव पहुंच रहीं सुविधाएं, हितग्राहियों को बांटी गई सामग्री

बलरामपुर। सुशासन तिहार–2026 के तहत विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम डिण्डो और शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत बेलकोना में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और शासन की विभिन्न योजनाओं से जुड़ी समस्याओं एवं मांगों के आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में लगाए गए विभागीय स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई और लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। डिण्डो शिविर में कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 20 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

इस दौरान हितग्राहियों को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, नई पहल कीट तथा कृषि विभाग की ओर से फसल की दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। शिविर में आधार सुधार, नया आधार पंजीयन, श्रम पंजीयन और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे ग्रामीणों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली। ग्रामीणों ने गांव स्तर पर आयोजित शिविर की सराहना करते हुए इसे समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बताया।

जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सुकमा (छ.ग.)

Email ID- dplc.sukma@gmail.com

क्रमांक /449 /रूचि. अभि/DPLCS/2026–27 सुकमा, दिनांक 11/05/2026

// रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest - EOI) //

जिला प्रशासन सुकमा द्वारा, जनजातीय समुदाय के पारंपरिक बांस शिल्प कौशल को आधुनिक बाजार से जोड़ने हेतु 02 माह का सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसके लिए सक्षम और अनुभवी तकनीकी संस्थाओं / NGO से 'रुचि की अभिव्यक्ति' (EOI) दिनांक 01 /06/2026 सायं 3:00 बजे तक निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी हेतु जिले के वेबसाईट www.sukma.gov.in अथवा कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है।

नोडल अधिकारी
जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सुकमा
जिला – सुकमा (छ.ग.)

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर-1, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
मत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर Website: www.maaadagency.com मो. 78691-87165

डीएमएफ से 150 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना मंजूर

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) शासी परिषद की बैठक मंगलवार को कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में मंथन सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 150 करोड़ रुपए की नई वार्षिक कार्ययोजना को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। बैठक में जिले के विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा के बाद उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में विधायक धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया और अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल तथा एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नई कार्ययोजना में शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है। शिक्षा क्षेत्र के लिए 31 करोड़ 64 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। इस राशि से कॉलेजों और शैक्षणिक केंद्रों में शेड निर्माण, स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष और अन्य आवश्यक अधोसंरचना तैयार की जाएगी। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए 16 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

जिले में पेयजल सुविधाओं के विस्तार और सुधार के लिए 5 करोड़ 60 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। महिला एवं बाल विकास योजनाओं के लिए 6 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण कार्यों के लिए 11 करोड़ रुपए, वृद्धजन और दिव्यांग कल्याण योजनाओं के लिए 10 करोड़ 35 लाख रुपए तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए 8 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

बैठक में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को भी स्वीकृति मिली। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक 'सियान सदन' स्थापित किया जाएगा, जहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए पुलिस विभाग को तीन एंबुलेंस उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। शहर के घनी आबादी वाले गोल बाजार और नेहरू चौक से कोर्ट परिसर तक भूमिगत विद्युत व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके साथ ही मल्हार मंदिर परिसर में शेड निर्माण, पुलिस ग्राउंड के मुख्य मंच का जीर्णोद्धार, मंगला, तिफरा, उसलापुर और बहतराई में मुक्तिधामों का विकास तथा सभी विकासखंडों की चयनित ग्राम पंचायतों में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित करने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू बनाने के लिए हाइड्रा वाहनों की खरीदी का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में शामिल जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने डीएमएफ राशि का उपयोग जनहित और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में प्राथमिकता के साथ करने पर जोर दिया।

कालिंदी उद्योग के भूजल दोहन के चलते मस्तूरी में पानी का संकट

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

मस्तूरी ब्लॉक के बेलपान गांव में पानी के गंभीर संकट को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को आयोजित जनदर्शन में प्रशासन के सामने अपनी पीड़ा रखी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में स्थापित कालिंदी स्टील उद्योग द्वारा भूजल का अत्यधिक दोहन किए जाने से गांव में जलस्तर तेजी से नीचे चला गया है और लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि उद्योग प्रबंधन ने पहले शिवनाथ नदी से पानी लेने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब बोरवेल और पाइपलाइन के जरिए लगातार भूजल निकाला जा रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की, जिस पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच के निर्देश दिए।

जनदर्शन में कलेक्टर से शिकायत

जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिलेभर से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी गईं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आम नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे और जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल भी मौजूद रहे।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, भूमि सीमांकन, महतारी वंदन योजना और दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से जुड़े बड़ी संख्या में आवेदन पहुंचे। मस्तूरी ब्लॉक के पोड़ी गांव के किसानों ने बांधा जलाशय चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहित निजी जमीन का मुआवजा डेढ़ दशक बाद भी नहीं मिलने की शिकायत की। लगभग 40 किसानों का भुगतान लंबित बताया गया। इस मामले में कलेक्टर ने आवेदन भू-अभिलेख शाखा को भेजते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जरहाभाठा निवासी अमीना बेगम ने जनदर्शन में पहुंचकर बताया कि जीवित होने के बावजूद नगर निगम ने उन्हें मृत घोषित कर निराश्रित पेंशन बंद कर दी है। मामले को गंभीर मानते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक को जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वहीं जिले की विभिन्न शराब दुकानों में तैनात लगभग 150 सुरक्षा गार्ड भी जनदर्शन पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो महीनों से उन्हें वेतन नहीं मिला है। सुरक्षा गार्डों ने यह भी कहा कि तय समय से अधिक ड्यूटी लेने के बावजूद उन्हें ओवरटाइम राशि और नियमित भुगतान समय पर नहीं दिया जा रहा। इस पर कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लमेर गांव के युवा किसान भाग्योदय ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक अपनाने की इच्छा जताते हुए कृषि ड्रोन पायलट प्रशिक्षण और ड्रोन खरीद के लिए अनुदान उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने गांव में स्वरोजगार शुरू करने की योजना प्रशासन के सामने रखी ।ए।

जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिलेभर से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी गईं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आम नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे और जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल भी मौजूद रहे।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, भूमि सीमांकन, महतारी वंदन योजना और दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से जुड़े बड़ी संख्या में आवेदन पहुंचे। मस्तूरी ब्लॉक के पोड़ी गांव के किसानों ने बांधा जलाशय चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहित निजी जमीन का मुआवजा डेढ़ दशक बाद भी नहीं मिलने की शिकायत की। लगभग 40 किसानों का भुगतान लंबित बताया गया। इस मामले में कलेक्टर ने आवेदन भू-अभिलेख शाखा को भेजते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जरहाभाठा निवासी अमीना बेगम ने जनदर्शन में पहुंचकर बताया कि जीवित होने के बावजूद नगर निगम ने उन्हें मृत घोषित कर निराश्रित पेंशन बंद कर दी है। मामले को गंभीर मानते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक को जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वहीं जिले की विभिन्न शराब दुकानों में तैनात लगभग 150 सुरक्षा गार्ड भी जनदर्शन पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो महीनों से उन्हें वेतन नहीं मिला है। सुरक्षा गार्डों ने यह भी कहा कि तय समय से अधिक ड्यूटी लेने के बावजूद उन्हें ओवरटाइम राशि और नियमित भुगतान समय पर नहीं दिया जा रहा। इस पर कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लमेर गांव के युवा किसान भाग्योदय ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक अपनाने की इच्छा जताते हुए कृषि ड्रोन पायलट प्रशिक्षण और ड्रोन खरीद के लिए अनुदान उपलब्ध कराने की मांग की।

जिला अदालतों को सर्वश्रेष्ठ आधारभूत सुविधाएं देना प्राथमिकता-जस्टिस सिन्हा

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में न्यायिक ढांचे को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में एक पहल करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने मरवाही तहसील में नए सिविल कोर्ट भवन और पेंड्रा रोड में न्यायिक कर्मचारियों के आवासीय परिसर का वर्चुअल भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम में बिलासपुर जिले की पोर्टफोलियो जज न्यायमूर्ति रजनी दुबे भी वर्चुअल रूप से शामिल रहीं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि राज्य की जिला और अधीनस्थ अदालतों को बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध कराना हाईकोर्ट की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायालय भवन न केवल न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और पक्षकारों के लिए बेहतर कार्य वातावरण तैयार करेंगे, बल्कि इससे न्यायिक प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और तेज होगी।

मरवाही में बनने वाले नए सिविल कोर्ट भवन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। भवन में दो कोर्ट रूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, कॉन्फ्रेंस हॉल और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा महिला कर्मचारियों के लिए विशेष व्यवस्था के तहत 'चाइल्ड केयर रूम' भी बनाया जाएगा। हाईकोर्ट प्रशासन का कहना है कि यह भवन राज्य के आधुनिक न्यायालय परिसरों में शामिल होगा।

इसी प्रकार पेंड्रा रोड में न्यायिक कर्मचारियों के लिए जी, एच और आई प्रकार के कुल 26 नए आवास निर्मित किए जाएंगे। इससे कर्मचारियों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्य न्यायाधीश ने लोक निर्माण विभाग, जिला प्रशासन और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को दोनों निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उपयोग की जाने वाली सामग्री और निर्माण मानकों को निविदा और कार्यादेश की शर्तों के अनुरूप रखने पर विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि न्यायिक आधारभूत संरचना को लगातार मजबूत किए जाने से आम लोगों को बेहतर वातावरण में त्वरित न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा सुधार होगा। न्यायालय परिसरों में सुविधाओं के विस्तार से अधिवक्ताओं और पक्षकारों को भी राहत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि पेंड्रा रोड जिला न्यायालय के पूर्व निरीक्षण के दौरान वहां आधारभूत सुविधाओं की कमी सामने आई थी। इसके बाद से मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा राज्यभर की जिला एवं बाह्य अदालतों के ढांचे को विकसित करने के लिए लगातार पहल कर रहे हैं। न्यायिक प्रशासन का मानना है कि इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ की जिला न्यायपालिका आधुनिक मानकों की ओर तेजी से बढ़ रही है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर के स्वागत उद्बोधन से हुई, जबकि अंत में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पेंड्रा रोड ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारी, बिलासपुर और पेंड्रा रोड जिला न्यायालयों के न्यायिक अधिकारी-कर्मचारी, मरवाही तहसील न्यायालय के अधिकारी, अधिवक्ता, प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

पार्वती शिक्षा महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, सभी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा सत्र 2025-26 में पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग रिसर्च एंड मैनेजमेंट शिक्षा महाविद्यालय, मदनपुर-सिलफिली, जिला सूरजपुर के बी.एड. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। बी.एड. प्रथम सेमेस्टर में संयुक्त रूप से सुनिता राजवाड़े एवं ओसिन सिन्हा ने 82.25 प्रतिशत अंक प्राप्त प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय तथा किया। इसी प्रकार बी.एड. तृतीय सेमेस्टर में आकांक्षा कुमारी सिंह दीक्षा सोनी एवं रिया जायसवाल रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं वर्षा दास ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं अपने परिवार का मान बढ़ाया।

बांक नदी पर बनी पुलिया ध्वस्त, कई गांवों का संपर्क

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

सूरजपुर जिले के सोनगरा-खड़गंवा मार्ग पर सुखदेवपुर स्थित बांक नदी पुलिया बुधवार को कोयला लदे भारी वाहनों के लगातार दबाव के चलते भरभराकर ध्वस्त हो गई। पुलिया टूटने से क्षेत्र के दर्जनों गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार उक्त मार्ग से एसईसीएल भटगांव क्षेत्र की महान-3 कोयला खदान से प्रतिदिन सैकड़ों भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिया लंबे समय से जर्जर हालत में थी, लेकिन इसके मरम्मत और सुदृढ़ीकरण को लेकर संबंधित विभाग तथा एसईसीएल प्रबंधन द्वारा कोई गंभीर पहल नहीं की गई। लगातार बढ़ते दबाव के बीच आखिरकार पुलिया ध्वस्त हो गई।

पुलिया टूटने से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क बाधित हुआ है, बल्कि महान-3 खदान से होने वाला कोयला परिवहन भी प्रभावित हो गया है। अब कोयला लदे वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से प्रतापपुर होते हुए अंबिकापुर की ओर भेजे जाने की संभावना जताई जा रही है। इससे अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ सड़क दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र वैकल्पिक आवागमन व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा बांक नदी पुलिया के पुनर्निर्माण कार्य को तत्काल शुरू कराने की मांग की है, ताकि आमजन की परेशानी दूर हो सके और यातायात व्यवस्था जल्द सामान्य हो सके।

सार्वजनिक शौचालय बदहाल, सुधार की मांग

प्रतापपुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रतापपुर नगर पंचायत क्षेत्र के पुराने बस स्टैंड के पीछे स्थित सार्वजनिक शौचालय की स्थिति खराब होने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार शौचालय में साफ-सफाई और पानी की व्यवस्था प्रभावित है।

नागरिकों का कहना है कि सबसे खराब हाल दिव्यांगजन शौचालय का है। शौचालय की सीट क्षतिग्रस्त है तथा परिसर में गंदगी फैली हुई है। पानी की व्यवस्था नहीं है। लंबे समय से नियमित सफाई नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस संबंध में नगर पंचायत को कई बार शिकायत दी गई है।

नागरिकों के अनुसार नगर के अन्य क्षेत्रों में भी नालियों की सफाई और कचरा प्रबंधन की समस्या बनी हुई है। बारिश से पहले सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की गई है।

पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई तेंदूपत्ता खरीदी

संग्रहकों के पांव पखार कर किया सम्मान

राजपुर,, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में तेंदूपत्ता खरीदी सत्र वर्ष 2026 की शुरुआत सोमवार से हो गई। राजपुर वन परिक्षेत्र के विभिन्न संग्रहण फड़ों में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ तेंदूपत्ता खरीदी कार्य प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर तेंदूपत्ता संग्रहकों का पारंपरिक तरीके से पांव पखार कर सम्मान भी किया गया।

प्रथम दिवस पर प्रबंधक सुरेश सोनी, जिला यूनियन अध्यक्ष लालसाय मिंज एवं फड़ मुंशियों की मौजूदगी में संग्रहण केंद्रों में पूजा-पाठ कर खरीदी शुरू की गई। कार्यक्रम के दौरान तेंदूपत्ता संग्रहकों के सम्मान में उनके पैर धोकर स्वागत किया गया, जिससे ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

अधिकारियों ने बताया कि वन उपज संग्रहण में तेंदूपत्ता का विशेष महत्व है और इसे ग्रामीण क्षेत्रों में एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य से जुड़े हुए हैं और यह उनके जीवनयापन का प्रमुख साधन भी है।प्रथम दिवस पर प्रबंधक सुरेश सोनी, जिला यूनियन अध्यक्ष लालसाय मिंज एवं फड़ मुंशियों की मौजूदगी में संग्रहण केंद्रों में पूजा-पाठ कर खरीदी शुरू की गई। कार्यक्रम के दौरान तेंदूपत्ता संग्रहकों के सम्मान में उनके पैर धोकर स्वागत किया गया, जिससे ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

अधिकारियों ने बताया कि वन उपज संग्रहण में तेंदूपत्ता का विशेष महत्व है और इसे ग्रामीण क्षेत्रों में एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य से जुड़े हुए हैं और यह उनके जीवनयापन का प्रमुख साधन भी है।

जिला यूनियन अध्यक्ष लालसाय मिंज एवं प्रबंधक सुरेश सोनी ने संयुक्त रूप से कहा कि ग्रामीणों का तेंदूपत्ता सीजन से गहरा जुड़ाव है। कई परिवार शादी-विवाह और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों की योजना भी तेंदूपत्ता सीजन समाप्त होने के बाद ही बनाते हैं।

उन्होंने संग्रहकों से अच्छी गुणवत्ता के पत्ते फड़ों में लाने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक संग्रहक कम से कम 500 गड्डी तेंदूपत्ता विक्रय करने का प्रयास करे, ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके।

चिलमा वनखण्ड में बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई, 8 पर वन अपराध दर्ज

राजपुर, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर जिले के राजपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत अधिसूचित चिलमा वनखण्ड में बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई का मामला सामने आया है। वन विभाग ने आठ आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज किया है। यह कार्रवाई वनमण्डलाधिकारी आलोक कुमार वाजपेयी के निर्देशन में की गई।

जानकारी के अनुसार राजपुर वन परिक्षेत्र के चिलमा वनखण्ड के कक्ष क्रमांक आरएफ 2734 एवं आरएफ 2735 में कुछ ग्रामीणों द्वारा अवैध रूप से वन क्षेत्र की सफाई कर बड़ी संख्या में बाल वृक्षों की कटाई की गई थी। मामले की सूचना मिलने पर एसडीओ आर.एस. लाल श्रीवास्तव, वनपरिक्षेत्राधिकारी अजय वर्मा, पुलिस बल एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में मौके पर जांच की गई।

जांच के दौरान साल, साजा, करमी, धावड़ा तथा करौंदा मिश्रित प्रजाति के कुल 536 बाल वृक्ष कटे हुए पाए गए, जिन्हें काटकर मौके पर ही छोड़ दिया गया था। वन विभाग ने मामले में हरेन्दर कुशवाहा, रामलाल, अलबीस बड़ा, रंजीत बड़ा, सुरेन्द्र, रबीन्द्र, मीराज एवं केन्दा सहित अन्य ग्रामीणों को आरोपी बनाया है। सभी आरोपी ग्राम चिलमाकला, झींगाडांड़, परसागुड़ी, भदरापारा एवं आसपास के क्षेत्रों के निवासी बताए जा रहे हैं।

वन विभाग द्वारा 11 मई को चिलमा एवं परसागुड़ी के सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में मौका पंचनामा तैयार किया गया तथा कटाई-सफाई में शामिल आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ की गई।

विभाग ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 (1) क, च एवं ज तथा लोक संपत्ति नुकसानी निवारण अधिनियम की धारा 3 (1) के तहत अपराध दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को शीघ्र न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

वन विभाग का कहना है कि संरक्षित वन क्षेत्रों में अवैध कटाई किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, शुक्रवार 15 मई 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

आयुष मंत्रालय ने बहुभाषी आयुष डिजिटल सेवाओं को मजबूत करने के लिए डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

- **इस सहयोग का उद्देश्य आयुष के डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवाओं पर एआई-संचालित बहुभाषी पहुंच को सक्षम बनाना है**
- **भाषिणी प्रौद्योगिकियां आयुष सेवाओं को सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने में सहायता करेंगी**

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन (डीआईबीडी) के बीच आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य उन्नत एआई-संचालित भाषा प्रौद्योगिकी के माध्यम से आयुष ज्ञान प्रणालियों का कई भारतीय भाषाओं में तेजी से प्रतिलेखन और अनुवाद सक्षम बनाना है।

"भाषिणी राजयम – एक भाषिणी सहयोगी कार्यक्रम" नामक पहल के तहत, इस साझेदारी का उद्देश्य आयुष मंत्रालय के विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों और सेवाओं में भारत के राष्ट्रीय भाषा डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, भाषिणी प्लेटफार्म को एकीकृत करना है।

आयुष मंत्रालय, आयुष ग्रिड पहल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, क्षमता निर्माण, अनुसंधान, औषधि प्रशासन और संबंधित क्षेत्रों में काम कर रहा है। आयुष ग्रिड के तहत विकसित कई पोर्टल, एप्लिकेशन और एआई-आधारित समाधानों को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यताप्राप्त सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है, ताकि व्यापक पहुंच और उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

इस सहयोग के तहत डिजिटल इंडिया भाषिणी की तकनीकों को आयुष ग्रिड पोर्टल, एप्लिकेशन और एआई टूल सहित आयुष डिजिटल समाधानों में एकीकृत किया जाएगा, ताकि बहुभाषी पहुंच को मजबूत किया जा सके और देश भर में डिजिटल पहुंच का विस्तार किया जा सके। इसके अलावा, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी से संबंधित स्वास्थ्य और कल्याण संवाद के लिए डोमेन-विशिष्ट बहुभाषी शब्दावली प्रणालियों को विकसित करने, आयुष भाषा डेटासेट को मजबूत

करने और प्रासंगिक एआई मॉडल बनाने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएंगे।

आयुष मंत्रालय के निदेशक डॉ. सुबोध कुमार और डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री अमिताभ नाग ने आधिकारिक तौर पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह हस्ताक्षर समारोह आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

आयुष ज्ञान को हर भारतीय भाषा में सुलभ बनाने के महत्व पर जोर देते हुए, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, "आयुष चिकित्सा प्रणालियों में अपार सभ्यतागत ज्ञान और सांस्कृतिक गहराई समाहित है। यह सुनिश्चित करना कि यह ज्ञान हर भारतीय भाषा में सुलभ हो, समावेशी स्वास्थ्य सेवा वितरण और जन जागरूकता के लिए आवश्यक है। भाषिणी के साथ इस सहयोग के माध्यम से, हमारा उद्देश्य आयुष प्रणाली में बहुभाषी क्षमताओं को मजबूत करना, विशिष्ट क्षेत्र से संबंधित ठोस शब्दावलियां विकसित करना और भविष्य के लिए तैयार एआई प्रणालियां बनाना है जो भाषायी सीमाओं के पार नागरिकों को निर्बाध रूप से सहायता प्रदान कर सकें।"

जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में सुधार लाने में बहुभाषी एआई प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देते हुए, आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन ने कहा, "आयुष मंत्रालय ने पहुंच और सेवा वितरण में सुधार के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है। भाषिणी द्वारा प्रदर्शित बहुभाषी एआई समाधान, विशेष रूप से नुस्खे तैयार करने में सक्षम डॉक्टर-मरीज संवाद प्रणाली, जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता को दर्शाते हैं। यह सहयोग अधिक समावेशी और नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री अमिताभ नाग ने कहा, "डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भाषा-समावेशी एआई सिस्टम महत्वपूर्ण हैं। आयुष मंत्रालय के साथ इस सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य बहुभाषी और वॉइस-इनेबल्ड हेल्थकेयर इकोसिस्टम का निर्माण करना है जो नागरिकों को उनकी पसंदीदा भाषाओं में सहायता प्रदान करने में सक्षम हो और साथ ही भारत के व्यापक डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विजन को मजबूत करे।"

इस पहल से आयुष डिजिटल प्लेटफॉर्म में भाषिणी अनुवाद एपीआई, वाक् और ध्वनि प्रौद्योगिकियों के एकीकरण में सुविधा मिलेगी, जिससे देश के विभिन्न भाषायी क्षेत्रों में सुलभता और नागरिक सहभागिता में सुधार होगा। चर्चाओं में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए शब्दावली निर्माण और भविष्य में बहुभाषी एआई मॉडल विकसित करने हेतु मानकीकृत आयुष शब्दावलियों के लिए भारत के डिजिटल भंडार, नमस्ते पोर्टल का लाभ उठाने के अवसरों पर भी विचार किया गया।

इस संवाद के दौरान, डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन ने डिजिटल समावेशन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई नागरिक-केंद्रित उपयोग के उदाहरण प्रस्तुत किए। प्रमुख प्रदर्शनों में बहुभाषी वाक् इंटरफेस का उपयोग करके एआई-सक्षम डॉक्टर-मरीज प्रिस्क्रिप्शन जनरेशन सिस्टम, श्रुतलेख के माध्यम से तत्क्षण मीटिंग ट्रांसक्रिप्शन और मीटिंग मिनट जनरेशन, श्रमिक वर्ग के रोजगार में सहायता के लिए आवाज-आधारित सीवी निर्माण समाधान और भारत की प्राचीन पांडुलिपि विरासत के डिजिटलीकरण और संरक्षण पर केंद्रित भाषा प्रौद्योगिकी उपकरण शामिल थे।

यह सहयोग आयुष मंत्रालय की देश भर में एक समावेशी, सुलभ और नागरिक-केंद्रित आयुष इकोसिस्टम के निर्माण के लिए उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत ने जिनेवा में आईटीयू परिषद 2026 में वैश्विक दूरसंचार नेतृत्व को मजबूत किया

- **भारत को आईटीयू प्लेनीपोटेन्शियरी सम्मेलन-2030 की मेजबानी मिलने की संभावना**

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के उप महानिदेशक (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) श्री मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में 28 अप्रैल से 8 मई 2026 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) परिषद 2026 की बैठक में हिस्सा लिया।

परिषद की बैठक के दौरान दूरसंचार विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के साथ मिलकर वैश्विक दूरसंचार और डिजिटल सहयोग से संबंधित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया, साथ ही डिजिटल और दूरसंचार क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व का प्रदर्शन भी किया। भारत ने वर्ष 2030 में 'आईटीयू प्लेनीपोटेन्शियरी सम्मेलन' (पीपी-2030) की मेजबानी करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। आईटीयू परिषद ने भारत के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जो वैश्विक दूरसंचार और डिजिटल नीति संबंधी विमर्श को आकार देने में भारत की बढ़ती भूमिका के लिए एक बडी उपलब्धि है। भारत के इस प्रस्ताव को नवंबर 2026 में दोहा में होने वाले आईटीयू प्लेनीपोटेन्शियरी सम्मेलन 2026 में अंतिम मंजूरी मिलने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल ने आईटीयू की क्षेत्रीय उपस्थिति, आईटीयू की सदस्यता और आईटीयू कार्यक्रमों के आयोजन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी अपनी बात रखी।

आईटीयू चुनावों के लिए भारत की उम्मीदवारी का मजबूती से प्रचार करते हुए भारत ने 30 अप्रैल 2026 को आईटीयू परिसर में एक 'नेटवर्किंग रिसेप्शन' की मेजबानी की, जिसमें 69 सदस्य देशों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान भारत ने आईटीयू परिषद के पुनः निर्वाचन और 'रेडियो संचार ब्यूरो' (बीआर) के निदेशक पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की।

रक्षा मंत्री और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पुट्टपर्थी में एयरोस्पेस और रक्षा परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में शामिल होंगे

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन चंद्र बाबू नायडू 15 मई, 2026 को आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के पुट्टपर्थी में कई एयरोस्पेस और रक्षा परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में शामिल होंगे। इस समारोह में वैमानिकी विकास एजेंसी के विमान एकीकरण और उड़ान परीक्षण केंद्र की आधारशिला रखी जाएगी। विमान एकीकरण, परीक्षण, सत्यापन और प्रमाणन की यह सुविधा उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम के विकास में तेजी लाएगी।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह अनाकापल्ली जिले के टी. सिरासपल्ली गांव में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की अत्याधुनिक नौसेना प्रणाली निर्माण सुविधा की आधारशिला भी रखेंगे। यह परिसर उन्नत जलमग्न हथियार प्रणालियों और नौसैनिक युद्ध प्रणालियों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित किया जाएगा।

कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड की सहायक कंपनी अग्नेयास्त्रा एनर्जेटिक्स लिमिटेड की डिफेंस एनर्जेटिक्स फैसिलिटी, श्री सत्य साई जिले के मदाकासिरा में एचएफसीएल लिमिटेड के गोला बारूद और इलेक्ट्रिक फ्यूज प्लांट, और कुरनूल में ड्रोन सिटी के लिए कई परियोजनाओं का शिलान्यास समारोह आयोजित किया जाएगा। आंध्र प्रदेश सरकार के साथ विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

शाओमी के सीईओ ने ली मस्क के साथ सेल्फी: टेस्ला सीईओ ने दिया ऐसा लुक, सोशल मीडियो पर वीडियो हो गया वायरल

बीजिंग। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'वीबो' पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। यह वीडियो टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क और शाओमी के सीईओ ली जून की है।

दोनों दिग्गज की इस सेल्फी को लेकर 'ली जून और मस्क की साथ में फोटो' हैशटैग ट्रेंड कर रहा है।

इस फोटो को अब तक 2 करोड़ से ज्यादा लोग देख चुके हैं। तस्वीर में एलन मस्क आंख मारते (विंक करते) नजर आ रहे हैं, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। सोशल मीडिया पर वायरल इस तस्वीर पर यूजर्स अलग अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

प्लेन क्रैश के बाद 5 घंटे तक समुद्र में जूझते रहे यात्री, फिर हुआ चमत्कार और बच गई 11 लोगों की जान

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा तट के पास समुद्र में हुए एक विमान हादसे में 11 लोगों की जान बाल-बाल बच गई। विमान के समुद्र में गिरने के बाद सभी लोग करीब 5 घंटे तक एक लाइफ राफ्ट पर फंसे रहे। उनके पास मदद के लिए किसी से संपर्क करने का कोई साधन नहीं था और उन्हें यह भी नहीं पता था कि कोई उन्हें बचाने आएगा भी या नहीं।

इस दौरान तेज तूफान आने की आशंका के बीच सभी लोग एक तिरपाल के नीचे बैठकर खुद को बचाने की कोशिश करते रहे। बाद में अमेरिकी सेना और बचाव दल के हेलीकॉप्टर वहां पहुंचे और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारियों के मुताबिक,

समुद्र में विमान का कोई मलबा नहीं मिला

हादसे का शिकार हुआ विमान बीचक्राफ्ट 300 किंग एयर टर्बोप्रॉप था। यह विमान बहामास के ग्रेट अबाको द्वीप स्थित मार्श हार्बर से फ्रीपोर्ट के ग्रैंड बहामा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जा रहा था। मंगलवार को उड़ान के दौरान विमान का इंजन खराब हो गया, जिसके बाद पायलट ने फ्लोरिडा के वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर समुद्र में इमरजेंसी लैंडिंग यानी डिचिंग की। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान में मौजूद 10 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और सभी को पीले रंग की लाइफ राफ्ट पर पहुंचाया। गनीमत रही कि हादसे में 3 लोगों को सिर्फ मामूली चोटें आईं।

रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल एयर फोर्स कैप्टन रोरी व्हिपल ने बताया, उन्हें देखकर साफ लग रहा था कि वे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद परेशान थे। कल्पना कीजिए कि समुद्र के बीच फंसे लोगों को यह भी नहीं पता था कि कोई उन्हें बचाने आएगा या नहीं।

ब्रिटेन की राजनीति में बड़ी हलचल: स्वास्थ्य मंत्री ने दिया इस्तीफा, पीएम स्टार्मर को दे सकते हैं चुनौती

लंदन। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। माना जा रहा है कि वह स्टार्मर के नेतृत्व को चुनौती देने की तैयारी में हैं। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग कैबिनेट छोड़ने वाले पहले वरिष्ठ मंत्री बने हैं। उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं काफी समय से चर्चा में रही हैं। उन्हें उन कुछ खास लोगों में गिना जाता है जो स्टार्मर को पद से हटाने की कोशिश कर सकते हैं।

पिछले हफ्ते स्थानीय और क्षेत्रीय चुनावों में लेबर पार्टी को बहुत खराब नतीजे मिले थे। इसके बाद से स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। स्ट्रीटिंग ने अपने इस्तीफे में लिखा कि स्टार्मर ने वैश्विक मंच पर साहस दिखाया है और ब्रिटेन को ईरान युद्ध से दूर रखा, लेकिन देश को जिस विजन और दिशा की जरूरत है, वहां अब खालीपन नजर आ रहा है। उन्होंने साफ कहा कि स्टार्मर अगले आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व नहीं कर पाएंगे।

इसके बीच, एक और संभावित दावेदार और पूर्व उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने भी अपनी स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने टैक्स अधिकारियों के साथ अपना विवाद सुलझा लिया है। रेनर ने कहा कि स्टार्मर को अपने पद पर विचार करना चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि अगर स्ट्रीटिंग चुनौती शुरू करते हैं, तो वह भी अपनी

भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

ये भी पढ़ें: शी जिनपिंग को व्हाइट हाउस आने का न्योता: ट्रंप बोले- US-चीन संबंध साझेदारी नहीं, वैश्विक शक्ति संतुलन की रीढ़

वहीं प्रधानमंत्री स्टार्मर ने पद छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने सांसदों को चेतावनी दी कि नेतृत्व की लड़ाई से सरकार में अराजकता फैल जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस समय महंगाई और मध्य पूर्व के युद्ध जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। इस बीच, अर्थव्यवस्था से जुड़ी एक अच्छी खबर ने स्टार्मर को थोड़ी राहत दी है। साल की पहली तिमाही में जीडीपी (GDP) 0.6 प्रतिशत बढ़ी है। वित्त मंत्री रेचल रीव्स ने कहा कि उनकी नीतियां काम कर रही हैं और देश में आर्थिक स्थिरता वापस आ रही है।

नेशनल हेल्थ सर्विस (NHS) से भी सकारात्मक खबर आई है। वहां नियुक्तियों के लिए वेटिंग लिस्ट लगातार पांचवें महीने कम हुई है। लेबर पार्टी के नियमों के मुताबिक, प्रधानमंत्री को चुनौती देने के लिए 403 में से 81 सांसदों का समर्थन चाहिए। हाल के दिनों में इससे ज्यादा सांसद स्टार्मर के इस्तीफे की मांग कर चुके हैं। मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम का नाम भी चर्चा में है, जो संसद में वापसी का रास्ता तलाश सकते हैं।

प्रधानमंत्री की अपील को केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने बताया राष्ट्र के पुनर्निर्माण का महायज्ञ

- **केंद्रीय मंत्री चौहान ने अपने वाहनों के काफिले को कम किया, अब काफिले में सिर्फ तीन वाहन शामिल रहेंगे**
- **स्वदेशी पर्यटन को बढ़ावा देंगे, अनावश्यक विदेशी पर्यटन से बचेंगे- शिवराज सिंह चौहान**
- **जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर अपनी भूमि के 25 प्रतिशत भाग पर प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने का करेंगे आग्रह- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान**
- **मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को मंत्रालय स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएगा- शिवराज सिंह चौहान**

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के आह्वान पर कृषि भवन, नई दिल्ली में कृषि मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा भूमि संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक के दौरान चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है और वे सदैव देशहित में निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री देश के लिए कोई आह्वान करते हैं तो वह राष्ट्रहित में अत्यंत आवश्यक होता है तथा हम सभी को इसका पालन करना चाहिए।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के लोगों से किए गए विभिन्न आह्वानों के अनुपालन पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दें तथा कम से कम 5-5 परिवारों को भी इसके लिए प्रेरित करें। "वोकल फॉर लोकल" और "स्वदेश अभियान" के तहत स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय स्तर पर अधिकारी और कर्मचारी गण गैर-जरूरी सोने की खरीद न करें और हर अधिकारी 5 लोगों को ऐसा न करने के लिए प्रेरित भी करें।

उन्होंने कहा कि अनावश्यक विदेशी यात्राओं से बचना चाहिए तथा केवल अत्यंत आवश्यक होने पर ही विदेश यात्रा की जाए। अधिकारियों को अधिकतम कार्य वर्चुअल माध्यम से करने, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं ई-ऑफिस प्रणाली को बढ़ावा देने के भी निर्देश केन्द्रीय मंत्री ने दिए। साथ ही वर्क फ्रॉम होम अथवा हाइब्रिड मॉडल की संभावनाओं का भी आकलन करने को कहा, लेकिन उन्होंने यह भी ध्यान रखने को कहा कि इससे काम का नुकसान न हो। वहीं, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने वाहनों के काफिले को भी कम किया है और अब उनके काफिले में सिर्फ तीन वाहन शामिल रहेंगे।

चौहान ने कहा कि गर्मियों की छुट्टियों में विदेश यात्रा के बजाय देश के भीतर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, क्योंकि भारत प्राकृतिक सुंदरता और विविधता से परिपूर्ण है। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन तथा ई-वाहनों के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने की बात कही।

शिवराज सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं बैठकों में भोजन सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं में स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। साथ ही मोटे अनाज तथा देश में उत्पादित खाद्य तेलों के उपयोग को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया।

खेती में बढ़ते रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इससे हमारी धरती को नुकसान पहुंच रहा है और मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है। इसे रोकने के लिए संतुलित उर्वरक उपयोग तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देना चाहिए। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश में उर्वरक के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं लेकिन हमें इसके संतुलित और विवेकपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए किसानों को जागरूक करने के लिए "खेत बचाओ अभियान" शुरू किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उर्वरकों के संतुलित उपयोग के लिए ICAR के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में 1657 टीमों का गठन किया गया है जो गांव स्तर पर किसानों को जागरूक एवं प्रशिक्षित करेंगी। साथ ही गांव-गांव में "खेत बचाओ समितियों" का भी गठन किया जा रहा है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि सही तरीके से प्राकृतिक खेती अपनाने पर उत्पादन में कमी नहीं आती है। उन्होंने अधिकारियों से इस दिशा में जन-जागरूकता अभियान को पूरी ताकत के साथ चलाने का निर्देश किया।

उन्होंने बताया कि देश में 8 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर लगभग 18 लाख किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। लक्ष्य है कि देश की कम से कम 25 प्रतिशत कृषि भूमि पर प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए। इस संबंध में सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को वह स्वयं पत्र लिखने वाले हैं। इसके माध्यम से वह इन जनप्रतिनिधियों को 25 प्रतिशत भूमि पर प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने का आग्रह करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूरदर्शी नेता हैं, जो केवल आज नहीं बल्कि आने वाले 50 वर्षों के भारत के बारे में सोचते हैं। वह एक ऐसे राष्ट्रभक्त हैं जो पहले स्वयं को कसौटी पर कसते हैं फिर लोगों से कोई आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित में उठाया गया प्रत्येक कदम देश के पुनर्निर्माण के महायज्ञ में योगदान है।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे जल्द से जल्द इन बिंदुओं पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें ताकि कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय राष्ट्रहित में एक उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

जांजगीर में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या

खाट पर खून से लथपथ मिलीं लाशें

जांजगीर-चांपा (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के जांजगीर–चांपा जिले के भवंतरा गांव में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जहां गांव में एक ही परिवार के चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य निर्माणाधीन मकान में खाट पर सो रहे थे। बुधवार देर रात अज्ञात हमलावर ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गुरुवार सुबह जब निर्माण कार्य के लिए मिस्त्री मौके पर पहुंचा, तब चारों की लाशें खून से लथपथ हालत में मिलीं।

मृतकों की पहचान मेदनी प्रसाद कश्यप (70 वर्ष), उनकी पत्नी कांती बाई (65 वर्ष), नातिन मोगरा (25 वर्ष) और नाती पीतांबर (17 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चारों निर्माणाधीन मकान में एक ही घर में साथ रहते थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस ने एक संदिग्ध पड़ोसी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे पुरानी रंजिश, पारिवारिक विवाद या अन्य कारणों की जांच की जा रही है। गांव में भय और आक्रोश का माहौल है तथा पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है।

फसलों को खरपतवार से होने वाले नुकसान को नियंत्रित करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने बनाई रणनीति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की त्रि–दिवसीय 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का आज यहां समापन हुआ। बैठक के तृतीय दिवस में उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों के साथ विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान खरपतवार प्रबंधन से संबंधित आधुनिक तकनीकों, कृषि उपयोगी उत्पादों, नवाचारों एवं अनुसंधान आधारित समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। उद्योग प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के उपयोग, प्रभावी खरपतवार नियंत्रण उपायों तथा किसानों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। इस तीन दिवसीय समीक्षा बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न फसलों को हानि पहुंचाने वाले खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण की विभिन्न विधियों पर सारगर्भित चर्चा की तथा फसलों को इनसे होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने हेतु मंथन किया। इस दौरान विभिन्न रासायनिक खरपतवारनाशकों से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की गई और इसे रोकने के उपायों पर भी विचार–विमर्श किया गया। हानिकारक हर्बिसाइड के उपयोग को सीमित करते हुए खरपतवार प्रबंधन की वैकल्पिक विधियों को प्रोत्साहन देने पर जोर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आगामी 12 से 14 मई 2026 तक अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना卐 की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (एनआरएम) डॉ. ए.के. नायक द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में किया गया। यह परियोजना देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में फसलों में खरपतवार नियंत्रण पर अनुसंधान तथा नवीनतम तकनीकों के विकास एवं उनके किसानों के बीच प्रसार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से चलाई जा रही है।

आयुष मंत्रालय और डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के बीच करार

एजेंसी, नई दिल्ली

आयुष मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के बीच गुरुवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भाषा तकनीक के माध्यम से आयुष ज्ञान प्रणालियों का विभिन्न भारतीय भाषाओं में तेज़ी से अनुवाद और ट्रांसक्रिप्शन करना है। यह पहल आयुष मंत्रालय के विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों और सेवाओं में भारत की राष्ट्रीय भाषा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर 'भाषिणी प्लेटफॉर्म' को एकीकृत करने का कार्य करेगी।

इस समझौते पर आयुष मंत्रालय के निदेशक डॉ. सुभोध कुमार तथा डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ नाग ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों में भारत की गहरी सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत निहित है। इसे हर भारतीय भाषा में उपलब्ध कराना समावेशी स्वास्थ्य सेवाओं और जनसंपर्क के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाषिणी के साथ यह सहयोग आयुष क्षेत्र में बहुभाषी क्षमताओं को सुदृढ़ करेगा और भविष्य के लिए सक्षम एआई प्रणालियों के विकास में मदद करेगा।

संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन ने कहा कि मंत्रालय लगातार डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से डॉक्टर–रोगी संवाद आधारित एआई प्रणाली का उल्लेख किया, जो विभिन्न भाषाओं में बातचीत करके प्रिस्क्रिप्शन तैयार कर सकती है।

भूपेश बघेल को झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति छोड़ आत्ममंथन करना चाहिए : केदार कश्यप

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस आज पूरी तरह निराशा और हताशा में झूठ फैलाने का काम कर रही है। जिनके पूरे कार्यकाल की पहचान भ्रष्टाचार, संरक्षणवाद और जनता को गुमराह करने की राजनीति रही हो, उन्हें लोकतंत्र और ग्रामसभा की याद आना हास्यास्पद है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर जनसुनवाई और प्रशासनिक प्रक्रिया कानून के दायरे में हो रही है। यदि किसी स्तर पर शिकायत आती है तो उसकी जांच भी निष्पक्ष तरीके से की जाती है, लेकिन कांग्रेस बिना तथ्य केवल उद्योग विरोध और विकास विरोध की राजनीति कर रही है। कांग्रेस को रोजगार, निवेश और विकास से हमेशा दिक्कत रही है, क्योंकि उनकी राजनीति केवल भ्रम, भय और विवाद पर टिकी हुई है।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित

- हाईस्कूल का परिणाम 58.39 प्रतिशत और हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट का परिणाम परिणाम 71 प्रतिशत रहा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य परीक्षा मार्च–अप्रैल 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित किए। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष रेणु जी पिल्लई, माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू सहित छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2026 का परिणाम 58.39 प्रतिशत और हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट का परिणाम परिणाम 71 प्रतिशत रहा।

हाईस्कूल परीक्षा परिणाम

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा मार्च–अप्रैल में 2026 का परीक्षा परिणाम आज 14 मई को अपरान्ह 4 बजे घोषित किया गया। परीक्षा में कुल 33 हजार 893 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 31 हजार 852 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। विभिन्न कारणों से 39 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम रोका गया है। कुल 31 हजार 813 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम जारी किया गया, जिसमें 18 हजार 578 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा का कुल परिणाम 58.39 प्रतिशत रहा।

हायर सेकण्डरी परीक्षा परिणाम

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा मार्च–अप्रैल 2026 का परीक्षा परिणाम भी आज अपरान्ह 4 बजे घोषित किया गया। इस परीक्षा में कुल 40 हजार 256 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 38 हजार 883 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें 3 हजार 682 विद्यार्थी आरटीडी योजना अंतर्गत शामिल हुए। विभिन्न कारणों से 40 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम रोका गया है। कुल 34 हजार 961 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम जारी किया गया, जिसमें 24 हजार 823 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा का कुल परिणाम 71 प्रतिशत रहा।

विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल वेबसाइट http://www.sos.cg.nic.in तथा http://www.result.cg.nic.in परीक्षा परिणाम पोर्टल? पर देख सकते हैं।

नेतानार सीआरपीएफ कैंप बस्तर का पहला जन सुविधा केंद्र बनेगा, अमित शाह करेंगे उद्घाटन

जगदलपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर पिछले चार दशक से नक्सल मोर्चे पर तैनात अर्धसैनिक बलों के बस्तर से लौटने का सिलसिला जल्द ही शुरू होने वाला है। नक्सल मुक्त बस्तर होने के बाद इन सुरक्षा कैंपों को स्थानीय ग्रामीणों के लिए जन सुविधा केंद्र बनाने की घोषणा गृहमंत्री अमित शाह ने की थी। इसी कड़ी में आगामी 18 मई को 2 दिवसीय बस्तर दौरे पर पहुंच रहे गृहमंत्री शाह नेतानार सीआरपीएफ कैंप को बस्तर का पहला जन सुविधा केंद्र घोषित कर इसका उद्घाटन करेंगे।

दरअसल, यह इलाका कभी नक्सलियों का गढ़ हुआ करता था। नक्सलियों ने नेतानार के आसपास के इलाकों में कई बड़ी वारदातों को भी अंजाम दिया, जिसके बाद यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैंप स्थापित करने के बाद इस क्षेत्र में नक्सल गतिविधि कम होने के साथ अब यह इलाका पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो चुका है। ऐसे में अब इस कैंप को बस्तर का पहला जन सुविधा केंद्र बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

बस्तर के आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि 31 मार्च के बाद बस्तर संभाग के अंदरूनी इलाकों में नक्सल गतिविधि पूरी तरह से समाप्त हो चुकी है। ऐसे में सुरक्षा की दृष्टिकोण से जिन नक्सल इलाकों में सुरक्षा कैंप खोले गए थे, उनमें से कुछ कैंपों को अब उस क्षेत्र की जनता के लिए मूलभूत सुविधा से लाभान्वित करने के उद्देश्य से इन कैंपों को डिजिटल सेवा केंद्र, स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर, फॉरेस्ट फूड प्रोसेसिंग यूनिट के रूप में स्थापित किए जाने की योजना बनाई गई है। इसी कड़ी में नेतानार सीआरपीएफ कैंप बस्तर का पहला जन सुविधा केंद्र होगा। आगामी दिनों में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर प्रवास के दौरान इस जन सुविधा केंद्र का उद्घाटन और नामकरण किया जाएगा।

अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार बस्तर रेंज के संवेदनशील और दुरुस्त इलाकों में लगभग 400 से अधिक सुरक्षा कैंप स्थापित हैं। इन कैंपों में सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और जिला पुलिस बल के जवान तैनात हैं। बस्तर संभाग अब पूर्ण रूप से नक्सल मुक्त होने की घोषणा के बाद इन सुरक्षा कैम्पों को स्थानीय ग्रामीणों के रोजगार और सुविधा के अनुसार जन सुविधा केंद्र में तब्दील करने की योजना है। इसी कड़ी में नेतानार का सीआरपीएफ कैंप बस्तर संभाग का पहला जन सुविधा केंद्र बनने जा रहा है।

राहुल गांधी के विदेश दौरे पर हुए खर्च को लेकर भाजपा ने उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर हुए खर्च को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। भाजपा ने कहा कि वर्ष 2004 से 2026 तक राहुल गांधी कुल 54 बार विदेश यात्रा पर गए, जिन पर लगभग 60 करोड़ रुपये खर्च हुए। पार्टी ने आरोप लगाया कि इन यात्राओं की फंडिंग और विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राहुल गांधी ने 54 बार विदेश यात्रा अपने खर्चे पर की जिस पर 60 करोड़ रुपये खर्च हुए। इन यात्राओं में अमेरिका, इटली, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, वियतनाम, कम्बोडिया, सिंगापुर, बहरीन, मालदीव, कतर, यूएई और हाल में ओमान–मस्कट की यात्राएं शामिल हैं। अधिकांश यात्राओं के प्रेस इटिनरी, संसदीय रिकॉर्ड और फोटो ट्रेल सार्वजनिक हैं, लेकिन इनका वित्तीय स्रोत स्पष्ट नहीं है।

संबित पात्रा ने कहा कि 2013–14 से 2022–23 के बीच राहुल गांधी की घोषित आय लगभग 11 करोड़ रुपये रही, जबकि विदेश यात्राओं पर कथित खर्च 60 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। साफ है कि आय और खर्च के बीच बड़ा अंतर है।

कुछ यात्राओं का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2015 में दक्षिण–पूर्व एशिया यात्रा पर कथित तौर पर 4.5 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि उस वर्ष राहुल गांधी की घोषित आय 86.55 लाख रुपये थी। इसी तरह दिसंबर 2025 में लंदन और बर्लिन यात्रा पर 1.4 करोड़ रुपये, सितंबर–अक्टूबर 2025 में लैटिन अमेरिका यात्रा पर 5.5 करोड़ रुपये और अप्रैल 2025 में बोस्टन यात्रा पर 1.2 करोड़ रुपये खर्च होने का दावा किया गया।

संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि अप्रैल 2025 में दुबई और मई 2026 में मस्कट की यात्राएं अघोषित थीं। इन यात्राओं के संबंध में सीआरपीएफ द्वारा पत्र लिखे गए, जिनमें नो प्रोग्राम, नो होस्ट डिस्क्लोजर और सीक्रेट ट्रिप जैसे उल्लेख थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय कानून, विशेषकर एफसीआरए से जुड़े प्रावधानों के तहत किसी सांसद या सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को विदेशी आतिथ्य स्वीकार करने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य होता है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि इन यात्राओं का खर्च किसी विदेशी स्रोत ने उठाया, तो उसकी अनुमति और रिकॉर्ड सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए।

भाजपा नेता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे को लिखे कथित सीआरपीएफ पत्र का हवाला देते हुए दावा किया कि दिसंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच छह अघोषित विदेश यात्राएं हुईं, जिनमें आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया।

गोलबाजार की समस्याओं को लेकर मर्चेंट एशोसिएशन ने विधायक और निगम के सभापति को सौंपा ज्ञापन, समाधान कराने की उठाई मांग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मर्चेंट एशोसिएशन गोल बाजार ने सुशासन तिहाह्न में गोल बाजार से संबंधित समस्याओं का एक ज्ञापन जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा के समक्ष सभापति सूर्यकांत राठौर, विधायक सुनील सोनी को दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष सतीश जैन महासचिव काली राम साहू संतोष रावत राजा खान आदि उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड अंतर्गत गोलबाजार, जो शहर का हृदय स्थल माना जाता है, आज भी अनेक मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है। प्रतिदिन शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 10 से 15 हजार लोग खरीदी हेतु गोलबाजार पहुंचते हैं, लेकिन यहां आम नागरिकों, व्यापारियों एवं महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का गंभीर अभाव बना हुआ है। सुशासन तिहार 2025 के अवसर पर शासन एवं प्रशासन से निम्न समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की मांग की गई है।

गोलबाजार, बंजारी रोड एवं मालवीय रोड क्षेत्र में एक भी सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध नहीं है, जिससे व्यापारियों, महिलाओं एवं ग्राहकों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। विशेष रूप से बाजार में बड़ी संख्या में महिलाएं भी दुकान संचालन करती हैं। अतः शीघ्र पिंक टॉयलेट का निर्माण कराया जाए तथा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए।

स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत अंडरग्राउंड वायरिंग के नाम पर अव्यवस्थित एवं खुली वायरिंग की गई है। कई स्थानों पर दीवारों के ऊपर वायरिंग एवं अव्यवस्थित बिजली डब्बे लगाए गए हैं, जो आवागमन में बाधा बनने के साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ा रहे हैं। साथ ही वायरिंग हेतु खोदे गए गड्ढों को आज तक नहीं भरा गया है, जिससे सड़कें जर्जर एवं असमतल हो गई हैं। अतः संपूर्ण वायरिंग व्यवस्था को सुरक्षित बनाया जाए एवं सड़क का तत्काल मरम्मत कार्य कराया जाए।

मालवीय रोड एवं चिकनी मंदिर चौक पर पूर्व शासनकाल में लगाए गए बैरिकेट आज भी यथावत हैं, जिससे ऑटो, मालवाहक बाइकों एवं आम नागरिकों को परेशानी हो रही है। ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के नाम पर लगाए गए इन बैरिकेट्स को हटाया जाए।

गोलबाजार क्षेत्र में लगे स्ट्रीट लाइट खंभों पर कम वाट की लाइटें लगी हैं, जिससे रात्रि में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं हो पाती। क्षेत्र में हाईमास्ट हैलोजन लाइट लगाने की मांग की गई है।

बाजार क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। आगजनी जैसी आपात स्थिति में तत्काल पानी उपलब्ध कराने का कोई साधन नहीं है। अतः पानी की टंकी स्थापित कर बोरवेल खुदाई कराई जाए।

गोलबाजार के भीतर दुकानों को व्यवस्थित रूप से लगाने हेतु उचित मार्किंग की जाए ताकि आवागमन एवं व्यापार व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

गोलबाजार स्थित ऐतिहासिक एकान्त्र कुआं आज भी कचरे से भरा पड़ा है। कुएं की साफ–सफाई कर वहां मशीन टंकी एवं मोटर लगाने की मांग की गई है। त्यौहारों एवं विशेष अवसरों पर गोलबाजार में अत्यधिक भीड़ होती है, लेकिन सफाई व्यवस्था अत्यंत कमजोर रहती है। सुरक्षा एवं निगरानी को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत इन जनसमस्याओं को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए, ताकि शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र गोलबाजार को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुविधायुक्त बनाया जा सके।

निकायों में सुशासन, जवाबदेही और जन सेवा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : शंगीता आर.

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव शंगीता आर. ने आज विभागीय अधिकारियों, नगर निगम आयुक्तों, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, नोडल अधिकारियों एवं प्रदेश के सभी 194 नगरीय निकायों के अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक लेकर सुशासन, जवाबदेही, जन सेवा एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। पहली बार प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों का पूरा अमला एक साथ इस बैठक में शामिल हुए।

नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव शंगीता आर. ने बैठक में कहा कि नगरीय निकाय राज्य शासन का चेहरा होते हैं और नगरों का विकास राज्य के विकास का पर्याय है। नागरिकों को शुद्ध पेयजल, स्वच्छ वातावरण, बेहतर मूलभूत सुविधाएं एवं कचरामुक्त शहर उपलब्ध कराना नगरीय निकायों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन के पास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं, इसलिए कार्यों में लापरवाही, अनियमितता या अनावश्यक बहाने स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444